पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बोलीं- बंगाल को तीन भागों में बांटना चाहती है भाजपा - 12

टीसीएस दे रही 25 हजार फ्रेशर्स को नौकरी - 12

भारत का आर्थिक विकास वैश्विक साझेदारों के लिए एक बड़ा अवसर : विनय क्वात्रा - 13

घर में ही फिर लड़खड़ाया लखनऊ गुजरात ने सात विकेट से हराया- 14

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
21.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.49
सूर्यास्त 06.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी 01:08 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 13 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 138, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

संगीत के सुनहरे युग का एक कोना खाली... नहीं रहीं आशा भोसले

मुंबई, एजेंसी

अपनी अनूठी आवाज से हिंदी पार्श्व गायन में अलग मुकाम हासिल करने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार को 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आशा भोसले को शनिवार शाम सीने में संक्रमण और कमजोरी के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली।

महान गायिका के बेटे आनंद ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार सोमवार शाम चार बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा। उन्होंने कहा, लोग कल पूर्वाह्न 11 बजे लोअर परेल स्थित कासा ग्रांदे में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सकते हैं, जहां वह रहती थीं। आशा भोसले ने अपनी बहन तथा महान गायिका लता मंगेशकर की छाया में रहकर अपनी अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने परंपराओं को तोड़ते हुए सिनेमा में महिलाओं की आवाज को गहराई दी, चाहे वह 'हम इंतजार करेंगे' में विरह से भरी मीना कुमारी हों या 'पिया तू अब तो आजा' में बेबाक और मदहोश हेलेन हों। आजा-आजा पर श्रोताओं को थिरकने पर मजबूर करने वाली 'चैन से हम को कभी' में बिछड़े प्रेम का दर्द भी महसूस कराने वाली उनकी आवाज ने कई पीढ़ियों तक राज किया।

मुंबई के अस्पताल में 92 की उम्र में ली आखिरी सांस, सीने में संक्रमण के बाद कराया गया था भर्ती

रिकॉर्ड: 80 साल की संगीत यात्रा... 12,000 से ज्यादा गाने

आशा ने अपनी बहन लता के साथ सात दशकों तक हिंदी पार्श्व गायन की दुनिया पर राज किया। आठ दशकों से अधिक लंबे करियर में आशा ने 12,000 गाने रिकॉर्ड किए। उनका पहला गाना 1943 में 10 वर्ष की आयु में मराठी फिल्म 'माझा बल' के लिए था। उन्होंने 2010 के दशक के अंत तक गायन जारी रखा और वैश्विक संगीत इतिहास में सबसे लंबे समय तक गायन करने वाली गायिका बन गईं।

पद्मिनी-वैजयंती माला से लेकर काजोल तक को दी आवाज

आशा भोंसले पद्मिनी एवं वैजयंतीमाला जैसी दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों से लेकर मीना कुमारी, मधुबाला, जीनत अमान, काजोल और उर्मिला मातोंडकर सहित कई प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी। आशा ने 2023 में अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दुबई में आयोजित एक विशेष संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दी थी। उनकी आवाज अंत तक गहन ठहराव, लचीलापन और ताजगी लिए रही।

मुर्मू, मोदी, योगी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। उनके साथ हुई बातचीत की यादें मेरे दिल में हमेशा बसी रहेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट किया, आशा भोसले जी के निधन से संगीत जगत में खालीपन आ गया है। प्रख्यात गायिका के रूप में उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक युग को परिभाषित किया। उनके पास भोसले के साथ व्यक्तिगत रूप से हुई बातचीत की सुखद यादें हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने शोक संदेश में कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित महान सुर साधिका आशा भोसले का निधन अत्यंत दु:खद है और कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उनकी अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

अगले एक सप्ताह में 40 डिग्री के भी पार जा सकता है पारा

- प्रदेश में करवट लेने लगा मौसम अब तपिश बढ़ने की भविष्यवाणी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। पिछले दिनों की बारिश, आंधी और ठंडी हवाओं से मिली राहत के बाद अब प्रदेश में तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले एक सप्ताह में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है।

रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से हवाओं की रफ्तार कम होने के साथ गर्मी का असर तेज होगा। अगले कुछ दिनों तक मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा, जिससे तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 6 से 8 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सलाह: सावधानी बरतें

मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। खासतौर पर दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की जरूरत बताई गई है।

ब्रीफ न्यूज

विदेश राज्यमंत्री ने खामेनेई की स्मृति में हुई सभा में भाग लिया

नई दिल्ली। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने रविवार को ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की स्मृति में आयोजित शोक सभा में भाग लिया। ईरानी दूतावास ने खामेनेई के निधन के 40वें दिन (चेहेलुम) पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए यह सभा आयोजित की थी। इजराइल-अमेरिका के एक हमले में 28 फरवरी को खामेनेई की मृत्यु हो गई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने नई दिल्ली में ईरान के दूतावास द्वारा आयोजित 40वें दिन के शोक समारोह में भारत सरकार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

बंगाल में एसआईआर से संबंधित याचिकाओं पर आज सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव से पहले एसआईआर से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा। इनमें वह याचिका भी शामिल है जिसमें विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों को फ्रीज करने को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने इस पर 13 अप्रैल को सुनवाई करने पर सहमति जताई थी। मतदाता सूचियों को फ्रीज करने का मतलब है कि जिन लोगों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है, उन्हें इस चुनाव के लिए मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकता।

महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने का समय आ गया : मोदी

पीएम का 2029 में लोकसभा व विधानसभा चुनाव आरक्षण के साथ कराने पर जोर

- विशेष सत्र से पहले लोकसभा और राज्यसभा के नेताओं को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने का समय आ गया है और 2029 के लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे एकजुट होकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन पारित करें।

संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र से पहले लोकसभा और राज्यसभा के सदन के नेताओं को लिखे पत्र में मोदी ने यह भी कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाओं को प्रगति करने, निर्णय लेने और सबसे महत्वपूर्ण बात, नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए यह आवश्यक है कि महिलाएं इस यात्रा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश भर में उसके सच्चे स्वरूप में लागू करने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री ने 11 अप्रैल को लिखे अपने पत्र में कहा, यह अनिवार्य है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाएं। मोदी ने कहा कि 2029 में महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने से भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने कहा, मैं यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं ताकि हम सभी एक साथ मिलकर इस संशोधन को पारित करने के लिए एकजुट हो सकें।

मैं यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं ताकि सभी दल इस संशोधन को पारित करने के लिए एकमत होकर अपनी बात रखें। यह विशेष बैठक हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करने का अवसर है। – नरेंद्र मोदी

यथावत रहता तो 2034 से पहले नहीं लागू होता कानून

महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों के पारित हो जाने से लोकसभा में सीट की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी जिनमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान 2023 में संविधान में संशोधन करके लाया गया था। हालांकि महिला आरक्षण 2027 की जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू हो पाता। इसका मतलब यह था कि यदि वर्तमान कानून यथावत रहता है तो आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता। इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव की आवश्यकता थी, इसलिए सरकार कानून में संशोधन पारित करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित कर रही है। इसके लिए संसद के बजट सत्र की अवधि बढ़ा दी गई है और सदन का एक विशेष तीन दिवसीय सत्र 16 से 18 अप्रैल तक बुलाया गया है।

राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी कर रही सरकार: खरगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी को जवाब में लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि राज्यों में चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना इस धारणा को मजबूत करता है कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए महिला आरक्षण कानून को लागू करने में जल्दबाजी कर रही है। पत्र में खरगे ने यह मांग दोहराई कि परिसीमन मुद्दे पर चर्चा करने के लिए 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। खरगे ने कहा, इस अधिनियम को संसद ने सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित किया था। उस समय कांग्रेस की ओर से मैंने मांग की थी कि यह महत्वपूर्ण कानून तत्काल प्रभाव से लागू होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इसके तत्काल कार्यान्वयन के लिए व्यापक सहमति थी, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे लागू नहीं किया।

अमेरिका-ईरान के बीच 21 घंटे चली वार्ता विफल

भड़के ट्रंप बोले- ईरान को टोल देने वाले जहाजों को होर्मुज से नहीं निकलने देंगे

- समझौता वार्ता विफल होने के बाद अस्थायी युद्धविराम पर भी उठे सवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच 21 घंटे तक चली ऐतिहासिक शांति वार्ता में कोई समझौता नहीं हो सका, इससे दो सप्ताह के लिए लागू युद्धविराम के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। दोनों पक्षों ने वार्ता विफल होने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। शांति वार्ता विफल होने से भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि अमेरिकी नौसेना ऐसे किसी जहाज को होर्मुज जलडमरूमध्य से नहीं निकलने देगी जिसने इसके लिए ईरान को टोल का भुगतान किया होगा।

वार्ता विफल होने के कुछ घंटों बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान के साथ बातचीत इसलिए असफल रही क्योंकि वह अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने को तैयार नहीं है। ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिकी नौसेना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किसी भी ऐसे जहाज को सक्रिय रूप से रोकेगी जिसने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान को टोल का भुगतान किया हो। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना, वायु सेना और रडार सिस्टम पहले ही बेकार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सेना ईरान के बचे हुए हिस्से को भी खत्म करने के लिए तैयार है।

इससे पहले इस्लामाबाद में हुई वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका की ओर से अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के बावजूद ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्ति के लिए वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया। ईरान और अमेरिका-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज को बंद कर दिए जाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार ठप होने के साथ व्यापार भी बाधित हुआ है।

समझौता होने में ये मुद्दे बने सबसे बड़ी बाधा

- **परमाणु हथियारों पर लिखित गारंटी :** अमेरिका की सबसे बड़ी शर्त यह थी कि ईरान लिखित में यह प्रतिबद्धता दे कि वह कभी भी परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा। ईरान ने इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन माना। कहा, वह पहले ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग कर रहा है, इसलिए लिखित शर्त जरूरी नहीं है।
- **आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने की शर्त :** ईरान ने मांग की थी कि अमेरिका वार्ता के पहले चरण के रूप में ही उन पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को तुरंत हटाए और विदेशों में फंसी उसकी अरबों डॉलर की संपत्ति को मुक्त करे। अमेरिका इस पर सहमत नहीं हुआ। वह चाहता था कि पहले ईरान अपने परमाणु और सैन्य कार्यक्रमों पर ठोस कदम उठाए।
- **अंतिम प्रस्ताव का दबाव :** अमेरिका की ओर से वार्ता का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस वार्ता को अमेरिका का अंतिम और सबसे अच्छा प्रस्ताव बताया था। ईरान ने अमेरिका की इस भाषा को धमकी से भरा और अल्टीमेटम के रूप में देखा। इस कड़े रुख के कारण बातचीत में लचीलापन खत्म हो गया ।

पौत्र की मौत से अवसाद में आई दादी ने फंदे पर लटककर जान दी

- एक सप्ताह पहले सड़क हादसे में हो गई थी मौत, तभी से व्यथित थीं श्यामकली

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

अमृत विचार : सप्ताह भर पहले सड़क हादसे में पौत्र की मौत से अवसाद में आई दादी ने रविवार को दोपहर में अपने खाली पड़े दूसरे मकान में फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से जानकारी की। परिवार ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। घटना के बाद चीख पुकार मची रही।

घटना बीसलपुर क्षेत्र के मोहल्ला दुबे की है। यहां की रहने वाली श्यामकली (58 वर्ष) पत्नी शालिगराम के 18 वर्षीय पौत्र हर्षित राठौर पुत्र सुनील पांच अप्रैल को घरेलू काम से अपने मित्र हर्ष के साथ पीलीभीत गया था। वहां से वापस आते वक्त ग्राम जिरौनिया के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से हर्षित की मौत हो गई थी, जबकि उसका मित्र हर्ष घायल हो गया था।

बताते हैं कि पौत्र की मौत के बाद से ही दादी श्यामकली अवसाद में थीं। वह पौत्र हर्षित को याद कर रोती रहती थीं। रविवार दोपहर करीब 12 बजे श्यामकली पड़ोस में खाली पड़े दूसरे मकान में चली गईं। वहीं, कुंडे के सहारे रस्सी के बने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। उनका पुत्र सुनील घर पहुंचा और जब मां दिखाई नहीं दीं तो परिवार के सदस्यों से जानकारी की।

इस पर परिवार वाले उन्हें तलाशने में जुट गए। दूसरे मकान में वृद्धा का फंदे से लटका शव देख परिजनों के होश उड़ गए। इस पर आसपास के तमाम लोग भी जमा हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। शव को फंदे से उतारा गया। पौत्र की मौत के अवसाद में ही दादी के खुदकुशी करने की आशंका जताई गई। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि परिजन शव का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे। ऐसे में पंचनामा भरकर शव उनके सुपुर्द कर दिया गया है।

मृतका श्यामकली

न्यायिक अधिकारियों का घेराव: कांग्रेस उम्मीदवार समेत सात लोग हिरासत में

- आईएसएफ के एक पंचायत सदस्य को गिरफ्तार किया

कोलकाता। एनआईए ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार सहित सात लोगों को हिरासत में लिया है। इंडियन सेक्युलर फ्रंट के एक पंचायत सदस्य को भी गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई एसआईआर कवायद में मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के संबंध में की गई है। कांग्रेस के मोथाबाड़ी से उम्मीदवार सायम चौधरी को उनके कुछ सहयोगियों के साथ उस समय हिरासत में ले लिया गया जब वह अलीनगर पंचायत क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे।

अमरनाथ यात्रा इस बार तीन जुलाई से 28 अगस्त तक होगी

- श्राइन बोर्ड की बैठक में फैसला, 15 अप्रैल से शुरू होंगे पंजीकरण

जम्मू। दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 57 दिन बाद 28 अगस्त को संपन्न होगी। श्राइन बोर्ड की बैठक में लिए इस निर्णय की जानकारी जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दी।

उपराज्यपाल ने यहां लोक भवन में बताया कि 13 से 70 वर्ष की आयु के श्रद्धालु यात्रा कर सकेंगे और पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। सिन्हा ने कहा, इस बार यात्रा की अवधि पिछले वर्षों की तुलना में कुछ अधिक करीब 57 दिन होगी। यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा।

गंगा में डूबे पांच बच्चे, एक की मौत, दो सगे भाई लापता

- उसहैत क्षेत्र के गांव खजुरा नगला पुख्ता के पास नहाते समय हुआ हादसा

संवाददाता, उसहैत (बदायूं)

अमृत विचार : थाना उसहैत क्षेत्र के गांव खजुरा नगला पुख्ता के पास गंगा में रविवार को नहाते समय पांच बच्चे डूब गए। एक बच्चे की मौत हो गई। दो बच्चे सकुशल बाहर निकल आए जबकि दो सगे भाई लापता हो गए। तलाश करने के बाद भी उनका पता नहीं चल सका। देर शाम तक पुलिस उनकी तलाश में जुटी रही।

खजुरा नगला गांव के पास गंगा नदी है। गांव के कुछ बच्चे रविवार को दोपहर में गंगा में नहाने के लिए चले गए थे। नहाने के दौरान गांव खजुरा नगला पुख्ता निवासी जमादार के तीन बेटे सिंकू, केशव (10), गुड्डू (8), जमादार के साढ़ू गांव ततारपुर निवासी सोरन सिंह का बेटा नन्हे और गांव निवासी संतोष का बेटा अखिलेश (10) गंगा में नहा रहे थे। गंगा में नहाते समय उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चले गए। सिंकू और नन्हे तो कुछ देर बाद बाहर निकल आए। गंगा के पास मौजूद बच्चों के चीखने पर ग्रामीण पहुंचे और बाकी बच्चों की तलाश की।

थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचने के बाद गोताखोरों से बच्चों की तलाश कराई तो अखिलेश का शव बरामद हो गया। दो सगे भाई केशव और गुड्डू लापता हैं जिनका देर शाम तक सुराग नहीं लग सका। थाना प्रभारी ने बताया कि एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई है। अन्य दो बच्चों की तलाश की जा रही है।

लापता केशव और गुड्डू

बदलाव की तैयारी | विनोद तावड़े का दो दिवसीय दौरा, बंद कमरे में लिया फीडबैक

मंत्रिमंडल–संगठन पर लखनऊ में उच्च स्तरीय हलचल

- आज मुख्यमंत्री योगी से तावड़े की अहम बैठक, फाइनल होगी सूची

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश भाजपा में संगठन और सरकार के स्तर पर बड़े बदलाव की आहट तेज हो गई है। रविवार को राष्ट्रीय महामंत्री और यूपी प्रभारी विनोद तावड़े के लखनऊ दौरे ने 'उच्च स्तरीय' सियासी हलचल बढ़ा दी है। तावड़े ने पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं के साथ बंद कमरे में लगातार बैठकें कर प्रदेश की राजनीति और संगठनात्मक स्थिति पर विस्तृत फीडबैक लिया। तावड़े सोमवार को मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात कर रिपोर्ट को अंतिम रूप देंगे।

भाजपा में लखनऊ से दिल्ली तक तेज हुई बैठकों की श्रृंखला संकेत दे रही है कि जल्द ही संगठन और सरकार दोनों स्तर पर बड़े फैसले सामने आ सकते हैं। आने वाले कुछ दिनों में यूपी की सियासत में अहम बदलाव देखने को मिल सकते हैं। लखनऊ में दो दिवसीय दौरे पर आए तावड़े की रविवार को बंद कमरे में दिनभर चली बैठकों में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शुरू से शामिल रहे। देर शाम केशव प्रसाद मौर्य भी पहुंचे।

तमाम मंत्री भी बुलाए गए थे। तावड़े ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों और संगठन के वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की। इसमें संगठनात्मक फेरबदल, चुनावी रणनीति और सामाजिक समीकरणों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। फीडबैक में पिछड़े वर्ग, दलित और सवर्ण वोट संतुलन पर विशेष ध्यान देने की बात सामने आई। साथ ही कई क्षेत्रों में जातीय असंतुलन और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने के सुझाव दिए गए। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि लगभग तीन साल बाद भाजपा संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी है। इसके साथ ही आयोग, बोर्ड और निगमों के रिक्त पदों को भरने और मंत्रिमंडल विस्तार को भी जल्द अंतिम रूप दिया जा सकता है। यह मंथन केवल संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित मंत्रिमंडल विस्तार, निगम-आयोगों में नियुक्तियां और नई प्रदेश टीम के गठन जैसे मुद्दे भी केंद्र में हैं।

तावड़े का स्वागत करते ब्रजेश पाठक।

दिल्ली पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात

उधर, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में भी संगठन विस्तार और संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल पर चर्चा बताई जा रही है।

दिल्ली-लखनऊ कनेक्शन से तय होगा फैसला

लखनऊ में बैठकों के बाद दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा के जरिए अंतिम मुहर लगने की संभावना है। पंकज चौधरी की दिल्ली यात्रा और विनोद तावड़े की रिपोर्ट इस पूरी प्रक्रिया में निर्णायक मानी जा रही है।

फिटनेस तो छोड़िए, न ऑक्सीजन न फायर सिलेंडर

खटारा वैन को एंबुलेंस बनाकर किया जा रहा इस्तेमाल, ढोए जा रहे मरीज, किराए में भी मनमानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर में जीवनरक्षक एंबुलेंस सेवा अब भरोसे का नहीं, बल्कि खतरे का पर्याय बनती दिख रही है। पुरानी और जर्जर वैन को एंबुलेंस का रूप देकर मरीज ले जाए जा रहे हैं। इसमें न ऑक्सीजन सिलेंडर है, न मेडिकल किट और न ही कोई आपात सुविधा के नाम पर कोई संसाधन। अधिकतर निजी वैन में एक स्ट्रेचर डालकर उसे एंबुलेंस बना दिया है। बिना मानक पूरे किए मरीजों को अस्पताल पहुंचाई जा रही हैं। स्वास्थ्य और परिवहन विभाग के जिम्मेदार मरीजों की जान खिलवाड़ कर दौड़ाई जा रही एंबुलेंस की चेकिंग तक की सुध नहीं ले रहे हैं।

शहर में निजी एंबुलेंस का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। इनकी हकीकत चौंकाने वाली हैं। पुराने और खटारा वाहनों, खासकर वैन को मामूली बदलाव कर एंबुलेंस का रूप दे दिया है। इन गाड़ियों में सिर्फ एक स्ट्रेचर डालकर मरीजों को ढोया जा रहा है, जबकि जरूरी सुविधाएं पूरी तरह नदारद हैं। शहर में करीब 30 से अधिक एंबुलेंस संचालित होती हैं। नियमों के अनुसार एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर, फायर सिलेंडर, मेडिकल किट, सेक्शन मशीन और प्रशिक्षित स्टाफ होना चाहिए। मगर, शहर में दौड़ रही अधिकांश निजी एंबुलेंस इन मानकों से कोसों दूर हैं।

80 फीसदी एंबुलेंस बिना बुनियादी सुविधाओं के ही मरीजों को अस्पताल पहुंचा रही हैं। गांधी स्टेडियम रोड और एलएच चीनी मिल मार्ग पर एंबुलेंस का जमावड़ा रहता है। निजी अस्पतालों के बाहर खड़ी ये गाड़ियां मरीजों को लाने-ले जाने में इस्तेमाल हो रही हैं। इसके बदले मनमाना किराया भी वसूला जाता है। खासकर बरेली जैसे हायर सेंटर ले जाने के नाम पर परिजनों से दोगुनी रकम तक वसूली जाती है। इनकी चेकिंग तक नहीं की जाती है। इतना ही नहीं अधिकतर वाहनों की फिटनेस तक नहीं है। मगर परिवहन विभाग के अधिकारी निगाहें फेरे हुए हैं। इतना ही नहीं, कम खर्च अधिक मुनाफे के लिए चालकों ने एंबुलेंस में सीएनजी किट लगवा ली है। इससे अनुमानित पीलीभीत से बरेली की दूरी 60 किमी है।

अगर, वह पेट्रोल से एंबुलेंस चलाएंगे तो उन्हें एक चक्कर में वर्तमान में करीब 1000 रुपये का पेट्रोल खर्च करना पड़ जाएगा। वहीं सीएनजी गैस से सिर्फ उनका काम 400 रुपये में काम हो जाता है। बताते हैं कि इसीलिए अधिकतर ने बिना मानक वाले सिलेंडर लगवा लिए हैं। इसका रिकार्ड परिवहन विभाग के पास भी नहीं है। ऐसे में हादसे का डर भी बना रहता है।

शहर के एक अस्पताल के बाहर खड़ी निजी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

“एंबुलेंस का परमिट परिवहन विभाग की ओर से दिया जाता है। एंबुलेंस का परमिट देने से पहले स्वास्थ्य विभाग से किसी तरह की परमिशन नहीं ली जाती है। अगर कोई बिना मेडिकल किट और ऑक्सीजन के संचालित हो रही हैं, तो गलत है। ऐसे एंबुलेंस के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। जिसमें कमी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। –डॉ. आलोक कुमार, सीएमओ

समय समय पर वाहनों की फिटनेस कराई जाती है। अगर बिना फिटनेस और नियमों के विपरीत वाहनों का संचालन किया जा रहा है तो चेकिंग कर कार्रवाई की जाएगी। –वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ।

- एलपीजी किट लगाकर दौड़ाई जा रहीं गाड़ियां
- जिम्मेदारों को चेकिंग करने की नहीं फुर्सत

वाहनों में ले जा रहे शव, बढ़ रहा खतरा

नियमों के मुताबिक किसी भी एंबुलेंस में शव नहीं ले जाया जा सकता, लेकिन इन एंबुलेंस को शववाहन भी बना दिया जाता है। जिला अस्पताल, टीबी अस्पताल सहित निजी संस्थाओं के बाहर खड़ी गाड़ियों पर एंबुलेंस लिखा होता है, लेकिन ये कई बार शव का स्थानांतरण करने में भी संकोच नहीं करते। विशेषज्ञों के मुताबिक शव के स्थानांतरण के बाद वाहनों में इंफेक्शन हो जाता है और इससे मरीजों को भी खतरा हो सकता है। कई बार शव के खून से सने कपड़े, दूसरा सामान तक इन एंबुलेंस में छोड़ दिया जाता है और दूसरे मरीज को उसी स्ट्रेचर पर डाल कर ले जाया जाता है। यही नहीं कई गाड़ियों में जंग लगा होता है, स्टेपनी भी कंपार्टमेंट में ही पटक दी जाती है।

तीन श्रेणी में होती है एंबुलेंस की व्यवस्था

श्रेणी एक : चालक का नाम, कर्मचारी संख्या, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर, पैरा मेडिकल स्टाफ, शैक्षिक योग्यता, लॉग बुक, पंजीकरण प्रमाण पत्र, बीमा, मरीज केयर बुक।

श्रेणी दो : एंबुलेंस नंबर, वार्मिंग लाइट, सायरन, अग्निशमन सिलेंडर, मास्क, स्ट्रेचर, सक्शन डिवाइस, बीपी मशीन, आला, एयरबैग, ऑक्सीजन सिलेंडर, मरीज को ऑक्सीजन देने के लिए अंबू बैग।

श्रेणी तीन : रुई, बीटाडीन, मास्क, सर्जिकल ग्लब्स, सेवालॉन, डिस्पोजल, सक्शन पंप, ड्रिप सेट, ओआरएस, दवा, इंजेक्शन समेत 19 तरह की साधारण दवाएं।

स्वास्थ्य जांच के साथ दी गई विधिक जानकारी

शिविर में जिला जज रविंद्र कुमार का अभिनंदन करते आयोजक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- निशक्तजन सेवा संस्थान का मासिक शिविर संपन्न, जिला जज, डीएम हुए शामिल

अमृत विचारः पूरनपुर रोड पर स्थित अंकुर राइस मिल परिसर में निशक्तजन सेवा संस्थान का मासिक स्वास्थ्य कैंप रविवार को आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे और लाभ उठाया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष /जिला जज रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में शिविर भी आयोजित किया गया। जिसमें मौजूद लोगों को विधिक जानकारी, महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर, उनके कानूनी अधिकारों के बारे में बताया गया। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य भी शामिल हुए। अतिथियों को संस्थाध्यक्ष अमृतलाल, सचिव अनिल कमल,अनिल गुप्ता, कामिल खान,मोहम्मद असलम आदि ने शाल ओढ़ाकर व बुके देकर अभिनंदन किया।

कुल 209 मरीज पहुंचे, जिनकी जांच रूहेलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल बरेली से आए चिकित्सकों द्वारा की गई। 12 मरीजों में मोतियाबिंद पाए जाने पर बरेली रवाना किया गया। ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर व डॉक्टर महेश चंद्र अग्रवाल के सहयोग से ईसीजी की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई गई। 11 मरीजों की निःशुल्क ईसीजी हुई। पैरों के दर्द के 100 मरीजों को दवा दी जबकि 29 मरीजों को कान की मशीन मिली। 109 को नजर के चश्मे वितरित किए गए। इसके अलावा कटे हाथ वाले दो मरीजों ने भी पंजीकरण कराया। संचालन चिरंजीव गौड़ ने किया।

न्यूज ब्रीफ

महिला पर किया हमला रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव मुसरहा की जामवती पत्नी तिलकराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके इंदिरा आवास के आगे गांव की प्रेमा देवी पत्नी राजकुमार, भजनलाल पुत्र केसरी लाल 10 अप्रैल को नींव खोदने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने हमला कर लाठी डंडे से पिटाई कर दी। अन्य ग्रामीणों के जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

फुसलाकर ले जाने के दो मामलों में रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 22 वर्षीय पुत्री नौ अप्रैल को घर से सामान लेने के लिए दुकान पर गई थी। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल सका। काफी तलाश किया लेकिन नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, एक अन्य मामले में क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री को गांव परसिया निवासी मनोज फुसला कर 10 अप्रैल की रात ले गया। पुलिस ने इस मामले में भी रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला के साथ दुष्कर्म विरोध पर धमकाया

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मोहल्ले के ही राहुल पुत्र दाताराम ने एक वर्ष पूर्व उसे प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। इसकी जानकारी उसके पति को हो गई। जिस पर उसके पति ने उसको रखने से मना कर दिया। जब उसने राहुल से इस बारे में बात की तो राहुल ने भी उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। उसको अपने साथ रखने से मना कर दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

रहस्यमय ढंग से छात्रा लापता

बीसलपुर, अमृत विचार : रहस्यमय ढंग से एक छात्रा लापता हो गई। बताते हैं कि वह शनिवार सुबह आठ बजे स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी। देर शाम तक वापस नहीं आई तो उसकी तलाश की गई। स्कूल में संपर्क किया तो पता चला कि वह स्कूल पहुंची ही नहीं। पिता की ओर से पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम पुरैनिया से अखंड ज्योति कलश यात्रा शुरू

यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचारः शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में अखंड ज्योति के 100 वर्ष पूर्ण एवं माता भगवती देवी शर्मा के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में रविवार को ग्राम पुरैनिया से अखंड ज्योति कलश यात्रा शुरू की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल हुए। यात्रा ग्राम उमड़सड़, ललौरीखेड़ा शाही होते हुए जहानाबाद के गौनेरी, गौनेरा को जाएगी। कई जगह यात्रा का स्वागत किया गया। मुख्य ट्रस्टी शक्तिपीठ पीलीभीत पीएल गंगवार, सर्वे श सिंह, किशनलाल, राजेश, भगवान दास, दीनानाथ, हरिओम गंगवार, लालाराम, लालता प्रसाद शास्त्री, कढेर सिंह आदि मौजूद रहे। बता दें कि यात्रा 16 अप्रैल तक जिले में प्रत्येक ब्लॉक क्षेत्र में क्रमवार भ्रमण करेगी।

मोबाइल चोरी के आरोप में हुई बातचीत में मारपीट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- कोतवाली में पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट

अमृत विचार : मोबाइल चोरी को लेकर बातचीत करने एक ग्रामीण के घर गए युवक के साथ मारपीट की गई। विरोध करने पर ईट मारकर घायल कर दिया। युवक के पिता और भाई भी घायल हो गए।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नावकूड़ निवासी महेंद्र पाल ने थाना सुनगढ़ी में तहरीर देकर बताया कि 10 अप्रैल को वह शहर स्थित मंडी समिति में लौकी, खीरा बिक्री कर रहा था। इस बीच वहां मौजूद रामऔतार ने उस पर मोबाइल चोरी का झूठा आरोप लगा दिया था। इस पर वह अगले दिन अपने पिता, भाई के साथ सुबह रामऔतार के घर पहुंचा और बातचीत की। जिसके बाद रामऔतार ने मोबाइल चोरी न करने की बात मान ली। आरोप है कि इसी बीच गांव खेड़ा निवासी नरायण लाल, दयाराम, राधेश्याम एक राय होकर वहां पहुंचे और उसके साथ गाली गलौज करने लगे।

विरोध करने पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए लाठी डंडों से मारपीट की। ईंट से सिर पर प्रहार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पिता व भाई को भी चोटें आई। शोर शराबा होने पर एकत्र हुए आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच करा रहे है।

गोमती उद्गम स्थल पर सर्वे तेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गोमती उदगम स्थल पर सर्वे में जुटी वैपकोस की टीम। ● अमृत विचार

- छठे दिन भी जुटी रही टीम, सर्वे पूरा होने के बाद बनेगी फाइनल कार्ययोजना
- 6 अप्रैल से केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की टीम उद्गम स्थल पर कर रही सर्वे

अमृत विचारः आदि गंगा गोमती नदी के उदगम स्थल की खोई हुई गरिमा और उसकी अविरल धारा को पुनर्जीवित करने की कवायद धरातल पर तेज होती दिख रही है। नदी के उद्गम स्थल को भव्य रूप देने और अविरल धारा बहाने की स्थिति का सटीक आकलन करने के लिए जल शक्तिमंत्रालय की टीम पिछले पांच दिनों से सघन सर्वे में जुटी है। इधर छठे दिन भी टीम उदगम स्थल पर सर्वे में जुटी देखी गई। टीम में शामिल वेपकोस के डिप्टी चीफ इंजीनियर का कहना है कि सर्वे का कार्य अब अपने अंतिम चरण में है, जिसके बाद उदगम स्थल के कायाकल्प के लिए एक ठोस विस्तृत कार्ययोजना (डीपीआर) तैयार की जाएगी।

जनपद के कलीनगर तहसील क्षेत्र के माधोटांडा में गोमती नदी का उदगम स्थल है। लंबे समय से नदी की मुख्य धारा में पानी का बहाव न होने और जगह-जगह अतिक्रमण की मार के कारण उदगम स्थल समेत नदी के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। उदगम स्थल एवं गोमती नदी के वजूद पर मंडराते संकट को देखते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार ने प्रयास शुरू किए हैं।

साल के शुरुआत में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गोमती उद्गम स्थल के संरक्षण, पुर्नजीवन और सौंदर्यीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई थी। परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी जल शक्ति मंत्रालय के अधीन वैपकोस (वाटर एंड पावर कंसलटेंसी सर्विसेज) को सौंपी गई है। इसी क्रम में वैपकोस की टीम बीते 06 अप्रैल को माधोटांडा स्थित गोमती उगदम स्थल पर पहुंची थी। डिप्टी चीफ इंजीनियर दिनेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में टीम अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से गोमती उदगम स्थल के संरक्षण, सौंदर्यीकरण, घाटों एवं पाथ-वे एवं हरित क्षेत्र का विकास, सांस्कृतिक एवं धार्मिक परिसर का विकास, पर्यटकों के लिए सुविधा केंद्र समेत आधारभूत ढांचे के निर्माण को लेकर सघन सर्वे में जुटी है।

टीम द्वारा गोमती उदगम स्थल पर अंतिम झील के बांयी ओर पंचवटी निर्माण को लेकर सर्वे किया गया है। यहां नीम, पाकड़, बरगद आंवला समेत करीब 20 से 25 प्रजाति का पौधरोपण किया जाना है। इसमें इस बात पर फोकस किया गया है कि उदगम स्थल पर जितने भी पक्षी है, उन सबका बसेरा इसी क्षेत्र में रहे। यहां पाथ-वे, प्रकाश व्यवस्था, फब्बारे के साथ बैठने के लिए 15-20 बेंचों आदि का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही उदगम स्थल के मुख्य परिक्रमा मार्ग (आस्था पाथ-वे) को भी सर्वे किया गया है। उगदम स्थल की पहली झील के समीप आधुनिक योग साधना केंद्र बनाने को सर्वे किया जा रहा है। इसी झील में कछुओं के संरक्षण और उनकी ब्रीडिंग आदि के लिए सर्वे किया जा रहा है।

इसके अलावा टीम माधोटांडा कस्बे के लगभग सभी वार्डों में पानी निकास, कूड़े के उठान आदि का भी सर्वे कर रही है। इधर टीम रविवार को भी सर्वे में जुटी रहीं। टीम के मुताबिक सर्वे कार्य अंतिम चरण में है। सर्वे कार्य पूरा होने के बाद वैपकोस टीम अपनी फाइनल विस्तृत कार्ययोजना जल शक्ति मंत्रालय को सौंपेगी। खास बात यह है कि इस टीम में शामिल सर्वेयर लखवीर सिंह इससे पूर्व इंदिरा गांधी कैनाल नेटवर्क और सरदार सरोवर बांध परियोजना जैसे बड़े प्रोजेक्टों पर भी कार्य कर चुके हैं। फिलहाल टीम अभी एक-दो दिन और सर्वे करने के बाद रवाना होगी।

“सर्वे कार्य लगभग पूरा हो चुका है। सर्वे के दौरान जुटाए गए तकनीकी आंकड़ों के आधार पर एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर आगे भी सर्वे की कार्रवाई जारी रह सकती है। – **दिनेश कुमार वर्मा**, डिप्टी चीफ इंजीनियर, वैपकोस।

स्केटिंग में दिखाई प्रतिभा, सम्मानित हुए विजेता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

स्केटिंग प्रतियोगिता में पुरस्कृत किए जाते बच्चे। ● अमृत विचार

- जिलाधिकारी ने पुरस्कार देकर बढ़ाया हौसला

अमृत विचारः जिला स्तरीय प्रथम स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को स्प्रिंगडेल कॉलेज में किया गया। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कराई।

प्रतियोगिता में कई स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। डीएम ने कहा कि जनपद में प्रथम बार स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। ये छात्रों के लिए नए आयाम लिखने का मौका है। उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने की बात कही। ये भी कहा कि गांधी स्टेडियम पीलीभीत मे स्केटिंग कोर्ट जल्द बनवाया जाएगा। उत्तर प्रदेश रोलर स्केटिंग संघ नोएडा से आए ऋषि कुमार, वासुदेव व बरेली के वरुण दीक्षित, सुमित कुमार निर्णायक मंडल में रहे। प्रतियोगिता में लिटिल एंजेल्स स्कूल प्रथम, ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल द्वितीय और इनिशियम ग्लोबल स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। इस मौके पर देवेन्द्र छाबड़ा, अक्लीम अंसारी,अक्षत भासिन,डॉ. सुमित सचान,डॉ. भरत सेठी, अमिताभ अग्निहोत्री, सौरभ सक्सेना, अंशुमन तिवारी, शालिनी पांडे, हितेश शुक्ला, अभिषेक प्रजापति, मनोज राना, सचिन सक्सेना,अद्वितीय अग्निहोत्री, शिवम शर्मा, सचिन पटेल, अभिजीत कुशवाहा, अभिषेक पांडेय आदि मौजूद रहे। वहीं, चैंपियनशिप में लायंस बाल विद्या मंदिर की छात्रा समृद्धि श्रीवास्तव ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर सुनगढ़ी पुलिस ने बरखेड़ा क्षेत्र की महिला की ओर से दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें महिला ने बताया कि 15 जनवरी को थाना करेली क्षेत्र के ग्राम तिल्छी निवासी संतकुमार और उसका भाई संतोष सवारी दिलवाने की बात कहते हुए उसे बाइक पर बैठाकर ले गए। आरोपी उसे सुनगढ़ी क्षेत्र में गन्ने के खेत में ले गए। वहां पर दोनों ने दुष्कर्म किया। विरोध पर गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। किसी तरह वह बच निकली। पूर्व में शिकायत की लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

प्रांतीय सम्मेलन में सम्मानित हुए यूटा के पदाधिकारी

आगरा में सम्मेलन में सम्मानित हुए यूटा के जिलाध्यक्ष व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 2010 से पहले के शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति देने का मुद्दा उठा

अमृत विचारः यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन का दो दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन आगरा में रविवार को संपन्न हुआ। जिसमें यूटा की जिला इकाई के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

प्रांतीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहे। उन्होंने कहा कि सरकार का शिक्षकों के साथ सकारात्मक रुख है, और पहले भी रहा है। 2010 से पहले के नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति दिए जाने का प्रमुख मुद्दा सम्मेलन में रहा। यूटा की जिला इकाई के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने बताया कि सर्वसम्मति से संगठन का प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौर को बनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा मंत्री मोहम्मद अकरम, जिला कोषाध्यक्ष केके सागर, मोहम्मद रिजवान को अंग वस्त्र, पटका पहनाकर सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि शिक्षकों का हित संगठन के लिए सर्वोपरि है और रहेगा।

उपलब्धि

उत्तराखंड सीमा से सटे मझोला क्षेत्र के गांव खिड़का की बलविंदर कौर बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

गांव की रसोई से विदेश तक पहुंची तराई के अचार की खुशबू

सौरभ सिंह , पीलीभीत

गांव खिड़का में परिवार की महिलाओं के साथ अचार तैयार करतीं बलविंदर कौर व अन्य।

अमृत विचार : तराई की उपजाऊ मिट्टी से उठती खुशबू जब मेहनत और आत्मविश्वास से जुड़ती है, तो वह केवल स्वाद तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एक नई पहचान गढ़ती है। उत्तराखंड सीमा से सटे मझोला क्षेत्र के गांव खिड़का की बलविंदर कौर ने सीमित संसाधनों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और शुरुआती चुनौतियों के बीच अपने घर की रसोई से अचार बनाने की शुरुआत की। अब वही मेहनत रंग लाई है और उनके बनाए अचार की महक गांव की गलियों से निकलकर देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहुंच रही है।

इतना ही नहीं बलविंदर कौर ने न केवल खुद को स्थापित किया, बल्कि इस काम में रुचि रखने वाली अन्य महिलाओं को भी अपने साथ जोड़ना शुरू किया है। मझोला क्षेत्र के गांव खिड़का की रहने वाली बलविंदर कौर की सफलता की कहानी साधारण जीवन से असाधारण मुकाम तक पहुंचने की मिसाल बन चुकी है। अचार बनाने की इस कला को उन्होंने अपनी दादी और मां से सीखा। जिसके बाद इस हुनूर ने उन्हें देश विदेश तक एक पहचान दिलाई है।

मूल रूप से पंजाब की रहने वाली बलविंदर कौर का विवाह वर्ष 1998 में कस्बा मझोला से सटे गांव खिड़का निवासी सुखविंदर सिंह के साथ हुआ था। उन्हें खानपान के व्यजंन बनाने में रुचि बचपन से ही थी। उन्होंने एमए, बीएड की शिक्षा ग्रहण की है। शादी के बाद परिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए अचार बनाने के इस हुनूर को उन्होंने ससुराल की रसोई में भी जिंदा रखा। उन्होंने घर पर अचार बनाना शुरू किया, जो धीरे-धीरे उनके परिवार और रिश्तेदारों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गया। समय के साथ यह शौक उनके लिए पहचान का जरिया बन गया और आस-पास के गांवों से भी अचार की मांग आने लगी।

- सीमित संसाधनों की कमी के बीच बनाई पहचान

विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों के आने पर उन्हें भी अचार का स्वाद अच्छा लगा तो वह विदेश तक ले गए। बलविंदर कौर का बनाया अचार सबसे पहले इंग्लैंड तक पहुंचा। इसके बाद लोगों की मांग आना शुरु हो गई। अब अचार लोगों की डिमांड के हिसाब से तैयार करती है। पहचान के ही सिख समुदाय के काफी लोग विदेश में हैं। जिनके माध्यम से अचार की सप्लाई विदेश तक पहुंच रही है। इतना ही नहीं कई बार अचार को कोरियर से भी वहां तक पहुंचाया है।

बलविंदर अचार में आम के अलावा लहसुन, गाजर, मूली, नींबू समेत कई प्रकार के अचार तैयार करती है। लोकल स्तर पर भी लोग उनके घर तक अचार खरीदने के लिए पहुंच रहे हैं। बलविंदर ने बताया कि इस छोटे से अचार बनाने के काम को उन्होंने सिर्फ शौक के तौर पर शुरु किया था। मगर पति सुखविंदर सिंह और परिवार के प्रयास अचार बनाने का शौका अब एक पहचान बन चुका है। इस अचार की खुशबू अब देश की सीमाओं को पार कर जर्मनी, इंग्लैंड, अमेरिका आदि तक पहुंच चुकी है। इस सफर में उनके पति सुखविंदर सिंह ने उनका हौसला बढ़ाया। जबकि देवरानी सिमरदीप कौर, पवनदीप कौर और उनकी सहेली रेनू ने इसको बढ़ाने में मदद की।

अब महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

बलविंदर कौर सिर्फ खुद तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। वह इस कार्य में रुचि रखने वाली महिलाओं को अपने साथ जोड़ रही हैं और उन्हें अचार बनाने की बारीकियां सिखा रही हैं, ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें। उनके प्रयास से कई महिलाएं अब अपने पैरों पर खड़ी होने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। बलविंदर कौर अचार बनाने की इस विधि को गांव और आसपास की महिलाओं को भी सीखा रही है। किस तरह से अचार का मसाला तैयार होता है और अन्य क्या विधि होती है। इसको सीखने के बाद कुछ महिलाओं ने इससे अपना रोजगार भी बना लिया है। जिससे वह आत्मनिर्भर बन रही है। बलविंदर ने बताया कि यदि महिलाओं को अवसर और प्रोत्साहन मिले, तो वे घर की चारदीवारी से निकलकर देश-विदेश तक अपनी पहचान बना सकती हैं। आज खिड़का गांव की यह खुशबू आज आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और महिला सशक्तिकरण की एक मजबूत मिसाल बन चुकी है।

शहर में आज

- रामायण बिहार कॉलोनी में प्रेसवार्ता दोपहर 2.30 बजे।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 09 बजे से।
- भाजपा कार्यालय पर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम शाम 06 बजे।
- बमरोली स्थित श्रीसिद्धनाथ आश्रम पर खिचड़ी भोज सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

दुकान में नकब लगाकर नकदी व सामान चोरी

पीलीभीत, अमृत विचार : जहानाबाद थाने में दी गई तहरीर में ग्राम खरुआ निवासी करन राठौर पुत्र इंद्रजीत ने बताया कि दस अप्रैल को वह बच्चे का मुंडन कराने के लिए गए थे। दे रात वापस आए तो हाईवे की तरफ स्थित उनकी घर के बाहर बनी दुकान में चोरी हो चुकी थी। पीछे की तरफ नकब लगाकर घुसे चोर 15 हजार रुपये, एक गैस सिलेंडर समेत अन्य सामान समेट ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांचवें हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम गोबल पतिपुरा में हुए रवि यादव हत्याकांड के पांचवें आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। चीनी मिल चौकी प्रभारी रामकुमार ने बताया कि ग्राम गोबल पतिपुरा में रवि यादव की हत्या पखवाड़ा भर पहले हुई थी। इस मामले में आरोपी प्रधान पति अनुराग यादव की तलाश चल रही थी। सूचना मिली थी कि वह दूसरी जगह जाने की फिराक में ग्राम बड़ेपुरा घारम मार्ग पर खड़ा है। टीम के साथ दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। चालान कर कोर्ट में पेश करके उसे जेल भेज दिया है।

घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा चोरी

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम बरहा निवासी सियाराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह ई-रिक्शा चलाते हैं। 10 अप्रैल को रात करीब 10 बजे अपना ई-रिक्शा घर के बाहर खड़ा कर चार्जिंग पर लगाया था। दूसरे दिन सुबह ई-रिक्शा गायब था। आसपास जानकारी करने पर भी कोई सुराग नहीं लग सका। असम हाईवे पर कैमरे चेक करने पर रात करीब ढाई बजे ई-रिक्शा को अज्ञात चोर ले जाते हुए कैद दिखा। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कर कार्रवाई की जा रही है।

अवैध रिसॉर्ट्स पर नहीं हो सकी कार्रवाई

पीटीआर के ईको सेंसिटिव जोन का मामला : एनजीटी के आदेशों को हवा में उड़ा रहे जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की जंगल सीमा से सटकर बनाया गया रिसॉर्ट।

- **जांच के नाम पर छह सप्ताह की और मांगी मोहलत, अब 27 जुलाई को सुनवाई**

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सख्त तेवरों के बावजूद जिम्मेदारों की सुस्ती कम होने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है कि एनजीटी के कड़े निर्देशों के बाद भी पीटीआर के इको सेंसिटिव जोन में कुकुरमुत्ते की तरह उगे अवैध रिसॉर्ट्स और होटलों की जांच नहीं हो सकी। जिम्मेदार कागजी खानापूर्ति में उलझे रहे और जांच रिपोर्ट एनजीटी के समक्ष समय पर पेश नहीं सकी। फिलहाल अब जांच के नाम पर छह सप्ताह की अतिरिक्त मोहलत मांगी गई है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 27 जुलाई को होगी।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की कोर एरिया के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले ईको-सेंसिटिव जोन में बिना अनुमति के दर्जनों रिसॉर्ट और टूरिस्ट स्पॉट बन गए हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के स्पष्ट आदेश हैं कि टाइगर रिजर्व के इको सेंसिटिव जोन के दायरे में कोई निर्माण नहीं होगा। इसके बावजूद रसूखदारों ने नियमों को ताक पर रखकर बाघों के प्राकृतिक गलियारों (कॉरिडोर) में बड़े-बड़े रिसोर्ट और होटल का पूरा जाल बिछा दिया है।

इधर करीब दो माह पूर्व हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस पूरे मामले को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक मध्यस्थ आवेदन किया था। जिसमें उन्होंने इको सेंसटिव में अवैध निर्माणों का जिक्र करते हुए मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने का खतरा बताया था। साथ ही उन्होंने इको सेंसटिव जोन में बने इन रिसॉर्ट-होटलों, सड़कों से बढ़ते प्रदूषण, पेड़ों के कटान एवं अन्य पर्यावरणीय नुकसान की बात कहते हुए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के इको सेंसटिव जोन में नियम विरुद्ध तरीके से हुए निर्माणों को ध्वस्त करने का आदेश देने और भविष्य इस तरह के निमार्णों को रोकने के निर्देश देने की अपील की थी।

उस दौरान एनजीटी चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और एक्सपर्ट मेंबर डॉ. ए सेंथिल वेल की अगुवाई वाली एक डिवीजन बेंच ने टाइगर रिजर्व के इको सेंसटिव जोन में हुए निर्माणों की जांच के लिए एक संयुक्त कमेटी का गठन करते हुए 10 सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। इसमें एनटीसीए, उत्तर प्रदेश वन विभाग से पीसीसीएफ और डीएम पीलीभीत को शामिल किया गया था। इस मामले में की सुनवाई 09 अप्रैल निर्धारित की गई थी। इधर समय बीतता गया, मगर जिम्मेदारों ने संयुक्त टीम के गठन को लेकर कोई प्रयास नहीं किए। बताते हैं कि सुनवाई की तारीख यानी 09 अप्रैल से महज तीन पहले पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ के नॉमिनी के रूप में कतर्नियाघाट के डीएफओ अपूर्व दीक्षित का नाम फाइनल किया गया।

इधर सुनवाई की तय तारीख पर समय की कमी का हवाला देते हुए अब छह हफ्ते की मोहलत मांगी गई। जिसके बाद एनजीटी ने अगली सुनवाई 27 जुलाई तय की है। इस संबंध में टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है। अब इस प्रकरण की अगली सुनवाई 27 जुलाई निर्धारित की गई है।

साल 2021 से चल रहा है ईसीजेड में खेल

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के ईको-सेंसिटिव जोन में अवैध निर्माण का यह खेल नया नहीं है। साल 2021 में तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर नवीन खंडेलवाल ने महोफ रेंज में अवैध निर्माण पर नोटिस जारी किया था। मगर उस दौरान रसूखदारों के दबाव में फाइलें ठंडे बस्ते में डाल दी गईं थी। ऐसा ही एक खेल बीते दिसंबर में भी उजागर हुआ था। यहां लखनऊ के एक उद्योगपति का कथित फार्म हाउस बना हुआ है। इस फार्महाउस का लगातार विस्तार किया जा रहा है। फार्म हाउस संचालक ने बांउड्रीवाल के नाम पर पहले तो जंगल सीमा में खड़ी जंगल झाड़ियों का सफाया करवा दिया और बाद में जंगल क्षेत्र में जहां-तहां निर्माण सामग्री को फैलाकर जंगल जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास भी किया। इस मामले में वन अफसरों ने कार्रवाई की बात कही थी, मगर अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है।

7 दिन में पौत्र व दादी की मौत से टूट गया परिवार

वृद्धा की मौत के बाद विलाप करती परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचारः नगर के मोहल्ला दुबे के रहने वाले सुनील कुमार के परिवार पर बीते सात दिन में एक-एक कर दो बार गमों का पहाड़ टूट पड़ा है। मातमी सन्नाटे के बीच चीख पुकार मची रही। कॉस्मेटिक की दुकान चलाने वाले सुनील के दो पुत्र थे।

बड़ा पुत्र हर्षित इंटरमीडिएट का छात्र था। पांच अप्रैल को परिवार वाले उत्तराखंड के मां पूर्णागिरि धाम में दर्शन करने के लिए गए थे। घर पर हर्षित रुका हुआ था। वह अपने दोस्त के साथ बाइक से निकला था और उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बताते हैं कि परिवार मैया के दर्शन करने के लिए पूर्णागिरि धाम पहुंचा ही था कि उनको हादसे की खबर मिली। इस पर बिना दर्शन किए ही वापस आना पड़ा था।

हर्षित दो भाइयों में बड़ा था। जवान बेटे की मौत का गम अभी भर नहीं सका था कि परिवार में एक बार फिर मातमी सन्नाटे के बीच गमगीन परिवार की चीत्कार की गूंज सुनाई दी। पौत्र की मौत के बाद से अवसाद में चल रही दादी ने भी फंदे से लटककर जान दे दी। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदार, परिचित गमगीन परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे रहे।

खेत में लगी आग, 400 बीघा नरई जली गेहूं की फसल को भी पहुंचा नुकसान

- **दमकल टीम ने किया काबू, ट्रैक्टर की मदद से भी किया आग बुझाने का प्रयास**

संवाददाता, दियोरियाकलां

खेत में लगी आग को ट्रैक्टर की मदद से बुझाने की कोशिश करते किसान।

अमृत विचारः ग्राम मीरपुर रतनपुर में खेत में लगी आग से सैकड़ों बीघा में नरई जल गई। गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचा। दमकल टीम ने बमुश्किल आग पर काबू किया। वहीं, किसान भी ट्रैक्टर से जुताई कर आग बुझाने में लगे रहे। इस दौरान खलबली मची रही।

हादसा रविवार दोपहर का है। बताते हैं कि अधिकांश ग्रामीण घरों में थे। इस बीच खेतों की तरफ आग लगने के बाद धुएं का गुबार उठता दिखा। गांव में अफरातफरी मच गई। तेज हवा के चलते आग कुछ ही देर में भीषण हो गई। एक से दूसरे खेत में फैलती चली गई। ग्रामीण जमा हुए और ट्रैक्टर की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की तेज लपटों की वजह से काबू पाना मुश्किल हो गया। इसकी सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने मशक्कत के बाद आग पर काबू कयिा। हादसे में किसानों ओमेंद्र सिंह, राकेश सिंह, पप्पू सिंह, पप्पन सिंह, राजीव कुमार आदि ने करीब 400 बीघा में नरई जलने का दावा किया। आग लगने की वजह पता नहीं चल सकी। पीड़ित किसानों ने मुआवजे की मांग की है।

डीएम के निर्देश पर दौड़ी टीमें, जुटाई जानकारी

ग्राम मीरपुर रतनपुर में गेहूं के खेतों में आग लगने की सूचना पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर बीसलपुर तहसील से टीम मौके पर भेजी गई। डीएम ने बताया कि तहसीलदार को मौके पर भेजा गया था। तहसीलदार द्वारा अवगत कराया गया है कि अज्ञात कारणों से लगी आग से 200 बीघा में करीब 40 काश्तकारों के खेत में फसल अवशेष नष्ट हुए हैं। किसी भी प्रकार की फसल हानि नहीं हुई है।

पीटीआर में जंगल सफारी को उमड़े सैलानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

जंगल मार्ग पर मस्त चाल से चलता भालू भी बना सैलानियों के आकर्षण का केंद्र

जंगल सफारी के दौरान बाघों को कैमरे में कैद करते सैलानी।

जंगल सफारी के दौरान चहलकदमी करते एक साथ दो बाघ।

- **दोनों शिफ्टों में जमकर चले सफारी वाहन, बाघ-भालू देख रोमांचित हुए सैलानी**
- **जनपद समेत आसपास जनपदों के 500 से अधिक सैलानी पहुंचे पीलीभीत टाइगर रिजर्व**

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व में रविवार की छुट्टी का खुमार सैलानियों के सिर चढ़कर बोला। जंगल सफारी के लिए पहुंचे सैलानियों का रोमांच उस समय चरम पर पहुंच गया, जब उन्हें बाघ, भालू समेत कई अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के एक-एक कर दीदार हुए। वहीं दो से अधिक बाघों को एक साथ देख तो सैलानी खुशी से ही झूम उठे। फिलहाल होली के बाद से टाइगर रिजर्व में सैलानियों की संख्या में खासी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का जंगल और महोफ रेंज स्थित इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच खूबसूरती की मिसाल है। पूरे पर्यटन सत्र के दौरान जनपद के अलावा दूर-दराज के राज्यों से सैलानियों की आमद रहती है। इधर रविवार को छुट्टी के चलते पीलीभीत टाइगर रिजर्व के टूरिस्ट प्वाइंटों पर पूरे दिन सैलानियों का जमावाड़ा लगा रहा। मुस्तफाबाद, महोफ समेत बराही पर्यटन गेट पर सुबह से ही सैलानियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मुस्तफाबाद बुकिंग केंद्र पर सैलानियों की खासी भीड़ देखी गई।

सुबह और शाम दोनों शिफ्टों में टाइगर रिजर्व पहुंचे सैलानियों ने चूका बीच समेत अन्य पर्यटन स्थलों की सैर की। इस दौरान सैलानियों ने प्रकृति को करीब से देखने के साथ ही बाघ, भालू समेत कई अन्य दुल्रभ वन्यजीवों के दीदार किए। इसके साथ ही कुछ सैलानियों को तो दो से अधिक बाघ भी एक साथ दिखे। सेल्फी प्वाइंट समेत चूका बीच समेत अन्य खूबसूरत स्थानों पर सैलानी परिवार के साथ सेल्फी भी लेते नजर आए। रविवार को जनपद के सीतापुर, लखीमपुर, बरेली आदि से बड़ी संख्या सैलानी यहां पहुंचे। क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि रविवार को 500 से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंचे। बीते कुछ समय से सैलानियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सैलानियों की सुविधाओं के साथ वन्यजीवों की सुरक्षा पर भी पर भी नजर रखी जा रही है।

सार्वजनिक जमीन पर कॉम्प्लेक्स निर्माण का विरोध

कलीनगर में विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **ग्रामीण बोले: अस्पताल या फिर बनवाया जाए रजिस्ट्री कार्यालय तभी मिलेगा लाभ**

अमृत विचार : कलीनगर नगर पंचायत क्षेत्र में खाली जमीन पर बोर्ड में प्रस्तावित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण कराने को रविवार को काम शुरु कराया गया। मगर, इसके बाद ही विवाद की स्थिति बन गई। ग्रामीण एकत्र हो गए और विरोध कर दिया। जेसीबी से कराई जा रही खुदाई को रुकवा दिया। अधिकारियों ने जानकारी की। फिलहाल काम को रुकवा दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित जमीन पर अस्पताल या रजिस्ट्री कार्यालय बनवाया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को लाभ मिल सके।

नगर पंचायत कलीनगर की कस्बे में करीब सवा बीघा जमीन खाली है। पूर्व में कुछ हिस्से में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था। करीब 50 गज में आयुर्वेदिक अस्पताल संचालित होता था। जिसका किराया नगर पंचायत में जमा होता था। देखरेख के अभाव में शौचालय जर्जर हो गया। जिसके बाद वर्तमान चेयरमैन माया देवी ने उसका एस्टीमेंट तैयार कराकर जर्जर शौचालय को तुड़वा दिया। जिसकी नीलामी 1.32 लाख रुपये में हुई थी। इसके बाद बोर्ड में यहां 22 दुकानें बनाने का प्रस्ताव पास किया गया था।

प्रथम चरण में शौचालय वाले स्थान पर 14 दुकानें बनाने की स्वीकृति दी गई थी। जिसके लिए 38 लाख का बजट पास हुआ, जबकि आयुर्वेदिक अस्पताल का खुद का भवन चित्तपुर में बनने के बाद वह वहां शिफ्ट कर दिया गया। खाली जगह में छुट्टा पशु डेरा डाले रहते थे। नगर पंचायत को आत्मनिर्भर बनाने को व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। इसका टेंडर भी हो चुका है।

रविवार को कार्यदायी संस्था के श्रमिकों द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसकी भनक लगते ही कुछ ग्रामीण जमा हो गए और जेसीबी से कराई जा रही खुदाई को रुकवा दिया। कुछ देर में भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में लोगों ने निर्माण कार्य का विरोध करते हुए नारेबाजी की। विरोध के चलते चालक जेसीबी लेकर चला गया। ग्रामीणों का कहना है कि ये जमीन सार्वजनिक उपयोग में रही है, जहां सुलभ शौचालय और एक जर्जर आयुर्वेदिक अस्पताल था।

क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, ऐसे में इस जमीन का उपयोग अस्पताल या रजिस्ट्री कार्यालय के रूप में किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को सीधा लाभ मिल सके। इधर, चेयरमैन का कहना है कि शौचालय जर्जर हो गया था, इसलिए उसे नीलाम कराकर तुड़वा था। कुल जगह करीब सवा बीघा से अधिक है। दुकानें आधी जगह में बनाई जा रही हैं। शेष के लिए आगे निर्णय लिया जाना है।

संपत्ति के विवाद में किया हमला

बीसलपुर, अमृत विचारः कोतवाली में दी गई तहरीर में ग्राम टिकरी माफी निवासी हीरा काली ने बताया कि उसकी शादी 50 वर्ष पूर्व भगवान सिंह से हुई थी। पति की दूसरी पत्नी माया देवी के पुत्र आनेन्द्र कुमार व जितेंद्र कुमार है। दोनों भगवान सिंह की मृत्यु के बाद उसके साथ आए दिन मारपीट करते हैं। उनके एक पुत्री है। जिसकी शादी पीलीभीत में हो चुकी है। पति की मृत्यु के बाद से सौतेले पुत्र जितेंद्र कुमार, आनेन्द्र कुमार द्वारा पति की संपत्ति की विरासत के लिए अपने नाम को आगे बढ़ाया गया और उसके नाम को हटा दिया गया। एसडीएम न्यायालय में वाद दायर किया गया है। जिसकी रंजिश में 12 अप्रैल की सुबह आरोपियों ने मारपीट की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

वीरांगना झलकारी बाई का बलिदान दिवस मनाया, अर्पित की श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पुनरोद्धार सेवा समिति व कोरी समाज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम**

अमृत विचारः बाबा श्री अयोध्या दासजी की समाधि पुनरोद्धार सेवा समिति एवं कोरी समाज के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर शहीद एवं झांसी की रानी की दुर्गा सेना में सेनापति वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

शहर के उपाधि कॉलेज के समीप रामलीला मार्ग स्थित समाधि स्थल पर रविवार को संस्था अध्यक्ष एवं संस्थापक अशोक कुमार कोरी की अध्यक्षता में वीरांगना झलकारी बाई का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना झलकारी बाई के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

वक्ताओं ने कोरी कुलवंश में जन्मी महानायिका वीरांगना झलकारी बाई के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका एवं राष्ट्र के प्रति योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान उनके जीवन परिचय एवं संघर्ष गाथा पर भी विस्तार से रोशनी डाली गई। कहा गया कि अंग्रेजों से लगातार 12 घंटे तक युद्ध करने के बाद वे वीरगति को प्राप्त हुई। इस दौरान समाज के लोगों को वीरांगना झलकारी बाई के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को सार्थक बनाने एवं स्वच्छ जागरुकता अभियान की शपथ भी दिलाई गई।

इस मौके पर सुखराम, राजकुमार कोरी, दिनेश कुमार, राम अवतार, प्रताप कुमार, सुनीता कुमारी, किरण वर्मा, आकाश कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

दूसरे समुदाय के शोहदे से घबराया परिवार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **किशोरी ने छोड़ा स्कूल तो मां ने की दुकान बंद**

अमृत विचार : शहर की एक किशोरी के लिए मोहल्ले का ही दूसरे समुदाय का युवक मुसीबत बन गया है। आरोप है कि बार-बार कॉल कर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा है। जिससे किशोरी मानसिक तनाव में आ गई। परिजनों के अनुसार, आरोपी की हरकतों का असर इतना बढ़ गया कि डर के चलते किशोरी ने स्कूल जाना बंद कर दिया। मां भी अपनी टेलरिंग की दुकान नहीं खोल रही है। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र की महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह टेलरिंग की दुकान करती हैं। मोहल्ले का फैयाज हाफिज अहमद नाम का युवक उनकी पुत्री को फोन कर परेशान कर रहा है। जब पीड़िता के परिवार वालों ने समझाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उन्हें भी धमकाया। इससे उनकी रोजी-रोटी हो रही है। भय के चलते वह दुकान नहीं खोल रहीं हैं। वहीं, छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि रिपार्ट दर्ज कर ली गईहै। आरोपी की गिरफ्तारी को टीम लगाई है।

जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने त्रुटि बताकर किया समझौता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पूरनपुर के निजी अस्पताल पर था आयुष्मान योजना में गोलमाल का आरोप**

अमृत विचार : पूरनपुर के एक निजी अस्पताल पर पूर्व में वहीं तैनात रहे चिकित्सक ने आयुष्मान योजना में बड़े स्तर पर गोलमाल करने का आरोप लगाते हुए पहले शिकायत की। इसकी जांच में कई चौकानें वाले तथ्य भी निकलकर सामने आए और कार्रवाई अधर में रही। जिसके बाद तीन सदस्यीय कमेटी इन आरोपों की सत्यता पता लगाने में जुटी ही थी कि उस वक्त नया मोड़ आया, जब शिकायतकर्ता ने त्रुटि बताकर समझौता कर लिया। जांच कमेटी को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। मगर, सीएमओ के निर्देश पर गठित कमेटी की जांच पर इस समझौते का कोई खास असर फिलहाल नहीं है। कमेटी के जिम्मेदारों का कहना है कि उनकी जांच जारी है। वहीं, सीएमओ ने भी कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई करने की बात कही है। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

मामला पूरनपुर क्षेत्र के सिद्धि आई हॉस्पिटल से जुड़ा है। शहर के चिकित्सक डॉ. विकास अग्रवाल ने 12 जनवरी को सीएमओ से शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया था कि अस्पताल में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद मरीजों को अन्य गंभीर बीमारियों का हवाला देकर योजना के तहत गलत भुगतान लिया गया है। फर्जी मुहर के इस्तेमाल के भी आरोप लगाए थे। बताते हैं कि शिकायतकर्ता भी इसी अस्पताल में पूर्व में सेवाएं दे चुके।

सीएमओ ने 13 जनवरी को ही जांच कमेटी गठित कर दी। 14 जनवरी को डिप्टी सीएमओ डॉ. ज्ञानप्रकाश, डीपीसी डॉ. अटलमणि शुक्ला और डीआईएसएम विवेक मिश्रा ने अस्पताल का निरीक्षण किया और उसी दिन अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। उस वक्त हुई जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं। रिपोर्ट के मुताबिक निरीक्षण के दौरान पंजीकृत डॉक्टर मौके पर मौजूद नहीं मिले थे। ओटी टेक्नीशियन के अनुपस्थित रहने के साथ ही मरीजों की जांच ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा किए जाने की बात कही गई थी। इसके अलावा फरवरी 2025 से नवंबर 2025 तक हुए ऑपरेशनों से संबंधित ओटी नोट्स, जांच रिपोर्ट, डिस्चार्ज स्लिप और चिकित्सक के हस्ताक्षर वाले दस्तावेज भी अस्पताल संचालक प्रस्तुत नहीं कर सके थे।

बताते हैं कि जो दस्तावेज दिए गए, उनमें भी कई जगह चिकित्सक के हस्ताक्षर या मरीजों का पूरा विवरण दर्ज नहीं था। इन खामियों को लेकर एसीएमओ डॉ. ज्ञानप्रकाश ने अस्पताल को डी-पैनल करने की संस्तुति करते हुए आयुष्मान योजना के जिम्मेदारों को पत्राचार भी किया था। इस प्रकरण में कई दिन तक कोई ठोस कार्रवाई न होने पर सवाल उठते रहे और मामला दबाने तक का आरोप लगता रहा। जिसके बाद जिला अस्पताल के 3 डॉक्टरों की कमेटी जांच के लिए बनाई, जिसकी जांच अभी चल रही है। अब मामले में नया मोड़ आया है। शिकायतकर्ता अपने द्वारा लगाए गए आरोपों से पीछे हटते दिखे। बताते हैं कि उन्होंने संबंधित अस्पताल के संचालक से सुलह कर ली। समझौता नामा लिखित में दिया, जिसमें ये तर्क दिया है कि कुछ भ्रम की स्थिति में शिकायत कर दी गई थी, जो अब दूर हो चुकी है। वे कोई कार्रवाई नहीं चाहते। ऐसे में आगे की जांच को लेकर संशय की स्थिति बन रही थी। हालांकि जिम्मेदारों ने साफ कर दिया है कि अगर दोनों पक्षों की सुलह हो भी गई है तो उसका जांच पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अभी कमेटी अपनी जांच जारी रखेगी और सभी बिंदुओं पर पड़ताल कर साक्ष्य के आधार पर रिपोर्ट देगी। फिलहाल शिकायत, आरोप प्रत्योराप और जांच कमेटी पुनः गठित होने के बाद समझौता, मामले को और भी चर्चित कर गया है।

> इस मामले की जांच के लिए जिला अस्पताल के चिकित्सकों की कमेटी बनाई गई है। कमेटी के स्तर से जांच कराई जा रही है। दोनों पक्षों के बीच समझौते की जानकारी नहीं है। कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उसी आधार पर आगे निर्णय लिया जाएगा।
>
> – **डॉ. आलोक कुमार**, सीएमओ।

जांच पूरी कर रिपोर्ट सीएमओ को जाएगी

तीन सदस्यीय जांच कमेटी की अगुवाई कर रहे डॉ. आरके गुप्ता का कहना है कि संबंधित अस्पताल में आयुष्मान योजना से जुड़े ऑपरेशन के दस्तावेज मांगे गए हैं। कमेटी अपनी जांच कर रही है। इसमे मुख्यत : ये देखा जा रहा है कि किस रोग का ऑपरेशन हुआ। उसी रोग के नाम पर रकम ली गई या फिर अन्य किसी रोग के ऑपरेशन को दर्शाया तो नहीं गया। सभी तथ्यों को लेकर जांच पूरी करके रिपोर्ट सीएमओ को भेजी जाएगी। शिकायतकर्ता और अस्पताल संचालक के बीच सुलह की जानकारी मिली थी, उसे भी अधिकारियों को अवगत करा दिया है। फिलहाल कमेटी अपनी जांच कर रही है।

नए योग केंद्र शुरू करने पर दिया जोर

पीलीभीत, अमृत विचारः भारतीय योग संस्थान उत्तर प्रदेश पूर्वी प्रांत के पदाधिकारी और कार्यकरणी के सदस्य अग्रवाल सभा में एकत्र हुए। इसके बाद टाइगर रिजर्व में सफारी का लुफ्त उठाया। रिसॉर्ट में प्रांतीय बैठक हुई। जिसमें संस्थान को बढ़ाने, साधकों की संख्या बढ़ाने, युवाओं को जोड़ने आदि पर चर्चा हुई। सभा में साधकों की सामूहिक कक्षा हुई, जिसमें 80 साधक/साधिकाएं शामिल हुए। योग से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी गई। प्रांतीय संगठन मंत्री जय प्रकाश श्रीवास्तव ने प्राणायाम एवं ध्यान, प्रांतीय प्रधान नरेश चंद वर्मा ने विभिन्न मुद्राओं के बारे में बताया। गोरखपुर से आए प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य न्यूरो फिजिशियन डॉ. भूपेंद्र भाटिया ने न्यूरो ट्रांसमीटर के बारे में बताया। सीए संजय अग्रवाल ने आभार जताया। यहां सतीश शर्मा, मोहित अग्रवाल, तृप्ति मिश्रा, निर्मला धमीजा, डीपी त्रिपाठी, विनय आनंद, लखीमपुर से नरेश चंद वर्मा, शाहजहांपुर से पवन सिंह आदि रहे।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज
स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर
मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

अतिक्रमण हटा नहीं, ई-रिक्शा को मिली एंट्री, कारें भी पार्क

बेपटरी यातायात व्यवस्था में सुधार के बजाय और बिगड़ते जा रहे हालात, व्यवस्थित वाहन खड़ा कराने की भी नहीं ली जा रही सुध

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था के सुधार के लिए ठोस कदम उठाए नहीं जा सके हैं। फुटपाथ से लेकर सड़क तक सजाई जा रही दुकानों पर सख्ती हो नहीं सकी थी कि अब बाजार में ई-रिक्शा की एंट्री भी खोल दी गई है। भले ही ये आदेश ग्राहकों और व्यापारियों की सहुलियत के लिए किए गए, लेकिन इसके नाम पर ही व्यवस्था को बेहतर बनाने की मुहिम से मुंह मोड़ लिया गया है।

बाजार में प्रवेश मिलने के बाद बेतरतीब तरीके से ई-रिक्शा खड़े किए जा रहे है। नो एंट्री के पालन में बरती जा रही निगरानी में लापरवाही के चलते कई बार चार पहिया वाहन भी प्रवेश हो जाते हैं और जाम की समस्या से परेशान होना पड़ रहा है। मगर, जिम्मेदार व्यवस्था को बेहतर बनाने में सफल नहीं हो सके हैं। जिसका खामियाजा उन्हीं ग्राहकों -व्यापारियों और अन्य राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है, जिनकी सहुलियत के लिए अधिकारियों ने कुछ छूट दी। रविवार को भी मुख्य मार्गों पर नियमों को ताक पर रखती तस्वीरें सामने आती रहीं।

लंबे समय से शहर की सड़कों पर फैली अव्यवस्था के चलते जाम की समस्या लोगों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। इसके समाधान के लिए आंदोलन हुए और ज्ञापन भी कई बार दिए जा चुके हैं। मगर, इसका सफल और स्थायी परिणाम सामने नहीं आ सका है। जाम की समस्या को देखते हुए पूर्व में ई-रिक्शा की एंट्री मुख्य बाजार में बंद कर दी गई थी। नो एंट्री प्वाइंट पहले से चिन्हित हैं। व्यापार मंडल पदाधिकारियों की ओर से भी जाम के पीछे एक वजह ई-रिक्शा के बेतरतीब तरीके से हो रहे संचालन को बताते हुए शिकायतें कई बार की गई। इसके अलावा ई-रिक्शा चालकों पर जब सख्ती हुई तो उनकी तरफ से भी ये तर्क दिया जाता रहा है कि फुटपाथ घेरकर सड़क तक सजाई जा रही दुकानें और पार्किंग की व्यवस्था न होने के चलते सड़कों परबेतरतीब तरीके से खड़े होने वाले वाहन जाम का अधिक सबब बनते हैं।

फिलहाल तर्क कुछ भी हो, लेकिन मुख्य बाजार, चूड़ी वाली गली, जेपी रोड, रामस्वरुप पार्क की गली, लोहा मंडी समेत कई मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण, बेतरतीब पार्किंग आदि जाम की वजह बने हुए थे।

अब बाजार में ई-रिक्शा का प्रवेश भी शुरू कर दिया गया है। इसके पीछे तर्कहै कि बैठक के दौरान दुकानों तक ग्राहक के पहुंचने में आने वाली दिक्कत का हवाला दिया गया। जिसके चलते अधिकारियों के आदेश पर वन -वे करते हुए व्यवस्था शुरू कराई गई है। इसे ठीक भी मान लिया जाए लेकिन बाजार में एंट्री के बाद सड़कों पर व्यवस्थित तरीके से ई-रिक्शा खड़ा कराने की सुध कोई नहीं ले रहा है। फुटपाथ पर दुकान, सड़क पर मनमाने तरीके से ई-रिक्शा की कतार लगने के जाम रविवार को भी कई बार जाम लगा। जिसकी वजह से राहगीर परेशान होते रहे।

जेपी रोड पर बेतरतीब तरीके से खड़े किए गए ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

मुख्य बाजार में एक तरफ चार पहिया वाहन दूसरी तरफ ई-रिक्शा की कतार।

ड्रमंडगंज चौराहा से मुख्य बाजार की तरफ राहगीरों की भीड़।

> जाम की समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्टाफ को भी निर्देशित किया गया है। बाजार में बीते कुछ दिनों से व्यापारियों के आग्रह और अधिकारियों के निर्देश पर ई-रिक्शा की एंट्री कर दी गई है। हालांकि इसके लिए वन-वे व्यवस्था की गई है। इसे अभी देखा जा रहा है। जाम की दिक्कत बढ़ी तो इसमें सुधार कराया जाएगा। - **राघवेंद्र सिंह**, टीएसआई।

नो एंट्री में चार पहिया वाहनों का भी प्रवेश

बाजार में इन दिनों भीड़ अधिक है। मुख्य बाजार के साथ जेपी रोड पर भी दिनभर खरीदार उमड़ रहे हैं। दुकानों के आगे उनके वाहन खड़े होते हैं। नो एंट्री का भी पूर्णतया पालन नहीं कराया जा सका है। रविवार को मुख्य बाजार में कई जगह चार पहिया वाहन सड़क पर खड़े दिखाई दिए। जिनके मकान बाजार के आसपास है, उनके वाहन को तो छूट देना लाजिमी है। मगर, इसके अलावा खरीदारी को पहुंचने वाले या आसपास जाने वाले भी चार पहिया वाहन प्रवेश कर गए और जाम लगता रहा।

युवती से मारपीट, रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम नवदिया भगत निवासी ओम प्रकाश राठौर की पुत्री शीतल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 11 अप्रैल को उसके पड़ोसी की छत के सहारे पास में रहने वाला सीताराम का पुत्र मंगू घर में आ गया । आहट पर जब रात 10 बजे शीतल ने घर आने पर सवाल किए तो उसकी पिटाई कर दी। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 को होगा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पुनरीक्षण के दौरान सार्वजनिक अवकाशों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे

अमृत विचारः जनपद में चल रहे त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयोग ने आंशिक संशोधन किया है। अब नई समय सारणी के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 अप्रैल को किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में संशोधित सूचना जारी की है।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का कार्य तेजी से चल रहा है। पूर्व में जारी अधिसूचनाओं के क्रम में अब नई तिथि निर्धारित की गई हैं। डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मतदाता सूचियों के कंप्यूटरीकरण के बाद मतदान केंद्रों और स्थलों का क्रमांक निर्धारण, वार्डों की मैपिंग, मतदेय स्थल वार मतदाता क्रमांक आवंटन और मतदाता सूची की डाउनलोडिंग व फोटो प्रतियां तैयार करने का कार्य 17 मार्च से 21 अप्रैल तक पूरा किया जाएगा। 22 अप्रैल को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन कर दिया जाएगा। कहा कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाशों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे, ताकि कार्य समय सीमा के भीतर संपन्न हो सके।

धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन से होगी सनातन धर्म की रक्षा

बीसलपुर, अमृत विचारः नगर के मोहल्ला दुबे स्थित एक बरात घर में सनातन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर अतिथि न्यूरानपुर मुड़िया आश्रम के महंत योगी हनुमान नाथ शामिल हुए।

उन्होने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमें धार्मिक ग्रंथो का अध्ययन करना जरुरी है। सनातन धर्म की रक्षा हमारी संस्कृति परंपरा और विरासत को जीवित रखना प्रत्येक सनातनी का धर्म है। यह वेदों पुराणों गौ सेवा और धार्मिक शिक्षा के प्रचार प्रसार से संभव है।

कहा कि जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की। इस मौके पर अशोक दीक्षित, अंशू भारद्वाज एडवोकेट, सोनू दीक्षित, लल्ला महाराज मिश्रा, रविकांत सूर्यवंशी, उमेश वाल्मीकि, सुखविंदर सिंह, भैरो शर्मा आदि मौजूद रहे।

योगी हनुमान नाथ व भाजपा नेता मनोज।

- बीसलपुर में जागरूकता कार्यक्रम में बोले- योगी हनुमान नाथ

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक

डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन

डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)

ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
NABH PRE ACCREDITED

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुमन का निधन

पीलीभीत, अमृत विचारः जिला सहकारी बैंक पीलीभीत के सभापति सत्यपाल गंगवार की पत्नी सुमन गंगवार का दिल्ली के अस्पताल में निधन हो गया। वह ललौरीखेड़ा की दो बार ब्लॉक प्रमुख भी रह चुकी हैं। इसके अलावा जिला सहकारी बैंक की सभापति भी रहीं। उनके निधन पर तमाम जनप्रतिनिधि और राजनीतक दलों के पदाधिकारियों ने शोक संवेदना व्यक्त की। अंत्येष्टि सोमवार 12:00 बजे पैतृक गांव सैजना में होगी।

बजट क्वेस्ट 2026 के राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों ने स्थान किया सुनिश्चित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- आज वर्चुअल लिंक के माध्यम से प्रधानमंत्री से करेंगे संवाद

अमृत विचारः गोस्वामीज मॉम्स प्राइड स्कूल के चार होनहार विद्यार्थियों ने अपनी कुशाग्र बुद्धि और आर्थिक समझ का परिचय देते हुए माई भारत बजट क्वेस्ट 2026 के राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान सुनिश्चित किया है। यह न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है।

11 से 13 अप्रैल तक लखनऊ में चलने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कराई। विशिष्ट अतिथि के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नए भारत के नए अर्थशास्त्री कहकर प्रोत्साहित किया।

बजट क्वेस्ट कोई साधारण प्रतियोगिता नहीं थी। इसमें प्रदेश के हजारों विद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया था। कई कठिन चरणों, जिनमें जटिल क्विज़ और गहन शोध आधारित निबंध लेखन शामिल था, उसे पार करने के बाद गोस्वामी मॉम्स प्राइड स्कूल के पार्थ अग्रवाल (कक्षा 10, कॉमर्स), अनुष्का श्रीवास्तव (कक्षा 10, कॉमर्स), रिधिमा अग्रवाल (कक्षा 11, कॉमर्स), सिद्धि सिंह देशवार (कक्षा 12, मानविकी) ने जगह बनाई। बताते हैं कि पूरे आयोजन का सबसे मुख्य आकर्षण 13 अप्रैल को होने वाला सत्र है।

चार से पांच बजे के बीच ये चारों छात्र एक विशेष वर्चुअल लिंक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीधा संवाद करेंगे। विद्यालय के प्रबंध निदेशक निशांत गोस्वामी, चेयरपर्सन डॉ. सोनिया गोस्वामी, प्रधानाचार्या जया घोष ने हर्ष व्यक्त किया।

स्मार्ट मीटर से ग्रामीण उपभोक्ता भी परेशान

संवाददाता, घुंघचिहाई

अमृत विचारः स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर लगातार शिकायतें बढ़ती जा रही है। इसे लेकर भले ही शासन स्तर से नए निर्देश जारी करते हुए राहत दी गई हो लेकिन जमीनी स्तर पर अभी भी मुश्किलें बरकरार है। ग्रामीण अंचलों के उपभोक्ता भी स्मार्ट मीटर के दौरान आ रही परेशानियों से बेहाल हैं।

बिना सूचना के ही उपभोक्ता की बिजली गुल हो रही है। उनका कहना है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर जब लगाये जा रहे थे, तो किसी भी जिम्मेदार ने इसके बारे में कुछ नहीं बताया। ना ही बिल किस प्रकार जमा होगा ये बताया गया और सिर्फ मीटर लगाने पर जोर दिया गया।

उपभोक्ताओं ने लगाए जा चुके स्मार्ट मीटर पोस्टपेड मोड पर करने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक इस स्मार्ट बिजली मीटर प्रीपेड मोड की बजाय पोस्टपेड मोड पर नहीं कर दिए जाते तब तक उनके घर की बिजली किसी भी वक्त कट सकती है। इसका समाधान कराया जाए।

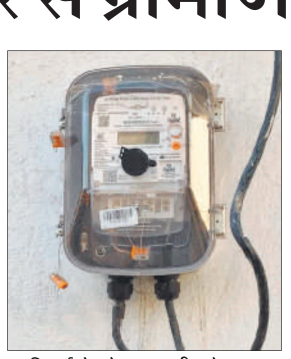

घुंघचिहाई क्षेत्र के एक ग्रामीण के घर लगा स्मार्ट मीटर।

- बोले- प्री-पेड से पोस्टपेड मोड पर कैसे कराएं, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

> एक अप्रैल से जो भी नए स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, उनमें प्रीपेड मोड की जगह उपभोक्ताओं को पोस्टपेड मोड की सुविधा मिलेगी। इसके बिल एक महीने के बाद जमा करने होंगे। बिल जमा करने से पहले मोबाइल पर मैसेज भी आएगा। - **सर्वेश कुमार**, एसडीओ विद्युत उपखंड घुंघचिहाई।

जानकारी के अभाव में स्मार्ट बिजली मीटर लगवाया था। अब बिना सूचना बिजली गुल हो गई है। घर पर लगे बिजली स्मार्ट मीटर में प्रीपेड मोड को हटाकर पोस्टपेड कराना चाहते हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा। - **द्रगपाल सिंह**, उपभोक्ता

पूर्व में ही स्मार्ट मीटर तो लगवा लिया लेकिन अचानक सप्लाई बंद हो जाना बहुत ही दिक्कत दे रहा है। स्मार्ट बिजली मीटर में प्रीपेड मोड की जगह पोस्टपेड मोड सेट कर दिया जाए। इसके लिए भी कोई जानकारी नहीं दे रहा। - **श्याम किशोर त्रिवेदी**।

ग्रामीण क्षेत्र में अधिकांश लोग महीने की ही बिलिंग पसंद करते हैं। स्मार्ट मीटर लगने से बिलिंग न होने पर अचानक बिजली गुल हो जाएगी, इसकी जानकारी नहीं थी। अब परेशानी हो रही है तो समझ आया है। - **वेदप्रकाश भारती**, उपभोक्ता

जब से स्मार्ट मीटर लगा है, तब से डर बना रहता है कि आखिर कब बिजली गुल हो जाएगी। एडवांस में रुपये जमा करने पर दोबारा बिजली सप्लाई शुरू होती है, उसमें भी सर्वर की दिक्कत होती है। इसका समाधान कराया जाए। - **संजीव अवस्थी**, उपभोक्ता

तेज गर्मी को रहें तैयार, 43 डिग्री हो सकता पारा

धूप से बचाव करके ही घर से निकलें, रविवार को अधिकतम तापमान रहा 34 डिग्री सेल्सियस

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पारा एक बार फिर से चढ़ने लगा है। रविवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री रहा। ऐसे में तेज धूप और तपन वाली गर्मी लोगों को परेशान करती रही। तेज धूप के कारण कम लोग ही घरों से निकलें। इससे सड़कों की चहल-पहल गायब रही। मौसम वैज्ञानिक आने वाले समय में तापमान और बढ़ने की संभावना जताकर सोमवार को पारा 43 डिग्री तक पहुंचना बता रहे हैं।

रविवार सुबह न्यूनतम पारा 19 डिग्री और अधिकतम पारा 34 डिग्री रिकार्ड हुआ। इसके बाद पारे में तेजी से उछाल आता गया। दोपहर 12 बजे तक पारा 30 डिग्री तक जा पहुंचा। इसी के साथ तपन भी बढ़ती गई। दोपहर तीन बजे तक पारा 34 डिग्री जा पहुंचा जो शाम चार बजे तक स्थिर रहा। ऐसे में तेज धूप लोगों के लिए असहनीय रही। लोग तेज धूप से बचने के छांव की तलाश में लगे रहे। भीषण गर्मी की वजह से बाजार की चहल-पहल तक प्रभावित रही।

हालांकि शाम को सूर्य अस्त होने के बाद लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। राज्य मौसम विभाग के प्रभारी डॉ. अतुल कुमार सिंह मुताबिक तापमान में अभी और वृद्धि होगी। शनिवार तक पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस सप्ताह भर गर्मी परेशान करेगी। इसलिए धूप से बचाव बेहद जरूरी है।

चिलचिलाती धूप में सदर चौराहे से गुजरते लोग। ● अमृत विचार

मौसम का पूर्वानुमान

तिथि	अधिकतम	न्यूनतम
13 अप्रैल	36	19
14 अप्रैल	38	20
15 अप्रैल	39	21
16 अप्रैल	40	22
17 अप्रैल	39	22
18 अप्रैल	43	24

बिजली की बढ़ गई आवाजाही

रविवार को तापमान बढ़ते ही बिजली की कटौती भी बढ़ गई। वजह है कि बिजली की मांग अधिक होते ही फाल्ट की समस्याएं शुरू हो गई हैं, जिससे शट डाउन लिए गए। रविवार को दिनभर बिजली की आवाजाही रही, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चिकित्सकों की सलाह बरतें सावधानी

जिला अस्पताल के जिरियाट्रिक फिजीशियन डॉ. शिखर वाजपेयी बताते हैं कि इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। इसलिए इससे बचाव बहुत जरूरी है। गर्मी में रोजाना चार से पांच लीटर पानी एवं अन्य तरल पदार्थ का सेवन करें। पानी न पीने से डिहाइड्रेशन, पेशाब में जलन से लेकर पथरी आदि की समस्या बन सकती है। इसके अलावा खाने में भी हरी सब्जियां का सेवन करें वह भी कम तेल मसाले में बनाकर।

तपती धूप में ठंडक की तलाश में पानी के टब पर बैठी नन्हीं चिड़िया।

बच्चों के लिए बरतें विशेष सावधानी

लखीमपुर खीरी। गर्मी बढ़ने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ गया है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजनी मिश्रा के अनुसार बदलते मौसम का असर सबसे अधिक छोटे बच्चों पर पड़ता है। तेज धूप और गर्म हवाओं के दौरान बच्चों को बाहर निकालने से बचना चाहिए। साथ ही उन्हें पर्याप्त पानी, तरल पदार्थ और हल्का भोजन देना जरूरी है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

बाघ दिखने से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग अलर्ट

संवाददाता, संपूर्णानगर

खेतों में घूमता बाघ।

- सुबह टहलने निकले व्यक्ति को खेतों में दिखा बाघ, वीडियो वायरल
- वन विभाग की टीम निगरानी में जुटी लोगों को सतर्क रहने की सलाह

अमृत विचार: क्षेत्र में बाघ की लगातार हो रही गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। रविवार सुबह एक बार फिर बाघ देखे जाने की सूचना मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि मिलिट्री फार्म रोड पर सुबह टहलने गए एक व्यक्ति की नजर अचानक खेतों के बीच से गुजर रहे बाघ पर पड़ी। व्यक्ति ने दूर से ही बाघ का वीडियो बना लिया, जो अब क्षेत्र में तेजी से वायरल हो रहा है। बाघ को खेतों से गुजरते देख आसपास के लोगों में भय व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और अकेले खेतों की ओर न जाने की हिदायत दी है। वन क्षेत्राधिकारी संपूर्णानगर ललित कुमार ने बताया कि बाघ देखे जाने की सूचना और वीडियो प्राप्त हुई है। टीम को इलाके में निगरानी के लिए लगा दिया गया है और बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि संपूर्णानगर वन रेंज में पिछले कुछ समय से बाघ के देखे जाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे ग्रामीणों में भय बना हुआ है। वन विभाग ने लोगों से सतर्कता बरतने और किसी भी तरह की सूचना तत्काल विभाग को देने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

बंदी के दिन खुल रहे व्यापारिक प्रतिष्ठान

भीरा, अमृत विचार: साप्ताहिक बंदी के दिन नगर की दुकान और व्यापारिक प्रतिष्ठान खुलने के कारण मजदूरों को अवकाश नहीं मिल पा रहा है, जिससे मजदूर कानून के उल्लंघन के साथ श्रमिकों का शोषण हो रहा है। भीरा नगर पंचायत के साथ नोटिफाइड एरिया भी घोषित है, जिसमें डीएम की ओर से यहां प्रति रविवार को बंदी घोषित की गई है, लेकिन बंदी के दिन रविवार को बाजार की दुकानों को खोले जाने के साथ यहां के लघु उद्योगों को भी खोलकर मजदूरों से कार्य कराया जा रहा है। मजदूरों ने इस मामले में एसडीएम तथा डीएम लखीमपुर से बंदी के दिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद कराने की मांग की है, जिससे उन्हें भी एक दिन का बंदी का अवकाश मिल सके।

रास्ते में रोककर युवक से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव हसनापुर निवासी मुरली ने बताया कि शाम करीब 7 बजे बेटी सोनी को लेकर सीडब्लूसी पेशी से घर लौट रहा था। अदलीशपुर के पास गांव के गल्हर, चन्दर, मेवा और कल्लू ने उसे रोक लिया। आरोप है कि उक्त लोगों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मुरली के शोर मचाने पर ग्रामसभा के मोहित और शोभित मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उसे बचाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट में महिला समेत चार लोग घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली धौरहरा के गांव अमेठी में निवासी संगीता ने थाने बताया कि शनिवार को गांव के ही नंदू, शंकर और अर्जुन शराब के नशे में उसके पास आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारना शुरू कर दिया। बीच बचाव करने पहुंचे उसके पति छोटू, जेठ अंबरीष और ससुर कंधई को भी आरोपियों ने पीट दिया, जिससे सभी को चोटें आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया।

माइनर ओवरफ्लो, गेहूं की फसल डूबी

संवाददाता, संसारपुर

- बर्बादी की कगार पर पहुंची फसलें, किसानों में रोष

अमृत विचार: विकास खंड बांकेगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत ग्रंट रामपुर डाटपुर के मजरा भीखमपुर में संसारपुर माइनर के ओवरफ्लो होने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। अचानक हुए जलभराव से कई किसानों की पकी और कटी हुई गेहूं की फसल खेतों में ही डूब गई, जिससे क्षेत्र के किसानों में भारी रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों के मुताबिक नहर में क्षमता से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण माइनर ओवरफ्लो हो गई और रातोंरात पानी खेतों में भर गया। जिस समय यह घटना हुई, उस समय क्षेत्र में गेहूं की कटाई अपने अंतिम चरण में थी। ऐसे में खेतों में भरे पानी ने किसानों की तैयार फसल को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया। किसानों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। हर वर्ष नहर ओवरफ्लो होने की घटना सामने आती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं कर पाया है। इस बार नुकसान अधिक होने से किसानों में नाराजगी और चिंता दोनों बढ़ गई हैं।

गांव भीखमपुर निवासी गजोधर लाल शाक्य ने बताया कि उनकी लगभग 5 बीघा कटी हुई गेहूं की फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई। कटाई के बाद फसल खेत में पडी थी। अगले दिन गहाई होनी थी, अचानक नहर का पानी आ गया और पूरी मेहनत बर्बाद हो गई। किसान अनूप कुमार ने कहा हम लोग गेहूं काट रहे थे, तभी रात में पानी खेत में घुस आया। समझ नहीं आ रहा कि डूबी हुई फसल को कैसे बचाएं और कटाई कैसे पूरी करें। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसानों ने प्रशासन और सिंचाई विभाग से मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करने, नहर की तत्काल मरम्मत कराने तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। क्षेत्र के किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उनके सामने रोटी तथा बच्चों को पढ़ाई का संकट खड़ा हो जाएगा।

स्टेडियम और बस अड्डे की मांग से जगी नई उम्मीद

संवाददाता, पलिया कलां

- विधायक रोमी साहनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखीं मांगें

अमृत विचार: क्षेत्र के युवाओं और आम नागरिकों के लिए एक बड़ी उम्मीद की किरण उस समय जगी, जब क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष चंदन चौकी में आयोजित जनसभा के दौरान पलिया में स्टेडियम निर्माण और रोडवेज बस अड्डे की स्थापना की महत्वपूर्ण मांग उठाई। विधायक द्वारा उठाए गए इन मुद्दों को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है।

पलिया क्षेत्र लंबे समय से खेल प्रतिभाओं के लिए जाना जाता रहा है। यहां के युवा सीमित संसाधनों के बावजूद जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते आए हैं। लेकिन उचित खेल सुविधाओं और प्रशिक्षकों की कमी हमेशा उनके सामने चुनौती बनी रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि पलिया में आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेडियम का निर्माण होता है, तो यहां के खिलाड़ी और बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं।

विधायक रोमी साहनी ने इस मांग को मजबूती से रखते हुए कहा कि तराई क्षेत्र के युवाओं में अपार क्षमता है, जिन्हें सिर्फ एक बेहतर मंच और संसाधनों की जरूरत है। स्टेडियम बनने से न केवल खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में खेल संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा और युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलेगी। इसके साथ ही विधायक ने नगर की एक प्रमुख समस्या की ओर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

पलिया नगर के चौकी चौराहे पर रोडवेज बसों के खड़े होने के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम लोगों, व्यापारियों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए विधायक ने बस अड्डे के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराए जाने और शीघ्र निर्माण की मांग रखी। यदि पलिया में रोडवेज बस अड्डे का निर्माण होता है, तो इससे जहां यातायात व्यवस्था सुचारु होगी, वहीं जाम की समस्या से भी काफी हद तक राहत मिलेगी। साथ ही बस स्टाफ और यात्रियों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मुख्यमंत्री के समक्ष इन दोनों महत्वपूर्ण मांगों के उठाए जाने से अब उनके पूरे होने की उम्मीद बढ़ गई है। लोगों को विश्वास है कि प्रदेश सरकार जल्द ही इन योजनाओं पर सकारात्मक निर्णय लेकर पलिया के विकास को नई दिशा देगी।

नगर में स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

गोला में पथ संचलन निकालते आरएसएस के लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- सामाजिक समरसता का दिया गया संदेश

अमृत विचार: नगर के प्रमुख मार्गों पर रविवार की शाम आरएसएस के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाल कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। पालिकाध्यक्ष ने अशोक चौराहे पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

लखीमपुर रोड स्थित सिद्धी विनायक गेस्ट हाउस से स्वयंसेवक आरएसएस के पूर्ण गणवेश में नगर कार्यवाह महेंद्रनाथ पाठक, नगर प्रचारक अभिषेक कुमार, स्वयंसेवक सचिन सिंह, रामकुमार सिंह, कौशल मिश्रा, हर्ष भारद्वाज आदि तमाम स्वयंसेवक संघ के बैंड के साथ नगर के अलीगंज रोड, खुटार रोड, सिनेमा रोड, मोहम्मदी रोड, पुराना बाईपास, विकास चौराहा, खुटार रोड और लखीमपुर रोड पर पथ संचलन में निकले। अशोक चौराहे पर भाजपा नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार, पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, पूर्व नगर अध्यक्ष शत्रुघ्न मिश्रा, गीता विश्वकर्मा, विजय मिश्रा, रविंद्र कटियार, धीरज बाजपेई, सुमित शाह, सौरभ सैनी, प्रवीन गुप्ता, नगर मंत्री राजेश जोशी, कैलाश गुप्ता, प्रदीप खतौलिया, मनोज बाथम, अन्नू दीक्षित ने स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की।

ऑल इंडिया जर्नलिस्ट यूनियन की हुई बैठक

बांकेगंज, अमृत विचार: रविवार को विनायक इंटर कॉलेज में पत्रकार संगठन ऑल इंडिया जर्नलिस्ट यूनियन की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट यूनियन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी और जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने पत्रकारों की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उनके सम्मान की लड़ाई में साथ देने का वादा किया।

पत्रकार संगठन ऑल इंडिया जर्नलिस्ट यूनियन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी और जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला के विनायक इंटर कॉलेज पहुंचने पर तमाम पत्रकारों ने दोनों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक में पत्रकारों की चुनौतियों, उनके अधिकारों की सुरक्षा और संगठन की नीतियों पर चर्चा की गई।

नगर पालिकाध्यक्ष ने माल गोदाम रोड निर्माण का किया निरीक्षण

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद ने माल गोदाम रोड के निर्माण कार्य का शुभारम्भ कर दिया है। पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और ठेकेदार को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए।

नगर की प्रमुख सड़कों में शामिल माल गोदाम रोड पिछले एक वर्ष से अधिक समय से जर्जर हालत में थी। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क की खराब स्थिति के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नगर पालिका कार्यालय, डाकघर, बिक्री कर कार्यालय, कोतवाली और रेलवे स्टेशन तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। यह सड़क रेलवे विभाग के अधिकार क्षेत्र में होने के कारण लंबे समय से इसका निर्माण कार्य अटका हुआ था।

सड़क निर्माण का निरीक्षण करती नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता।

- एक साल से जर्जर सड़क का हो रहा पुनर्निर्माण
- रेलवे विभाग से समन्वय कर शुरू हुआ कार्य

नगर पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रेलवे विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया और आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर निर्माण कार्य शुरू कराया। निरीक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष ने ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में मानकों का पूरा पालन किया जाए ताकि आम जनता को लंबे समय तक बेहतर सुविधा मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

पिलर तोड़ने पर विवाद महिला को पीटा

लखीमपुर खीरी, थाना क्षेत्र ईसानगर के हसनापुर गांव निवासी सुशीला देवी ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे गांव का संतोष और उसका भाई राजेश उसके घर पहुंचे और मकान का पिलर तोड़ने लगे। विरोध पर दोनों गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि शोर सुनकर संतोष की पत्नी संतोषी और उसकी सास भी पहुंच गईं और सभी ने मिलकर उसे बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। इस दौरान उसके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

15 से स्मृति पीजी कॉलेज में प्रवेश आरंभ

भीरा, अमृत विचार : स्मृति पीजी कॉलेज में 15 अप्रैल से नवीन शिक्षा वर्ष 2026 27 का प्रवेश प्रारंभ हो रहा है। प्राचार्य बीडी शुक्ला के अनुसार इंटरमीडिएट, स्नातक उत्तीर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं के लिए बीएससी, एमएससी, एग्रीकल्चर के साथ बीकॉम, एम काम कक्षाओं के लिए प्रवेश प्रारंभ हो रहा है। प्रवेश संबंधी आवेदन फॉर्म कॉलेज काउंटर पर उपलब्ध हैं। प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रवेश संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए कॉलेज गेट पर काउंटरों की व्यवस्था की गई है।

गाली-गलौज के विरोध में मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर के मोहल्ला कटरा निवासी सफहूद आलम ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे विपक्षी सुफियान और इरफान उसके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि इस हमले में उसे चोटें भी आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है।

वरुथिनी एकादशी पर संकीर्तन आज

गोला गोकर्णनाथ। अमृत विचार : श्री श्याम दीवाने सेवा समिति द्वारा सोमवार को वरुथिनी एकादशी पर कंजा बाबा देवस्थान स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि वरुथिनी एकादशी पर कंजा बाबा देवस्थान पर 7 .30 बजे से रात्रि 10 बजे तक बाबा का भव्य श्रृंगार, भजनों की अमृत वर्षा होगी। भक्तों के स्वागत और व्यवस्था के लिए समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हैं।

सीमा नहीं खिंचा करती है, कागज बिछी लकीरों से...

छोटी काशी में बही काव्य रस धार, रात भर डटे रहे काव्यप्रेमी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि कमलेश मिश्र व अन्य।

अमृत विचार: छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ, जिसमें कवियों ने विभिन्न विधाओं में अपना काव्य पाठ कर दर्शकों को देर रात तक रोके रखा।

ऐतिहासिक चैती मेला के 14वें दिन सांस्कृतिक मंच पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा अवध प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता, विशिष्ट अतिथि एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता, सरस्वती विद्या निकेतन कॉलेज के प्रधानाचार्य महेंद्र त्रिपाठी, भाजपा जिला मंत्री राकेश अर्कवंशी एवं पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर पुष्प मालाओं से स्वागत करते हुए सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि कमलेश मिश्रा ने कहा कि देश के लाखों लोगों ने राम मंदिर का सपना देखा था, हमारी सरकार में वह पूरा हो गया। आज कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा होती है, गोला में शिव कॉरिडोर बन रहा है। पालिकाध्यक्ष ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकर भारतीय संस्कृति, हमारी जीवनशैली और परम्पराओं को संजोने का कार्य कर रही है। ऐतिहासिक चैती मेला विभिन्न विधाओं, कलाओं को संयोजने तथा संवारने का कार्य करता है।

कवि सम्मेलन की शुरुआत हैदरगढ़ के शिव किशोर तिवारी खंजन ने श्रृंगार रस से की-मिले यदि प्रेम का प्याला जहर भी जाम होता है, हृदय जो प्रेम में डूबा वो प्रभु का धाम होता है। लखनऊ की डॉ. सुफलता त्रिपाठी ने फरमाया- धृतराष्ट्र अब न द्रोपदी कोई बनाइए, श्रावण के द्वन्द फन्द से सीता बचाइए। बारूद की बढ़ती हुई आंधी तो रोकिए, अपनी जमीन आसमा सूरज बचाइए। विनीत चौहान अलवर ने ओज भरा-सीमा नहीं खिंचा करती है, कागज बिछी लकीरों से, ये घटती बढ़ती रहती हैं, वीरों की रायगीवों से।

> ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर 13 अप्रैल को भोजपुरी कार्यक्रम शिवानी सिंह द्वारा सायं सात बजे से।

सुफलता त्रिपाठी।

स्वयं श्रीवास्तव।

नीलोत्पल मृणाल।

अखिलेश द्विवेदी।

विनीत चौहान।

शिव किशोर तिवारी।

हेमंत पांडे।

अल्पना आनंद।

कानपुर के हेमन्त पांडे ने प्रेम का वर्णन किया-एक फूल तुझे देने के लिए सस्ते में ले लिया, देखे न कोई इसलिए बस्ते में ले लिया। फूल तुझे देने को निकले थे जानेमन, बजरंग दल वालों ने उसे रस्ते में ले लिया।

गया (बिहार) की अल्पना आनंद ने राधा कृष्ण की बात कुछ यूं कही-मन के बता रही है सभी हाल ओढ़नी, रक्खी रहती है यूंही कई साल ओढ़नी। जब से चले गए हैं कृष्ण तब से आज तक, ओढ़ी नहीं है राधिका ने लाल ओढ़नी। प्रयागराज के अखिलेश द्विवेदी ने हास्य सुनाया-हम अपना दर्द बांटे या न बांटे पर हंसी बांटे। भुलाकर सारे गम अपने सभी के संग खुशी बांटें। उन्नाव के स्वयं श्रीवास्तव ने एक शख्स क्या गया कि पूरा काफिला गया, तूफां था तेज पेड़ को जड़ से हिला गया सुनाया। आशीष अनल ने कहा-पहले बंटवारे वाली पीर पिया

फिर बंटे हुए कश्मीर को पिया, फिर हिंदू मुस्लिम सिख को पिया और फिर दंगों की तारीख को पिया।

झारखण्ड के नीलोत्पल मृणाल ने सुनाया-समय के बाहर सिर्फ पतझड़ है, पतझड़ के शब्द चुनो

सूने में हवा तेज चलती है, किसी बाग बगीचे में घास के पीले तिनके।

पाइपलाइन लीकेज बर्बाद हो रहा हजारों लीटर पानी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर की खुटार रोड विकास चौराहा स्थित पलिया बस अड्डा के पास पिछले 10 दिनों से पेयजल पाइपलाइन लीक है, जिससे लगातार पानी की बर्बादी हो रही है। स्थानीय लोगों ने पांच दिन पूर्व पालिका के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

लोगों के अनुसार पाइप लाइन लीकेज से प्रतिदिन दो समय पानी की टंकी आने पर हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। पांच दिन पहले ही भारतीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने नगर पालिका और जल निगम के जूनियर इंजीनियर आदर्श जेई को टूटी पाइपलाइन के बारे में अवगत कराया, लेकिन इसके बाद भी संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिससे पानी निरंतर बहता रहता है। श्री गुप्ता ने मांग की है कि ऐसे जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और जल्द ही पाइपलाइन की मरम्मत कराई जाए, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके।

चुनिंदा दुकानों से किताब ड्रेस खरीदने का दबाव

संवाददाता, झंडी

- सादे कागज पर बिल, निजी स्कूलों की मनमानी से गरीबों पर बोझ

अमृत विचार: क्षेत्र के कई निजी स्कूल चुनिंदा दुकानों से किताब और ड्रेस खरीदने का दबाव बना रहे हैं। दुकानदार भी महंगे दामों में कोर्स देकर सादे कागजों पर ही बिल दे रहे हैं।

झंडी क्षेत्र के अधिकांश अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए पास के कस्बे निघासन के निजी स्कूलों में भेजते हैं, लेकिन आरोप है कि इन स्कूलों के प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर दबाव बनाया जाता है कि वे बच्चों की किताबें और यूनिफॉर्म केवल तय की गई कुछ चुनिंदा दुकानों से ही खरीदें। जबकि अन्य दुकानों पर वही सामान कम कीमत में उपलब्ध होने के बावजूद अभिभावकों को वहां से खरीदारी करने की अनुमति नहीं दी जाती।

ग्रामीणों का कहना है कि इन दुकानों पर सामान महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। खरीदारी के बाद दुकानदार पक्का बिल देने के बजाय सादे कागज या साधारण पर्ची पर हिसाब लिखकर उसे ही बिल के रूप में थमा देते हैं। इसका असर सबसे ज्यादा गरीब और मजदूर वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि अगर तय दुकान से सामान नहीं खरीदेंगे तो बच्चों की कैसे पढ़ाएंगे। उधर बीईओ धर्मेश सिंह जांच की बात कह रहे हैं।

दो अज्ञात के खिलाफ जेवर छीनने की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला कुम्हारन टोला निवासी संगीता पत्नी पवनेश कुमार मिश्र ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह 10 अप्रैल को दोपहर दो बजे अपने बच्चे को लेने बांकेगंज रोड स्थित क्रॉस रोड इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल जा रही थी, जब वह रास्ते मे दीपक ट्रेडर्स के पास पहुंची तो अज्ञात दो व्यक्तियों ने उसे रोका और बातचीत के दौरान उन लोगों ने उसका मोबाइल फोन, सोने की एक अंगूठी, चेन व एक जोडी कान के बुंदे छीन लिए और उससे बांकेगंज रोड पर चलने को कहा। इतने में वह दोनों उसका सामान लेकर भाग गये। उसने दोनों अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान बना मजाक

संवाददाता, भीरा

जिला पंचायत इंटर कॉलेज मार्ग पर बहता नालियों का पानी। ● अमृत विचार

- नालियों की सफाई न होने से जलभराव, मच्छरों का प्रकोप बढ़ा
- कॉलेज मार्ग व मुख्य बाजार क्षेत्र में लोगों का जीना हुआ दुश्वार

अमृत विचार: सरकार द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत साफ-सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन नगर पंचायत भीरा में यह अभियान सिर्फ कागजों तक सिमट कर रह गया है। यहां नालियों की सफाई न होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है।

नगर पंचायत को साफ-सफाई और विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपये का बजट मिलने के साथ करीब 80 सफाई कर्मचारियों की तैनाती भी बताई जाती है, लेकिन इसके बावजूद हालात बदतर बने हुए हैं। नालियों में गंदगी भर जाने के कारण पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर फैल रहा है।

जिला पंचायत इंटर कॉलेज मार्ग पर नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से छात्र-छात्राओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते अज्ञात बुखार, खांसी, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। वहीं मुख्य चौराहे से बाजार जाने वाली सड़क और मैलानी रोड की नालियां भी गंदे पानी से लबालब हैं। यहां उठती बदबू और मच्छरों के प्रकोप से स्थानीय लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। शासन स्तर से बरसात से पहले नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन भीरा नगर पंचायत में इनका पालन होता नहीं दिख रहा है।

> मामले की जानकारी मुझे नहीं है। यदि कहीं नालियां गंदी पड़ी या चोक हैं, तो उनकी साफ-सफाई कराई जाएगी।
> -**डीके शुक्ला**, ईओ।

सड़कों पर बहता गंदा पानी ही इसकी हकीकत बयां कर रहा है।इस मामले में समाजसेवी नरेश गुप्ता, रिंकल जैन, अनुज गोयल और ओपी श्रीवास्तव ने अधिशासी अधिकारी डीके शुक्ला से नालियों की जल्द सफाई कराने और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों पर रोक लगाने की मांग की है।

भाजपाइयों ने चलाया स्वच्छता अभियान

हैदराबाद गांव के मंदिर पर सफाई करते भाजपाई। ● अमृत विचार

बिलहरी, अमृत विचार: ग्राम, बस्ती संपर्क अभियान के निमित्त हैदराबाद गांव में घर घर संपर्क अभियान के तहत आमजन से संवाद कर योगी सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि मैलानी नगर पंचायत की अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी, मंडल महामंत्री मिथलेश मिश्रा, रमन सोनी, सुमित अवस्थी, सुनीत मिश्रा, पूर्व प्रधान प्रमोद वर्मा उर्फ शेरू, सतेंद्र सोनी ने हैदराबाद में पारस नाथ मंदिर पर सफाई कर, डोर टू डोर संपर्क किया। कीर्ति माहेश्वरी ने कहा कि जनता का समर्थन सिद्ध करता है कि प्रदेश विकास, सुशासन एवं जनसेवा के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। पदाधिकारियों ने वरिष्ठ जनों को पटका पहनाकर सम्मानित किया।

महिला थाना में काउंसलिंग से टूटने से बचे 5 परिवार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

काउंसलिंग के दौरान महिला थाना की थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला व काउंसलर व अन्य। ● अमृत विचार

- मिशन शक्ति अभियान के तहत 15 मामलों की सुनवाई, कई जोड़ों में सुलह
- चार मामलों में सुलह न होने पर पीड़िताओं ने मुकदमा दर्ज कराने की मांग की

अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना द्वारा परिवार परामर्श कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान महिला थाना की थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला ने काउंसलरों के सहयोग से महिलाओं को जागरूक करते हुए कई पारिवारिक विवादों का समाधान कराया।

महिला थाना में प्रभारी निरीक्षक शिल्पी शुक्ला, काउंसलर नीति गुप्ता, कय्यूम जरवानी व कुसुम गुप्ता की टीम ने दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा तथा पारिवारिक विवादों से जुड़े कुल 15 प्रार्थनापत्रों पर सुनवाई की।

गहन काउंसलिंग और समझाने के बाद पांच दंपतियों के बीच सुलह कराकर उन्हें पुनः साथ विदा किया गया, जिससे उनके परिवार टूटने से बच गए। वहीं 4 मामलों में पति-पत्नी के बीच अधिक मतभेद होने के कारण दोनों पक्षों को विचार के लिए समय दिया गया। दो मामलों में प्रकरण न्यायालय में लंबित होने के चलते पक्षकारों ने न्यायालय के माध्यम से सुलह करने पर सहमति जताई। इसके अतिरिक्त चार मामलों में सुलह का प्रयास सफल न होने पर पीड़िताओं द्वारा अभियोग दर्ज कराने की मांग की गई।

इस अवसर पर महिला आरक्षी सुमन लता, बबली पवार एवं सारिका सिंह चौहान सहित पक्षकारों के परिजन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित पेंशन योजना आदि की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

ट्रांसफार्मर लगा पोल गिरा, खेत में बिखरे तार

संवाददाता, उचौलिया

- पांच दिन से बनी समस्या, विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों में रोष
- करंट से एक गाय की हो चुकी मौत, फसल के बीच खतरा

अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम तालशायर में 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन का ट्रांसफार्मर लगा पोल गिरने से हादसे की आशंका हुई है। पोल गिरने के बाद उसके तार खेत में खुले पड़े हैं, लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद विद्युत विभाग ने उसे ठीक कराने की जरूरत नहीं समझी।

करीब पांच दिन पहले आए आंधी-तूफान और बारिश के दौरान ट्रांसफार्मर लगा पोल गिर गया था। इसके बाद से बिजली के तार खेत में नंगे पड़े हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि दूसरे पोल से तारों को काटकर अलग भी नहीं किया गया है, जिससे करंट फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है। घटनास्थल के आसपास गेहूं की पकी फसल खड़ी है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। खेतों में काम करने वाले लोगों और पशुओं के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीण गिरिजेश, मोहम्मद इलियास और कीरत सिंह सहित अन्य लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही के चलते एक गाय को करंट लग चुका है।

जेई जितेंद्र कनौजिया ने बताया कि मामला संज्ञान में है मरम्मत के लिए हाइड्रा मशीन मंगाई है। जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया, लेकिन देर शाम तक कार्य शुरू नहीं हो सका।

युवक पर धारदार हथियार से हमला गंभीर घायल

निघासन, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव जोखीपुरवा मजरा लुधौरी निवासी सुनील कुमार ने बताया कि वह अपने मामा विजेंद्र सिंह के तीन बीघा खेत में मेड़ पर लगे तारों को ठीक कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही अनिल मौर्य पुत्र मैकूलाल वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर अनिल मौर्य और उसका भाई महेश मौर्य ने मिलकर सुनील पर हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने बांका और लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे उसके बाएं हाथ की उंगलियों और पंजे में गंभीर चोटें आईं, साथ ही कंधे में भी चोट लगी है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उसे जान से मारने की कोशिश की। घायल युवक ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल को अस्पताल भेजा है।

अमृत विचार अभियान

महिला चिकित्सक की मांग वर्षों से अधूरी, पेयजल संकट से मरीज परेशान, केंद्र में सुविधाएं अधूरी

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जंगबहादुरगंज में एमबीबीएस डॉक्टर का अभाव

संवाददाता, पसगवां

पीएचसी पसगवां पर मौजूद स्टाफ। ● अमृत विचार

पेयजल सुविधा बनी शोपीस।

अमृत विचार: लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) जंगबहादुरगंज में बुनियादी सुविधाओं की कमी और एमबीबीएस डॉक्टर के अभाव के कारण क्षेत्रीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में यह स्वास्थ्य केंद्र आयुष चिकित्सक के सहारे संचालित हो रहा है, जबकि यहां लंबे समय से महिला डॉक्टर की तैनाती की मांग भी अधूरी है।

करीब 10 बेड की क्षमता वाले इस पीएचसी में लगभग तीन वर्षों से एमबीबीएस डॉक्टर का पद रिक्त है। यहां आयुष चिकित्सक डॉ. रमाकांत वर्मा (बीएचएमएस) नियमित रूप से सेवाएं दे रहे हैं, जिनकी उपस्थिति के चलते ओपीडी में प्रतिदिन औसतन 90 मरीजों का इलाज हो रहा है, जो सीजन में 150 तक पहुंच जाता है। स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ की उपलब्धता संतोषजनक है। यहां फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय, लैब टेक्नीशियन, स्वीपर, एएनएम, दो स्टाफ नर्स और एक एलएचवी तैनात हैं। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है तथा टीबी, मलेरिया, डेंगू, एचआईवी और डायबिटीज जैसी जांचें भी की जा रही हैं। रैबीज इंजेक्शन और प्रसव की सुविधा भी उपलब्ध है, लेकिन महिला चिकित्सक के अभाव में प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

> हैंडपंप की मरम्मत के लिए पत्राचार किया गया है और शीघ्र ही समस्या का समाधान कराया जाएगा। आरओ की टंकी क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलने पर उसे भी ठीक कराया जाएगा। -**डॉ. अश्वनी वर्मा**, अधीक्षक सीएचसी पसगवां।

दो वर्ष से खराब इंडिया मार्का हैंडपंप

पीएचसी में पेयजल की समस्या गंभीर बनी हुई है। जिला पंचायत द्वारा लगवाई गई पानी की टंकी और फ्रीजर उपयोग में नहीं हैं। एकमात्र इंडिया मार्का हैंडपंप पिछले दो वर्षों से खराब पड़ा है, जिसकी मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है। स्वास्थ्य विभाग का आरओ तो स्थापित है, लेकिन उससे जुड़ी टंकी क्षतिग्रस्त होने के कारण उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। फिलहाल समर बोरिंग से पानी भरकर काम चलाया जा रहा है।

हाईवे पर होने के बावजूद सुविधाओं का अभाव

हरदोई जिले की सीमा से सटे इस पीएचसी पर करीब 20 हजार की आबादी वाले जंगबहादुरगंज सहित लगभग 50 गांवों के लोग निर्भर हैं। नेशनल हाईवे पर स्थित होने के कारण यहां दुर्घटना के मामले भी आते हैं, लेकिन एमबीबीएस डॉक्टर के अभाव में गंभीर मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पसगवां रेफर करना पड़ता है। पीएचसी में मौजूद सीबीसी जांच मशीन ठीक से कार्य नहीं कर रही है, जबकि ओटी कक्ष डॉक्टर के अभाव में उपयोग में नहीं आ पा रहा है। कंप्यूटर सिस्टम भी चालू हालत में नहीं है, जिससे स्वास्थ्य कर्मियों को डेटा एंट्री का कार्य मोबाइल से करना पड़ रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की कमी है। साथ ही पेयजल की समस्या से काफी परेशानी होती है। विशेषज्ञ डॉक्टर भी मिल जाएं तो इलाज के लिए तहसील अथवा जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। -**गुड्डी देवी**, गांव बरखेरिया जाट।

जब भी बीमार होती हैं तो यहीं से दवा ले जाती हैं। अस्पताल से ही दवाई मिल जाती है। साथ ही स्टाफ से भी कोई शिकायत नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टर की कमी और पानी की समस्या का समाधान जरूरी है। -**अनामिका भारती**, गांव भोगीपुर सेवाराम।

न्यूज ब्रीफ

झोपड़ी में लगी आग बुजुर्ग की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बिछौली गांव निवासी पूसेराम (65) पुत्र सुमेर की बाग में बनी झोपड़ी में दस अप्रैल को खाना बनाते समय अचानक आग लग गये। घटना के समय उनकी पत्नी फूलन देवी चूल्हे पर खाना बना रही थीं, तभी आग फैल गई और बीमारी के चलते चारपाई पर लेटे पूसेराम इसकी चपेट में आ गए। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पूर्व प्रधान ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई थी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से आग से झुलसे पूसेराम को सीएचसी निगोही लाया गया, जहां डॉ. ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी पूसेराम की हालत में सुधार नहीं आया तो उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। इसके बाद शनिवार रात 12 बजे पूसेराम की मौत हो गई।

ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव चांदापुर निवासी जुगेन्दर ने बताया कि शुक्रवार सुबह उसका चार साल का पोता रिवांश घर के बाहर लघुशंका कर रहा था। गांव के आदेश ने तेज गति से ट्रैक्टर-ट्राली को बैक किया, जिससे उसके पोता की दबकर मौत हो गई। पुलिस ने चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किसी और से शादी करने पर युवती को धमकी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सेहरामऊ दक्षिणी के गांव बीबीपुर निवासी एक व्यक्ति ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि गांव का राधेश्याम उसकी पुत्री के साथ छेड़छाड़ करता है। 10 अप्रैल को आरोपी ने उसे और उसकी पुत्री को गालियां दी तथा एक लेटर दिया। लेटर लिखा था कि पुत्री की शादी किसी और के साथ की तो जान से मार डालेंगे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाई-बहन को लाठी डंडों से पीटा

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम गुदाह निवासी रमा देवी पत्नी रामऔतार वर्मा ने बताया कि उसका भाई बृजेश ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर घर आ रहा था, तभी रास्ते में गांव के कुछ लोगों ने उसे रोककर गाली-गलौज की और लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। बताया कि बृजेश जान बचाकर ट्रैक्टर छोड़कर घर भाग आया, तो हमलावर वहां भी पहुंच गए और मारपीट की। रमा देवी बचाने पहुंची तो उसे भी पीटकर घायल कर दिया।

शारदा नदी पार करते समय डूबा ग्रामीण, लापता

साप्ताहिक बाजार से सामान खरीदकर घर लौटते वक्त हुआ हादसा, देर शाम तक चला सर्च ऑपरेशन

संवाददाता, खमरिया

शारदा नदी में तलाश करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

- पीएसी फ्लड यूनिट और गोताखोर जुटे, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अमृत विचारः साप्ताहिक बाजार से सामान खरीद कर घर वापस लौट रहा एक 55 वर्षीय ग्रामीण नदी पार करते समय शारदा नदी में डूब गया। इससे उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर परिजनों समेत तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर उसकी तलाश कराई। सफलता न मिलने पर पीएसी फ्लड यूनिट की टीम टीम नदी में उतरी और उसकी देर शाम तक तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका है।

थाना खमरिया क्षेत्र के ग्राम समदहा निवासी मायाराम (55) पुत्र अशर्फी शनिवार शाम गुलरिया बाजार से घरेलू सामान खरीदकर अपने गांव लौट रहे थे। रोजाना की तरह वह शारदा नदी पार कर घर पहुंचने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन इस दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चले गए। तेज बहाव और गहराई के चलते वह देखते ही देखते नदी में डूबकर लापता हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के समय कुछ ग्रामीण भी आसपास मौजूद थे। जैसे ही मायाराम के डूबने की सूचना मिली, लोगों ने शोर मचाते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की। कुछ युवक नदी में उतरे भी, लेकिन पानी का तेज बहाव और गहराई अधिक होने के कारण कोई सफलता नहीं मिल सकी। कुछ ही क्षणों में मायाराम आंखों से ओझल हो गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना परिवार वालों और पुलिस को दी गई।

घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही खमरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कराया। साथ ही पीएसी की फ्लड यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया। गोताखोरों के साथ नदी में उतरी टीम ने नदी में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन अंधेरा होने पर अभियान रोक दिया गया। रविवार की सुबह एक बार फिर प्लड यूनिट की टीम और गोताखोर नदी में उतरे और करीब तीन किलोमीटर के दायरे में उसकी खोजबीन की, लेकिन दूसरे दिन भी शाम तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश राय ने बताया कि नदी के दोनों किनारों पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों की मदद से नजर रखी जा रही है। साथ ही प्लड यूनिट की टीम भी उसकी तलाश कर रही है।

परिजनों में कोहराम, क्षेत्र में शोक की लहर

शारदा नदी पर पुल न होने के कारण समदहा और आसपास के लोगों को जान जोखिम में डालकर नदी के उस पार रोज जरूरत की चीजों को लेने आना-जाना पड़ता है। ग्रामीण काफी अर्से से इस पर पुल बवनाए जाने की मांग भी कर रहे हैं। उधर डूबे मायाराम का कोई पता न लगने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम का माहौल छा गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द लापता व्यक्ति को खोजने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि शारदा नदी के इस हिस्से में कोई पक्का पुल या सुरक्षित पार होने की व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते लोगों को रोजाना जोखिम उठाकर नदी पार करनी पड़ती है। बरसात या पानी का स्तर बढ़ने के समय यह खतरा और बढ़ जाता है। कई बार इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

एसडीएम ने लिया बचाव कार्य का जायजा

घटना की जानकारी मिलते ही धौरहरा एसडीएम शशिकांत मणि भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस और पीएसी टीम को निर्देश दिए कि सर्च ऑपरेशन को और तेज किया जाए तथा हर संभव प्रयास कर लापता व्यक्ति का पता लगाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी लगाए जाएंगे।

साधना सप्ताह में 5901 कार्मिक बने एआई दक्ष

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- डिजिटल प्रशिक्षण में दिखा उत्साह, लखनऊ मंडल के 6 जिलों में चला अभियान

अमृत विचारः शासन की पहल पर डिजिटल दक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित साधना सप्ताह में माध्यमिक शिक्षा विभाग के कार्मिकों ने भाग लेते हुए एआई प्रशिक्षण में उपलब्धि हासिल की। इस अभियान के तहत लखीमपुर खीरी समेत लखनऊ मंडल के सभी जिलों में कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कर खुद को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया।

लखनऊ मंडल के विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि आईजीओटी मिशन कर्मयोगी पोर्टल के तहत 2 से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित साधना सप्ताह में मंडल के 6 जिलों लखीमपुर खीरी, लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और हरदोई के माध्यमिक शिक्षा विभाग के कुल 5901 कार्मिकों ने एआई दक्ष बैज अर्जित किया। प्रतिभागियों ने न्यूनतम 4 घंटे या उससे अधिक ऑनलाइन कोर्स पूर्ण किए। उन्होंने बताया कि संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार और उप शिक्षा निदेशक रेखा दिवाकर के निर्देशन में सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत कार्मिकों को एआई दक्ष बनाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इसे अभियान के रूप में चलाया गया। जिला विद्यालय निरीक्षकों ने अपने जनपदों में कार्मिकों को मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर उपलब्ध साधना सप्ताह सहित अन्य ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। इसके सकारात्मक परिणाम आए और बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर डिजिटल क्षमता को मजबूत किया। बताया कि शिक्षा भवन माध्यमिक में कार्यरत सभी कार्मिकों ने शत-प्रतिशत एआई दक्षता बैज और प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों ने कर्मचारियों से अपील की है कि वे नियमित रूप से ऑनलाइन कोर्स करते रहें।

पिकअप पलटने से चालक घायल

संवाददाता, भानपुर

लखीमपुर-पलिया मार्ग पर पलटी पड़ी पिकअप।

- लखनऊ से पलिया जा रहा था वाहन

अमृत विचारः लखीमपुर-पलिया मार्ग पर थाना भीरा क्षेत्र में बरम बाबा सेंटर के पास एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। यह पिकअप वॉशिंग मशीन लेकर लखनऊ से पलिया जा रही थी। इस दुर्घटना में पिकअप का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा रविवार की सुबह करीब 5 बजे हुआ। लखनऊ से एक पिकअप वाशिंग मशीनों को भरकर पलिया जा रही थी। बरम बाबा सेंटर के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इससे पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई और चालक दीपक (37) उसी में फंसकर घायल हो गया।

राहगीरों और आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत कर चालक को जैसे-तैसे बाहर निकाला और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे का कारण चालक को झपकी आना माना जा रहा है। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अस्पताल पहुंचकर घायल का हाल जाना।

संदिग्ध हालात में महिला का शव मिला

पसगवां, अमृत विचारः जंगबहादुरगंज निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि शनिवार शाम जब वह घर लौटा तो उसकी पत्नी माधुरी का शव फंदे से लटका हुआ मिला। उसने तत्काल घटना की सूचना मृतका के मायके वालों को दी। मौके पर पहुंचे मृतका के भाई अमर ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बहन की शादी करीब एक वर्ष पहले ही हुई थी और ससुराल पक्ष के लोग उसे प्रताड़ित करते थे। उसका आरोप है कि अरविंद कुमार ने उसकी बहन की हत्या कर शव को लटका दिया, ताकि इसे आत्महत्या का रूप दिया जा सके। बताया जा रहा है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही शव को फंदे से नीचे उतार लिया गया था, जिससे मामले की परिस्थितियां और संदिग्ध हो गई हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। चौकी प्रभारी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण चल सकेगा।

मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता, केशवापुर

भुड़वारा में उग्र परिवारियों और ग्रामीणों को समझाती पुलिस। ● अमृत विचार

मृतक बंशीलाल।

- गांव भुड़वारा में मजदूरी पर गन्ना की बुवाई करने के लिए गये थे बंशीलाल
- परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, नहीं किया अंतिम संस्कार

अमृत विचारः गोला कोतवाली क्षेत्र के भुड़वारा गांव में मजदूरी पर गन्ना बुबाई कराने गये मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है, जिसका शव लक्ष्मणजती गांव के पास मिला है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए अंतिम संस्कार करने से मना किया। परिजन आरोपियों पर मुकदमा और गिरफ्तारी पर अड़े हैं। मामला दो समुदायों के बीच होने से गांव में भारी संख्या में पुलिसबल तैनात किया गया है।

भुड़वारा गांव निवासी बंशीलाल (38) पुत्र छोटेलाल शनिवार सुबह सात बजे गांव के ही अब्दुल सलाम, अब्दुल कलाम के खेत में मजदूरी पर गन्ना बोने गया था। शाम तक घर वापस न आने पर परिजनों ने काफी खोजबीन की, किंतु कोई पता नहीं चला। खेत मालिक भी संतोषजनक जवाब न देकर बताते रहे कि बंशी किसी को बिना बताये कहीं चले गये। परिजन तलाश कर रहे थे, तभी अब्दुल सलाम के गन्ना कटे खेत से शनिवार रात नौ बजे संदिग्ध हालात में मजदूर बंशीलाल का शव मिला। परिजनों की मौजूदगी में गोला पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा था।

रविवार दोपहर 3.30 बजे मृतक बंशीलाल का शव भुड़वारा गांव पहुंचा। एकत्र परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से मना किया। परिजनों ने आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा व आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं, जिससे रविवार शाम तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो पाया। घटना दो समुदायों के बीच होने से गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। गोला प्रभारी निरीक्षक अम्बर सिंह और हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील कुमार मलिक मय फोर्स के गांव में मौजूद हैं। पुलिस बंशीलाल की मौत दिल का दौरा पड़ने से होना बता रही है, जबकि परिजन शरीर पर चोटें होने का दावा कर रहे हैं।

तीन भाइयों में सबसे बड़े थे बंशीलाल

मृतक बंशीलाल अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। मृतक की पत्नी संगीता देवी (34), बेटा ओमकार (14) ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की है। बंशीलाल के पास मात्र एक बीघा खेती की जमीन है। यह आरोपियों के यहां मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते थे।

बंशीलाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हृदयाघात शाक के कारण मौत होने की पुष्टि हुई है। परिजनों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में विधिक कार्रवाई की जायेगी। -**रमेश कुमार तिवारी**, सीओ गोला।

नदी किनारे बनाए जा रहे थे असलहे, दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- थाना खमरिया पुलिस ने एसओजी टीम के साथ की कार्रवाई

अमृत विचारः जनपद में तमंचों और पिस्टलों की बरामदगी के बाद पुलिस हरकत में है। थाना खमरिया पुलिस ने एसओजी टीम के साथ नदी किनारे छापामारी कर एक झोपड़ी में असलहा बनाते दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से कई बने व अधबने तमंचे और भारी मात्रा में असलहा बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

खमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम लुधौनी से करीब एक किलोमीटर दूर शारदा नदी किनारे छप्पर डालकर अवैध असलहे बनाए जा रहे थे। इसकी सूचना पर खमरिया पुलिस ने एसओजी टीम के साथ मौके पर दबिश दी। टीम ने जमील उर्फ भुर्जी निवासी भदमरा थाना रेउसा जनपद सीतापुर और रोज अली निवासी ग्राम गंगान थाना ईसानगर को असलहा बनाते गिरफ्तार कर लिया और मौके से 4 तमंचा 315 बोर, 5 तमंचा 12 बोर, 4 तमंचा बाड़ी, 9 लोहे की नाल 315 बोर, कई ट्रिगर समेत भारी मात्रा में शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए। प्रभारी निरीक्षक खमरिया ओपी राय ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से अवैध असलहे बनाकर सप्लाई कर रहे थे।

मुख्य आरोपी जमील उर्फ भुर्जी के खिलाफ करीब 8 मुकदमे पहले से दर्ज हैं, जबकि रोज अली पर तीन मुकदमे दर्ज हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

अजान कस्बे में बेलगाम हुए ई-रिक्शा

संवाददाता, केशवापुर

अजान में सड़क पर खड़े ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

- बिना लाइसेंस और फिटनेस नाबालिगों के हाथ में स्टेयरिंग

अमृत विचारः थाना हैदराबाद क्षेत्र की अजान चौकी के अंतर्गत अजान कस्बे की सड़कों पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। यहां सैकड़ों ई-रिक्शा बिना ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र और परिवहन विभाग के तय मानकों को पूरा किए बगैर फर्राटा भर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि अजान चौकी पुलिस सब कुछ जानकर भी इन ई रिक्शा चालकों पर कार्रवाई से बच रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि ई रिक्शा चालक मेन रोड पर सड़क के किनारे ही रिक्शा खड़ा कर सवारियां भरते हैं। सड़क किनारे रिक्शा खड़े होने से बाइक और कार सवारों को साइड लेने में भारी दिक्कत होती है। इसके चलते आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है। इसी अव्यवस्था के कारण कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

सबसे खतरनाक बात यह है कि यह ई रिक्शा चालक बिना साइड या इंडिकेटर दिए अचानक रिक्शा मोड़ देते हैं, जिससे पीछे से आ रहे दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक हादसे का शिकार हो जाते हैं। कई बार इसी बात को लेकर कहासुनी और मारपीट की नौबत भी आ जाती है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब कई ई रिक्शा की कमान नाबालिगों के हाथ में पहुंच गई है। नाबालिग चालक लापरवाही से अनियंत्रित गति से ई-रिक्शा दौड़ा रहे हैं, जिससे लोगों की जान जोखिम में है। इसके अलावा कई ई रिक्शा पर नंबर प्लेट ही नहीं लगी है। बिना नंबर वाले इन ई रिक्शा चालकों को पुलिस का भी कोई खौफ नहीं है और वे खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

मंगलवार से ई रिक्शा चेकिंग अभियान शुरू किया जायेगा, जो भी ई रिक्शा वैध होंगे वही चलेंगे, जो अवैध होंगे उन्हें चलने नहीं दिया जायेगा। -**अशोक सिंह**, चौकी प्रभारी अजान।

बंदरों के हमले में रिटायर्ड अभियंता समेत दो घायल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- 15-20 बंदरों के झुंड ने घर में बोला हमला, अस्पताल में कराया इलाज
- शहर में बढ़ते हमलों से दहशत, बच्चों-बुजुर्गों की सुरक्षा पर संकट

अमृत विचारः शहर में बढ़ते बंदरों के हमले से शहरवासी काफी परेशान हैं। तमाम शिकायतों के बाद भी न तो वन विभाग ध्यान दे रहा है और न ही नगर पालिका इन्हें पकड़ने के लिए कोई कारगर कदम उठा रही है। बंदरों ने हमला कर रिटायर्ड अभियंता और सिंचाई विभाग के जेई को हमला कर जख्मी कर दिया।

शहर के मोहल्ला मिश्राना, नई बस्ती, काशीनगर समेत कई मोहल्लों में बंदरों का आतंक काफी चरम पर है। वह राह चलते लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर देते हैं। बिजली विभाग से सेवानिवृत अधिशाषी अभियंता मोहल्ला काशी नगर निवासी श्याम बिहारी लाल सुबह अपने घर के बाहर निकले थे। इसी दौरान करीब 15 से 20 बंदरों के झुंड ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से वह संभल नहीं पाए और गिर पड़े, जिसके बाद बंदरों ने उन्हें काट लिया और पंजों से घायल कर दिया। हमले में उनके पैर में गहरी चोटें आईं और खून बहने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बंदरों को भगाया। इसके बाद घायल अवस्था में उन्हें जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनके पैर में टांके लगाए और एंटी-रेबीज इंजेक्शन दिया। उधर मोहल्ला नई बस्ती निवासी उमेश चंद सैनी ने बताया कि वह शाहजहांपुर में सिंचाई विभाग में जेई के पद पर कार्यरत हैं। अवकाश होने के कारण घर आए थे। रविवार की सुबह वह अपनी दूसरे मंजिल पर स्थित कमरे से बाहर निकले और जैसे नीचे आने के लिए जीने के पास पहुंचे। इसी बीच बंदरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया और कई जगह काट लिया। शहर में लगातार हो रही घटनाओं से मोहल्लों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदर झुंड बनाकर गलियों और छतों पर घूमते रहते हैं और अचानक लोगों पर हमला कर देते हैं। कई बार वे घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान ले जाते हैं। सबसे ज्यादा खतरा छोटे बच्चों और बुजुर्गों को है, जो खुद का बचाव नहीं कर पाते। स्कूल जाने वाले बच्चे भी डर के साए में घर से निकलते हैं। इस समस्या की शिकायत कई बार नगर पालिका परिषद और प्रशासन से की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने मांग की है कि बंदरों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और प्रभावित मोहल्लों में तत्काल टीम भेजी जाए।

27 साल बाद सजी यादों की महफिल, पूर्व छात्रों का मिलन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

कार्यक्रम में शामिल पूर्व छात्र, छात्राएं व स्कूल स्टॉफ व अन्य। ● अमृत विचार

- 1998-99 बैच का भव्य एलुमनाई मीट, गुरुजनों का हुआ सम्मान
- हंसी-खुशी और यादों के बीच साथियों ने साझा किए पुराने पल

अमृत विचारः शहर के कुंवर खुशवक्त राय शिशु विद्यालय का परिसर शनिवार को उस समय भावनाओं और यादों से भर उठा, जब वर्ष 1998-99 बैच के पूर्व छात्र-छात्राओं ने 27 वर्षों बाद एक भव्य एलुमनाई मीट का आयोजन किया।

यादों को फिर से जोड़ना थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुराने साथियों और गुरुजनों का मिलन हुआ, जिसने सभी को बीते सुनहरे दिनों में पहुंचा दिया।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे पूर्व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जैसे ही वर्षों बाद सहपाठी एक-दूसरे से मिले, माहौल खुशी और भावुकता से भर गया। कई प्रतिभागी अपने पुराने दोस्तों को पहचानने और उनसे गले मिलने के दौरान भावुक हो उठे। इस अवसर पर पूर्व शिक्षकों को विशेष रूप से आमंत्रित कर मंच पर सम्मानित किया गया।

गुरुजनों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए पूर्व छात्रों ने अपने जीवन में उनके योगदान को याद किया, जिससे माहौल बेहद भावुक हो गया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाट्य मंचन और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से स्कूल के दिनों की यादें ताजा हो गईं। पुराने किस्सों, शरारतों और अनुभवों को साझा करते हुए सभी ने जमकर हंसी-मजाक किया और एक-दूसरे के साथ बिताए पलों को फिर से जिया।

इस दौरान दिवंगत साथियों और शिक्षकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। पूर्व छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए एक-दूसरे से जुड़े रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक फोटो सेशन के साथ इस यादगार आयोजन का समापन हुआ। सभी ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने और आपसी संबंधों को बनाए रखने का भरोसा जताया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक विजय गुप्ता, प्रधानाचार्य भारती जायसवाल, पूर्व शिक्षक मोनी रस्तोगी, निहारिका गुप्ता, विशाल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पूर्व छात्र-छात्राएं और शिक्षक मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक कार से टकराई, युवक घायल

संवाददाता, बेहजम

- हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर

अमृत विचारः नीमगांव थाना क्षेत्र के बेहजम-ओयल मार्ग पर रविवार को एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर कार से टकरा गई, जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में कार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

बसारा गांव निवासी रामस्वरूप पुत्र श्याम सुंदर बाइक से बेहजम की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह धवरपुर गांव के पास पहुंचे, उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रही कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी और घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल ओयल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि घायल युवक फर्नीचर बनाने का काम करता है और उसी सिलसिले में बेहजम जा रहा था। वहीं, कार चालक जितेंद्र कुमार निवासी भूलनपुर है, जो अपने गांव लौट रहे थे। पुलिस चौकी प्रभारी संदीप यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

खाई में पलटी कार चालक गंभीर

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला ग्यासपुर के रहने वाले रिजवान पुत्र अकिल शनिवार दोपहर बाद परिचित से कार मांगकर शाहजहांपुर काम से गए थे। देर रात वापस आते वक्त शाहजहांपुर रोड पर ग्राम रोहनिया मजार के पास पहुंचते ही पहिया गड्ढे में जाने के बाद कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे में रिजवान घायल हो गए। आनन-फानन में 108 एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे की सूचना जानकारी बीसलपुर कोतवाली पुलिस को दे दी गई है।

युवती ने दौड़ाई बाइक कटा चालान

बरेली, अमृत विचार : रील बनाने का बढ़ता क्रेज युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। रेलवे ट्रैक के बाद अब कैंट की सड़कों पर भी नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। बिना हेलमेट तेज रफ्तार बाइक दौड़ाती युवती का वीडियो वायरल हो रहा है। वह एक हाथ से ही बाइक चला रही है। वीडियो वायरल हुआ तो ट्रैफिक पुलिस का भी ध्यान गया। ट्रैफिक पुलिस ने बाइक का एक हजार रुपये का ऑन लाइन चालान किया है। इससे पहले गुरुवार को रेलवे ट्रैक पर जान जोखिम में डालकर युवती का डांस का वीडियो वायरल हो रहा था। युवती ने माफी मांगी तो वह पुलिस कार्रवाई से बच सकी। रील बनाने के चक्कर में जिले में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें युवाओं की जान तक जा चुकी है।

कार्रवाई के लिए परिवार ने नहीं दी पुलिस को तहरीर

बरेली, अमृत विचार : ऑटो में जबरन बैठकर छेड़खानी और छात्रा को अगवा करने के मामले में पीड़ित परिवार डरा सहमा है। बदनामी के डर से पुलिस से शिकायत नहीं कर रहा है। हालांकि पुलिस घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज के जरिए मामले की जांच कर रही है। शनिवार की दोपहर स्कूल से लौटते समय छात्रा को ऑटो चालक ने जबरन ऑटो में बैठा लिया था। छेड़खानी की और अगवा करने का प्रयास भी किया। छात्रा के शोर मचाने पर उतारकर भाग गया। बताया जाता है वहां लकड़ी बीन रहे लड़कों ने ऑटो चालक का वीडियो बनाया और इन्हीं लड़कों ने छात्रा को गांव छोड़ा। रविवार को हिंदू संगठन के लोग छात्रा के घर पहुंचे। छात्रा के परिजनों ने कानूनी कार्रवाई से मना कर दिया। हालांकि पुलिस अपने स्तर से आस-पास में लगे सीसीटीवी को चेक कर रही है।

पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा पति बोला- मैंने मार दी

संभल के रजपुरा के सिंघोली कल्लू गांव में रॉड से पीटकर ली जान, एक साल पहले बदायूं की ज्योति से हुई थी दुर्गेश की शादी

कार्यालय संवाददाता, संभल/रजपुरा

अमृत विचार: संभल के रजपुरा के गांव सिंघोली कल्लू में पति-पत्नी के बीच कई दिनों से चल रहे विवाद के बाद पति ने पत्नी की रॉड से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद पति घर में ताला लगाकर थाने पहुंच गया और जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस को कमरे की चाबी सौंपकर कहा कि मैने पत्नी को मार डाला है यह लो कमरे की चाबी वहां लाश पड़ी है जाकर देख लो।

गांव सिंघोली कल्लू निवासी दुर्गेश कुमार की शादी करीब एक साल पहले बदायूं के जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव विजयगढ़ी निवासी केवल सिंह की बेटी ज्योति प्रजापति (22) से हुई थी। शादी के बाद दोनों गांव के बाहर खेत में बने मकान में रह रहे थे। दुर्गेश का बाकी परिवार गांव के अंदर रहता है। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ दिनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार को दोनों में कहासुनी बढ़ गई। लगभग 11:30 बजे दुर्गेश ने पत्नी ज्योति को कमरे में बंद कर लिया और रॉड से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। कई वार से ज्योति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हत्या के बाद दुर्गेश ने घर के दरवाजे पर ताला लगाया और रजपुरा थाने पहुंच गया। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को चाबी देते हुए उसने कहा, मैंने पत्नी की हत्या कर दी है, जाकर देख लो। आरोपी की यह बात सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए।

थाना प्रभारी संदीप चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। ताला खुलवाया तो अंदर ज्योति का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। पूरा कमरा खून से सना था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की जानकारी गांव के लोगों को तब हुई, जब पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के अनुसार, दुर्गेश अपने खेत में बने मकान में पत्नी के साथ अलग रह रहा था। उसके पिता दिल्ली में रिक्शा चलाते हैं, जबकि मां और अन्य परिजन गांव में रहते हैं।

पुलिस दुर्गेश को हिरासत में लेने के बाद उससे पूछताछ कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने बताया कि पत्नी ज्योति की हत्या करने के बाद दुर्गेश ने खुद थाने पर पहुंचकर अपना जुर्म कबूला है। घटना के पीछे विवाद की बात सामने आ रही है।

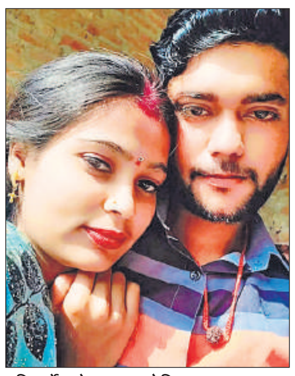

पति दुर्गेश के साथ ज्योति।

घटना के बाद घर में पड़ताल करती रजपुरा पुलिस। ● अमृत विचार

चार माह पहले हुआ था विवाद, मायके चली गई थी ज्योति

मनोज यादव, अमृत विचार : सिर्फ एक साल पहले ही ज्योति ने नए जीवन की शुरुआत की थी। बदायूं के विजयगढ़ी गांव से विदा होकर वह बड़े अरमानों के साथ ससुराल आई थी, लेकिन किसे पता था कि उसका यह नया सफर इतने दर्दनाक तरीके से खत्म हो जाएगा। परिजनों के अनुसार ज्योति हंसमुख स्वभाव की थी। शादी के बाद वह पति दुर्गेश के साथ खेत पर बने मकान में रह रही थी। हालांकि दोनों का रहन-सहन गांव से अलग होने के कारण उनके घरेलू हालात की ज्यादा जानकारी किसी को नहीं हो पाती थी। ग्रामीणों का कहना है कि ज्योति और उसके पति के बीच कभी-कभार विवाद की बातें जरूर सुनने को मिलती थीं। करीब चार महीने पहले भी मामला इतना बढ़ गया था कि गांव के लोगों ने हस्तक्षेप कर पंचायत कराई थी। उस समय ज्योति अपने मायके चली गई थी, लेकिन बाद में पंचायत के बाद उसके पिता ने उसे समझा कर दोबारा ससुराल भेज दिया था। रविवार को हुई इस निर्मम हत्या ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग स्तब्ध हैं। हर किसी के मन में यही सवाल है कि आखिर ऐसा क्या हुआ। मायके पक्ष में भी मातम का माहौल है। परिवार को अब भी यकीन नहीं हो रहा कि जिस बेटी को उन्होंने हंसी-खुशी विदा किया था, वह अब इस दुनिया में नहीं रही। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दुर्गेश ने की थी पोस्ट, भाई पता नहीं लोग इन्हें कैसे मार लेते हैं, देखना ये मारने लायक है

संजीव वार्ष्णेय, अमृत विचार : पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाले दुर्गेश की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने वारदात को संदिग्ध और साजिशन बनाने की आशंका को मजबूत कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दुर्गेश पेशे से शादी-विवाह में हलवाई कारीगर है। पुलिस का कहना है कि दुर्गेश साइको लगता है। एक माह पहले 13 मार्च को दुर्गेश ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पत्नी के साथ एक फोटो पोस्ट की थी। इस पोस्ट में बोला था कि - ''भाई पता नहीं लोग इन्हें कैसे मार लेते हैं? देखना ये मारने लायक है। इस पोस्ट के वायरल होने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या आरोपी ने पहले ही हत्या की मानसिक तैयारी कर ली थी। थाना प्रभारी संदीप चौधरी के अनुसार सोशल मीडिया पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस अब हत्या के पीछे संभावित साजिश और पूर्व नियोजित एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी दुर्गेश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही, उसके मोबाइल और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी गहन जांच की जा रही है।

शराब पीकर अभद्रता करने में नवाबगंज इंस्पेक्टर निलंबित

बरेली, अमृत विचार : नवाबगंज थाने में तैनात इंस्पेक्टर क्राइम को शराब के नशे में अभद्रता करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने थाने के अंदर ही भाजपा बूथ अध्यक्ष के साथ गाली-गलौज की, जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की गई थी।

शनिवार की देर शाम भाजपा के बूथ अध्यक्ष देवेंद्र किसी काम से थाने गए थे। वहां इंस्पेक्टर क्राइम जयपाल सिंह बैठे हुए थे। आरोप है कि वह शराब के नशे में धुत थे। देवेंद्र से बातचीत के दौरान इंस्पेक्टर ने उनके साथ अभद्रता की और गाली गलौज पर उतर आए। यह देखकर थाने में और भी लोग जुट गए। इंस्पेक्टर ने देवेंद्र को गंभीर परिणाम भुगतने की बात भी कही। इसकी शिकायत वहां के नेताओं ने एसएसपी अनुराग आर्य से की। इसके बाद एसएसपी ने उन्हें रविवार की दोपहर निलंबित कर दिया। एसएसपी ने बताया कि जयपाल सिंह के विरुद्ध कार्य एवं आचरण के संबंध में शिकायत मिल रही थी। जांच में उन पर लगे आरोप पुष्ट पाए गए। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। साथ ही उनकी विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

पूर्व सैनिकों की बैठक में समस्याओं पर हुई चर्चा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मासिक बैठक में पूर्व सैनिकों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं पर चर्चा कर उनके निराकरण कराए जाने, खाता संयुक्त कराए जाने की बात कही गई।

लखीमपुर रोड स्थित कुंभी ब्लॉक सभागार में रविवार सुबह प्रेम कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई पूर्व सैनिकों की बैठक में पूर्व सैनिकों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं के बारे में चर्चा करते हुए सभी से खाते को संयुक्त कराने को कहा ताकि भविष्य में होने वाली कठिनाइयों से बचा जा सके। बैठक में आगामी होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। पूर्व सैनिकों से संयम और सेवा भाव की भावना से कार्य करने, एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में दो नए सदस्य रामचरण भारती, पूर्व सैनिक लखबीर सिंह ने संगठन की सदस्यता ली। संचालन गजेंद्र प्रसाद वर्मा ने किया।

बैठक में निरंकार वर्मा, प्रेमचंद वर्मा, खगेश्वर प्रसाद, महेश, चंद्रपाल, लालबिहारी, रामचरन भारती, जगदीश जोशी, राजेंद्र प्रसाद, राम हरीश मिश्रा, लखबीर सिंह, मिथिलेश अवस्थी, कैलाश गिरि, रामसिंह, जगदेव सिंह, देवप्रकाश वर्मा, प्रेमकुमार वर्मा, राजेश्वर सिंह, कृष्ण गोपाल त्रिवेदी, वीरेंद्र कुमार मिश्रा आदि पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

गोला की बैठक में मौजूद पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

● सभी से खाते को संयुक्त कराने को कहा

160 मरीजों को मिला निःशुल्क इलाज और दवाएं

पीलीभीत, अमृत विचार: स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध अस्पताल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य सेवा यात्रा के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इस अभियान का संचालन नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) द्वारा सेवा भारती के सहयोग से किया गया, जिसमें स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। दूधिया मंदिर व दुर्गा देवी मंदिर (बरहा गांव) में आयोजित शिविर में 160 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार कराया गया। 3 टीमें लगाई गईं। निःशुल्क जांच, परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। डॉ. अरुण सिंह, डॉ. पूजा सिंधवानी ने शिविर स्थलों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

टूर्नामेंट के 5वें और छठे मैच में सेमीफाइनल में पहुंची गोला क्रिकेट अकादमी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● चैंपियंस कप सीजन-2 में रोमांचक मुकाबले

अमृत विचार: रॉयल प्रूडेंस डिग्री कॉलेज मैदान में चल रहे चैंपियंस कप सीजन-2 के मुकाबले लगातार रोमांचक होते जा रहे हैं। टूर्नामेंट के पांचवें और छठे मैच में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पांचवें मैच में कुंज पैथोलॉजी स्ट्राइकर ने मस्कुलर फिटनेस को एकतरफा मुकाबले में हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्री कुंज पैथोलॉजी स्ट्राइकर ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मस्कुलर फिटनेस की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही और मात्र 7 ओवरों में 71 रन पर सिमट गई।

कुंज पैथोलॉजी की ओर से हार्दिक सैनी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 7 विकेट झटके, जबकि प्रज्ञा वर्मा ने 2 विकेट लिए। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए हार्दिक सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टूर्नामेंट के छठे मैच में गोला क्रिकेट अकादमी ने प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए गोला क्रिकेट अकादमी ने 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाए। टीम की ओर से राज जायसवाल ने 58 गेंदों में 67 रन और अनुराग ने 31 गेंदों में 39 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। गेंदबाजी में ग्रंथ, हरमन और वर्णित ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 100 रन ही बना सकी। सिद्धेश और गुरु वंश ने 18-18 रन का योगदान दिया।

गोला क्रिकेट अकादमी की ओर से चित्रांश ने 3 विकेट और आलोक ने 2 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के दौरान श्याम मोहन श्रीवास्तव, नीरज शुक्ला, आदर्श पांडे, उत्कर्ष अवस्थी और पियूष अवस्थी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

जमीन के विवाद में कुल्हाड़ी से हमला

संवाददाता, सिंगाही

● कई लोग घायल, दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मूर्तिहा गांव निवासी गिरजेश पुत्र हरिशंकर शनिवार रात करीब 8 बजे अपने मित्र रामचंद्र के घर पर बैठे थे। इसी दौरान गांव के ही रामभजन, दामोदर और उनके साथ कुछ अन्य लोग वहां पहुंचे और जमीन को लेकर विवाद करने लगे। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि विवाद के दौरान हमलावरों ने लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

हमले में गिरजेश के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया गया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। बीच-बचाव करने आए रामचंद्र को भी पीटा गया, जिससे उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट आई है। वहीं रामचंद्र की पत्नी आरती के चेहरे पर भी हमला किया गया, जिससे वह घायल हो गईं। इस दौरान मौके पर मौजूद 13 वर्षीय कन्हैया कुमार भी झड़प की चपेट में आ गया और उसे भी चोटें आईं।

सूचना पर रामचंद्र की बहन मौके पर पहुंची। आरोप है कि दूसरे पक्ष ने उसके साथ भी मारपीट की। इससे पूरे गांव में तनाव फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात को नियंत्रण में लिया और घायलों को इलाज के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक दिलीप कुमार चौबे ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गंभीरता से जांच की जा रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स
193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल, बरेली

पत्रांक: 2341, 2341 I **निविदा सूचना** दिनांक: 27.02.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि संस्था श्री नर्मदेश्वर महादेश मन्दिर प्रबन्ध समिति पता- मो. खकरा तह. व जिला पीलीभीत पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाइन पंजीकरण हेतु आवेदन प्राप्त है शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है:-

क्र.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्री आशुतोष अग्निहोत्री पुत्र श्री सुरेश चन्द्र	अध्यक्ष
2.	श्री अमिताभ अग्निहोत्री पुत्र श्री सुरेश चन्द्र	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती रेनुका पत्नी श्री अमिताभ	सचिव
4.	श्रीमती वसुन्धरा अग्निहोत्री पत्नी श्री आशुतोष अग्निहोत्री	कोषाध्यक्ष
5.	श्री अद्वितीय अग्निहोत्री पुत्र श्री अमिताभ अग्निहोत्री	सदस्य
6.	श्री पवन विकास सक्सेना पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार सक्सेना	सदस्य
7.	श्री अनुदीत अग्निहोत्री पुत्र श्री अमिताभ अग्निहोत्री	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाश के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक 1865 /352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/2026-27 दिनांक 06.04.2026

-ई-प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना -

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग में ''मार्ग श्रेणी'' में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की कुल लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	खीरी/प्रा0खं0	एन0एच0-24 से कुतुवापुर कैनाल ब्रिज मार्ग पर बी0सी0 द्वारा नवीनीकरण	75.00	5.75	2715.00	02 माह	ए बी सी

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 15.04.2026 से 23.04.2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 23.04.2026 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 23.04.2026 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

UP - 249481 दिनांक: 09/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखीमपुर खीरी

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर।

दुधवा में जंगली हाथी की मौत, पेट पर गहरे घाव

संवाददाता, पलिया कलां

● वन विभाग आपसी संघर्ष में मौत की जता रहा आशंका

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा प्रभाग अंतर्गत दक्षिण सोनारीपुर रेंज के छोटा पलिया बीट (कक्ष संख्या-1) में एक जंगली नर हाथी मृत अवस्था में पाया गया। हाथी के पेट पर गहरे घाव के निशान मिले हैं, जिससे वन विभाग आपसी संघर्ष में मौत की आशंका जता रहा है।

दुधवा के फील्ड स्टाफ ने नियमित गश्त के दौरान हाथी को जमीन पर पड़ा देखा। पास जाकर जांच करने पर उसमें कोई हलचल नहीं मिली और उसे मृत घोषित किया गया। निरीक्षण के दौरान पेट पर गंभीर चोट के निशान पाए गए, जिससे प्रतीत होता है कि किसी दूसरे हाथी के साथ संघर्ष में यह घायल हुआ होगा।

घटनास्थल के आसपास पिछले कई दिनों से लगभग 29 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा था। माना जा रहा है कि मृत हाथी उसी दल का हिस्सा था। दुधवा पार्क सूत्रों के अनुसार यह झुंड दो दिन पहले दुधवा रेंज की सरौता बीट, नकौआ नाले के आसपास देखा गया था, जबकि मृत हाथी एक दिन पूर्व दक्षिण सोनारीपुर रेंज के अमला ताल क्षेत्र में स्वस्थ अवस्था में नजर आया था। इससे संकेत मिलता है कि उसकी मौत हाल ही में हुई है। फिलहाल, हाथी के शव का पोस्टमार्टम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड डायरेक्टर एच. राजा मोहन के निर्देश पर तीन पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा किया जा रहा है।

रीजन के दो और बस अड्डे पीपीपी माडल पर होंगे संचलित

बरेली, अमृत विचार : बरेली रीजन के दो और बस अड्डों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी माडल) पर संचालित होंगे। इसमें पीलीभीत व बदायूं बस अड्डे को शामिल किया गया है। सैटेलाइट बस अड्डे का पहले ही चयन हो चुका है। विभागीय अफसरों के अनुसार जल्द इस दिशा में काम शुरू होगा। दावा है कि यात्रियों को इन बस अड्डों पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। परिवहन निगम बरेली रीजन के सैटेलाइट बस अड्डे का पीपीपी माडल में चयन कर चुका है। गुजरात की कंपनी का चयन किया जा चुका है। कंपनी ने आधुनिक बस अड्डा और शापिंग कांप्लेक्स का 13 मंजिला ब्लू प्रिंट तैयार किया था। अब दूसरे चरण में शासन से बरेली रीजन के पीलीभीत डिपो व बदायूं डिपो को पीपीपी माडल से विकसित करने की मंजूरी दी गई है।

स्वच्छता अभियान के तहत लोगों को किया जागरूक

लक्ष्मीनगर कॉलोनी में स्वच्छता अभियान के तहत लोगों से संपर्क करते कार्यकर्ता।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: स्वच्छ भारत मिशन के तहत भाजपाइयों ने जनसंपर्क के माध्यम से रविवार को स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया।

कार्यकर्ताओं ने नगर के वार्ड नम्बर 7 लक्ष्मीनगर कॉलोनी में बाबा धर्मेश्वर नाथ मंदिर में साफ सफाई कर, गीले सूखे कचरे के पृथक्करण के लिए लोगों को प्रेरित किया। इस दौरान लोगों से डस्टबिन का उपयोग करने और आसपास सफाई बनाए रखने की अपील की। नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, पुजारी सुरेश चंद्र शुक्ला, प्रभात बाजपेई रुद्र, गोपाल गुप्ता, अमित पांडे, सत्येंद्र मिश्रा, निरंजना मिश्रा, राहुल मिश्रा, रिंकू विशाल बाजपेई, उत्कर्ष बाजपेई आदि मौजूद रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: संत रविदास व डॉ. बीआर अंबेडकर सेवा संस्थान में दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया शाखा गोला गोला द्वारा मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले की 199 वीं जयंती पर लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा किए गए कार्यों का बखान किया।

संस्थान पर मनाए गए जयंती समारोह में मंत्री रामकुमार गौतम, बराती लाल चौधरी, कांशीराम, मूलचंद मित्रा, सुरेंद्र पाल सिंह, विष्णुपल, मूलचंद गौतम, सिद्धार्थ गौतम, महेंद्र कपूर, डॉ. टीपी गौतम, डॉ. बीआर गौतम, संत कुमार एडवोकेट ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। आरके गौतम ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार प्रासंगिक हैं। देश में सामाजिक क्रांति के जनक एवं बहुजन समाज में शिक्षा की ओर चलने वाले फुले जी का स्मरण किया। विष्णु पाल ने कहा कि आज भारत के पहले शिक्षक के रूप में फुले जी का नाम आता है। तमाम विरोध के बावजूद संघर्ष कर उन्होंने स्कूल खोला। बहुजन समाज के लिए जीवन भर कठिन संघर्ष कर शिक्षित करने का काम किया। संचालन मूलचंद गौतम ने किया।

गोला में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाते लोग। ● अमृत विचार

● बीआर आंबेडकर सेवा संस्थान में किया कार्यक्रम

रामपुर में 4.88 लाख के नकली नोटों के साथ दो लोग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : पुलिस ने गंज क्षेत्र से 4 लाख 88 हजार कीमत के 200 रुपये के नकली नोटों के साथ एटा निवासी दो आरोपी राजवर्धन सिंह चौहान उर्फ आसू व चिराग सक्सेना को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से प्रिंटर सहित नोट बनाने में इस्तेमाल करने वाले उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने बताया कि थाना गंज पुलिस ने 1 अप्रैल को बिलासपुर गेट के पास से सिनवान निवासी मोहल्ला गुइयां तालाब और मिन्हाज निवासी मोहल्ला चाह मोटे कल्लन को 10,500 रुपये के नकली नोट के साथ गिरफ्तार किया था। विवेचना में राजवर्धन सिंह चौहान उर्फ आसू निवासी आगरा रोड द्वारिकापुरी थाना जिला एटा और चिराग सक्सेना निवासी कासगंज रोड मन्दाकनी पुरम थाना कोतवाली देहात जिला एटा के नाम प्रकाश में आए।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

● एटा निवासी दोनों आरोपियों से नकली नोट बनाने के उपकरण भी बरामद

उन्होंने बताया कि थाना गंज एवं एसओजी की टीम ने शनिवार को चाकू चौक से पहले आरोपी चिराग सक्सेना को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर लिया। चिराग की निशानदेही पर रविवार को क्रिस ग्रीन कॉलोनी जिला मेरठ से राजवर्धन सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से नकली नोट बनाने के उपकरण, 4,46,000 रुपये के 500 के जाली नोट, अधबने-कटे फटे 500, 200, 100 के जाली नोट कुल 42,200 रुपये जाली नोट बरामद किए। एसपी ने नकली नोटों के सौदागरों को पकड़ने वाली पुलिस को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

न्यूज ब्रीफ

आईजीआरएस रैंकिंग में रामपुर जिला फिर रहा अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की मार्च रिपोर्ट में रामपुर ने 99 .29 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। आईजीआरएस के माध्यम से जनसुनवाई, विकास कार्यों और राजस्व मामलों की नियमित निगरानी की जा रही है। मार्च रिपोर्ट में रामपुर ने 140 में से 139 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर हाथरस और बाराबंकी रहे, जिन्होंने 137-137 अंक हासिल किए। वहीं शाहजहांपुर और पीलीभीत ने पूर्णांक 140 नंबर के सापेक्ष 136 बराबर-बराबर अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं सोनभद्र, कन्नौज, अंबेडकरनगर और हापुड़ ने बराबर-बराबर 135 अंक प्राप्त कर चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा बरेली, आजमगढ़, लखीमपुर खीरी ने 134 अंक हासिल कर पांचवां स्थान प्राप्त किया। वहीं टॉप टेन जिलों में हमीरपुर, सहारनपुर, बलिया, प्रयागराज और मथुरा ने जगह बनाई है।

पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री हरिनारायण राजभर के निधन पर भाजपा नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने इसे सार्वजनिक जीवन की अपूरणीय क्षति बताते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित कई नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने कहा कि राजभर ने लंबे समय तक जनसेवा कर समाज में विशिष्ट पहचान बनाई और उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

आंबेडकर जयंती पर भाजपा देगी श्रद्धांजलि होंगे कई कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी भारत रत्न भीमराव आंबेडकर की जयंती पर विभिन्न सेवा कार्यों व कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें कृतज्ञ श्रद्धांजलि देगी। जयंती की पूर्व संध्या पर प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी सोमवार 13 अप्रैल को दोपहर 2 :30 बजे रायबरेली के बछरावां क्षेत्र स्थित ग्राम कन्नावा में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद शाम 6 बजे लखनऊ के हजरतगंज में स्थित डॉ . आंबेडकर की प्रतिमा पर 11 हजार दीप प्रज्ज्वलित कर दीपांजलि अर्पित की जाएगी। पार्टी ने इसे सामाजिक समरसता और संविधान के प्रति सम्मान का अभियान बताया है।

तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार भाजपा के पास

पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे मुख्यमंत्री योगी, जनसभाएं कर पार्टी प्रत्याशियों के लिए मांगा समर्थन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ प. बंगाल

- सीएम बोले- तुष्टिकरण, माफियाराज और कट मनी से जकड़ा है बंगाल

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोनामुखी, नंदकुमार और कांथी दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं करके तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दलों पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा के पास है। बंगाल में "खेला" अब खत्म होगा और भाजपा की सरकार बनने पर विकास की शुरुआत होगी। योगी ने कहा कि टीएमसी का मतलब ही तुष्टिकरण, माफियाराज और कट मनी बन गया है।

रविवार को तीनों जनसभाओं में भारी भीड़ उमड़ी, जहां मुख्यमंत्री योगी ने कानून-व्यवस्था, सांस्कृतिक पहचान और विकास के मुद्दों पर विपक्ष को घेरा। कहा कि तृणमूल कांग्रेस का 'मां-माटी-मानुष' का नारा अब खोखला साबित हो चुका है। आज बंगाल में मां-बहन असुरक्षित हैं, माटी घुसपैठियों के कब्जे में है और मानुष भयभीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां बांग्ला संस्कृति को कमजोर करने की कोशिश हो रही है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने बंगाल की आर्थिक स्थिति पर भी सवाल उठाए और कहा कि एक समय देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाला राज्य आज पिछड़ गया है। उद्योग बंद हो रहे हैं और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। इसके उलट उत्तर प्रदेश में बड़े उद्योगों और एमएसएमई के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति भी बंगाल जैसी थी, लेकिन अब प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है और विकास तेज हुआ है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार जहां भी बनी है, वहां हर वर्ग को सुरक्षा और विकास मिला है। उन्होंने बंगाल के मतदाताओं से अपील की कि वे भाजपा को समर्थन दें, ताकि राज्य में स्थिर और विकासोन्मुख सरकार बन सके।

पश्चिम बंगाल में आयोजित एक जनसभा के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

डेमोग्राफी पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल में वोटबैंक की राजनीति के चलते जनसंख्या संतुलन को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सीमावर्ती जिलों में अवैध घुसपैठ को लेकर उन्होंने चिंता जताई और कहा कि इससे सामाजिक ताना-बाना कमजोर हो रहा है। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो यह राज्य के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

बांग्लादेश मुद्दे पर ममता सरकार को घेरा

योगी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौन रहीं। कहा कि राज्य सरकार की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटबैंक की राजनीति के कारण संवेदनशील मुद्दों पर भी सरकार स्पष्ट रुख नहीं अपना रही है। इससे आम जनता के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

किशोरों के स्वास्थ्य को लेकर 'सूर्योदय' न्यूजलेटर की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में किशोर स्वास्थ्य जागरूकता को मजबूत करने के उद्देश्य से अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने "सूर्योदय" न्यूजलेटर (प्रथम अंक-अप्रैल 2026) का शुभारंभ किया। यह पहल राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शुरू की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ने रविवार को कहा कि किशोर देश का भविष्य हैं और उनके समग्र विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सही मार्गदर्शन बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि "सूर्योदय" न्यूजलेटर किशोरों तक सरल और सुलभ भाषा में सही जानकारी पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने इसे किशोरों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। न्यूजलेटर में पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया नियंत्रण, प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य और जीवन कौशल जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

विधानसभा गैलरी देख अभिभूत हुए रक्षामंत्री

24 वर्षों बाद विधानसभा परिसर पहुंचे राजनाथ सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और विधानसभा में दिए गए महत्वपूर्ण भाषणों के संकलन पर आधारित एक विशेष पुस्तक भी भेंट की। रक्षा मंत्री ने इस पुस्तक को उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।

करीब 24 वर्षों बाद विधानसभा पहुंचे राजनाथ सिंह ने डिजिटल गैलरी का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित विधानसभा के गौरवशाली इतिहास पर आधारित फिल्म देखी। उन्होंने इसे युवा पीढ़ी के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया।

इस दौरान उन्होंने विधानसभा परिसर में विकसित आधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिसमें हेलिकॉप्टर अनुभव, आधुनिक गलियारे और नवीन व्यवस्थाएं शामिल रहीं। उन्होंने समिति कक्ष, टंडन हाल, सुसज्जित दर्शक दीर्घा, मंडप कक्ष तथा गैलरी में प्रदर्शित महापुरुषों के चित्रों का भी अवलोकन किया। इसके अलावा नवीनीकृत मीडिया कक्ष और ऐतिहासिक भित्ति चित्रों को भी देखा। रक्षा मंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से विधानसभा तकनीकी रूप से सशक्त हुई है और जनहितकारी विधायी कार्यों के लिए एक आदर्श मंच के रूप में विकसित हो रही है।

विधानसभा पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को उनकी पुरानी फोटो दिखाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना। अमृत विचार

चंद्रशेखर की पूर्व प्रेमिका सपा के साथ 200 सभाओं की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, प्रदेश की राजनीति में उलट-पलट शुरू हो गया है। ताजा प्रकरण आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद की पूर्व प्रेमिका डॉ. रोहिणी घावरी के समाजवादी पार्टी का दामन थामने का सामने आया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद प्रदेश की सियासत में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक, सपा से जुड़ने के बाद वह प्रदेश भर में करीब 200 जनसभाएं करने की तैयारी में हैं। इन सभाओं के जरिए पार्टी संगठन को मजबूत करने और खासतौर पर युवाओं व महिलाओं तक पहुंच बनाने की रणनीति तैयार की गई है। बताया जा रहा है कि सपा नेतृत्व के साथ उनकी बातचीत में छह प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनी है। इनमें प्रमुख रूप से सामाजिक न्याय और दलित-पिछड़ा वर्ग के अधिकार, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, कानून-व्यवस्था का मुद्दा अंत में संविधान और आरक्षण की रक्षा के मुद्दे पर सहमति बनी है।

गर्मी से पहले बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकार के सख्त निर्देश पर पावर कॉरपोरेशन ने अधिकारियों को एलर्ट मोड पर रहने को कहा
- ट्रांसफार्मर फुंकने पर होगी कार्रवाई, निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश

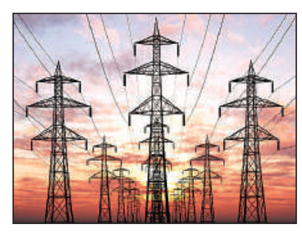

अमृत विचार: प्रदेश में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की मांग में संभावित उछाल को देखते हुए प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उप्र. पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में काम करने के निर्देश दिए हैं, ताकि गर्मी के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने रविवार को भी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में स्पष्ट कहा कि इस बार गर्मी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मरों का रखरखाव पूरी तरह दुरुस्त रखा जाए और खराबी की स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित हो।

डॉ. गोयल ने बताया कि ट्रांसफार्मरों के अनुरक्षण के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया गया है। हर ट्रांसफार्मर पर फ्यूज और टेललेस यूनिट लगाना अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद यदि ट्रांसफार्मर फुंकते हैं तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में कार्य अधूरे हैं या प्रगति धीमी है, वहां संबंधित फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही अवर अभियंताओं और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे हों।

शेड्यूल के अनुसार मिले बिजली

यूपीपीसीएल अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गर्मी के चरम समय को देखते हुए पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध हैं, इसलिए कहीं भी बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बिजली उपलब्ध कराई जाए और किसी भी शिकायत का तत्काल समाधान किया जाए।

लखनऊ में ट्रिपिंग पर विशेष नजर

राजधानी लखनऊ में बिजली व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ . गोयल ने कहा कि राजधानी में ट्रिपिंग की स्थिति किसी भी हाल में नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी जिम्मेदार अधिकारियों को सतर्क रहते हुए निरंतर निगरानी करने को कहा गया है।

दुर्घटनाओं पर जीरो टॉलरेंस

यूपीपीसीएल ने विद्युत दुर्घटनाओं को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि बिजली से जुड़ी किसी भी दुर्घटना को रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मामले में जीरो टॉलरेंस नीति लागू रहेगी। गर्मी के बढ़ते प्रभाव के बीच सरकार की यह तैयारी उपभोक्ताओं को राहत देने के साथ ही बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

ऑफलाइन कार्य बंद, ई-ऑफिस व्यवस्था पर ही मिलेगा वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हरदोई के जिलाधिकारी ने जारी किया सख्त आदेश

अमृत विचार : राज्य सरकार के निर्देश के बाद भी ई-ऑफिस व्यवस्था न स्थापित करने वालों पर शिकंजा कसने लगा है, बीते दिनों राज्य सरकार पुनः संबन्धित आदेश जारी करने के बाद हरदोई समेत कई जिलों में असर दिखने लगा है। हरदोई में जिलाधिकारी ने ई-ऑफिस प्रणाली लागू न करने की स्थिति में वेतन निर्गत न करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग आदि कार्यालयों ने अमल शुरू कर दिया है।

जिलाधिकारी हरदोई का आदेश मुख्यमंत्री कार्यालय के पत्र के क्रम में जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि कई विभाग अभी भी ई-ऑफिस पर कार्य नहीं कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से ही पत्राचार और फाइलों का निस्तारण किया जाएगा। ऑफलाइन पत्रावलियों और पत्राचार को पूरी तरह से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इतना ही नहीं, सभी कर्मचारियों (चतुर्थ श्रेणी और वाहन चालक को छोड़कर) को ई-ऑफिस पर मैप करना अनिवार्य किया गया है।

उक्त क्रम में सभी विभागाध्यक्षों को यह प्रमाणित करना होगा कि उनके कार्यालय के सभी कर्मचारी ई-ऑफिस पर कार्य कर रहे हैं। वेतन बिल के साथ संबंधित अधिकारियों को कोषागार में प्रमाण पत्र भी जमा करना होगा। प्रमाण पत्र दिए बिना अगले माह का वेतन जारी नहीं किया जाएगा। लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी ने बताया कि जिलाधिकारी कार्यालय में फाइलों का आवागमन पूर्णतया ऑनलाइन हो चुका है, अन्य विभागों में भी व्यवस्था संचालित हो रही है।

शिक्षकों की समस्याएं दूर होंगी: केशव

यूटा प्रांतीय अधिवेशन में की शिक्षकों के योगदान की सराहना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों की हर समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक और विद्यालय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री आगरा में यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सरकारी विद्यालय संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में निजी व कॉन्वेंट स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं। केशव मौर्य ने बताया कि राज्य सरकार विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा और छात्रों के समग्र विकास के लिए लगातार काम कर रही है। साथ ही शिक्षकों के सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अधिवेशन में यूटा के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर ने संगठन की गतिविधियों और शिक्षकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला।

डबल इंजन सरकार में बीमा क्षेत्र को मिल रही गति

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि डबल इंजन सरकार में बीमा क्षेत्र को नई गति मिल रही है। वे आगरा में भारतीय जीवन बीमा निगम के विकास अधिकारियों के संगठन के सम्मेलन में बोल रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने रविवार को एलआईसी को देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बताते हुए विकास अधिकारियों को इसकी रीढ़ कहा। उन्होंने जनधन, जीवन ज्योति व सुरक्षा बीमा योजनाओं के जरिए अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षा पहुंचाने पर जोर दिया। सम्मेलन में 600 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुगलों की प्रशंसा से बाहर नहीं निकलते अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख के बयान पर अनिल राजभर का पलटवार

अमृत विचार: जयपुर में अखिलेश यादव द्वारा दिए गए बयान को लेकर योगी सरकार में मंत्री अनिल राजभर ने सपा प्रमुख पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश को उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों और संस्कृति की प्रशंसा करना नहीं आता।

रविवार को जारी बयान में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जब प्रदेश से बाहर जाते हैं तो भी मुगलों की प्रशंसा करना नहीं छोड़ते। जयपुर में भी अखिलेश यादव को राजपूताना गौरव और इतिहास याद नहीं आया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है।

अनिल राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव की सोच प्रदेश को नेपाल और बांग्लादेश जैसा बनाने की है, जो प्रदेश के हित में नहीं है। यह भी कहा कि अखिलेश यादव ने कभी काशी में बाबा के दर्शन नहीं किए, लेकिन वहां की व्यवस्था पर सवाल उठाते रहते हैं।

बदलाव | योगी सरकार में विद्यालयों के आधारभूत ढांचे और सुविधाओं का तेजी से विस्तार

केजीबीवी में छात्राओं को मिल रहीं आधुनिक सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिक्त पदों की भर्ती, डिजिटल व आवासीय सुविधाओं से मजबूत हो रही व्यवस्था

अमृत विचार: प्रदेश में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) व्यवस्था का तेजी से कायाकल्प हो रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार की सख्त निगरानी और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली के चलते ये विद्यालय अब सिर्फ आवासीय स्कूल नहीं, बल्कि आधुनिक और सुरक्षित शैक्षिक परिसरों के रूप में विकसित हो रहे हैं।

के अंतर्गत एकेडमिक हॉस्टल, अतिरिक्त डॉरमेट्री, कंप्यूटर लैब और टॉयलेट ब्लॉक जैसी सुविधाओं का बड़े पैमाने पर निर्माण किया गया है। बाराबंकी में 34, हरदोई में 33 और लखीमपुर खीरी में 27 निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं। बरेली, गोंडा, देवरिया और लखनऊ सहित कई जिलों में भी निर्माण कार्य पूर्ण होकर हैंडओवर की प्रक्रिया में हैं।

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज की गई है। प्रयागराज, बलिया, उन्नाव और एटा जैसे जिलों में उच्च रिक्तियों को चिन्हित कर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। वहीं श्रावस्ती, रायबरेली, आजमगढ़ और ललितपुर जैसे जिलों में रिक्त पद शून्य होना प्रभावी मॉनिटरिंग का संकेत है।

विद्यालयों में छात्राओं की दैनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रोटी मेकिंग मशीन, सोलर गीजर, जेनसेट और वाशिंग मशीन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही ओपन जिम, फोक म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट और 'एक केजीबीवी-एक खेल' जैसी पहलें छात्राओं के समग्र विकास को बढ़ावा दे रही हैं।

मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्य भी तेज

भवनों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्यों में भी तेजी आई है। बलरामपुर में वर्ष 2025-26 के दौरान 80 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है, जबकि अन्य जिलों में भी कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार की इस पहल से केजीबीवी अब बेटियों के लिए सुरक्षित, सुसज्जित और आधुनिक शिक्षा केंद्र बनते जा रहे हैं, जो उन्हें बेहतर अवसर और सशक्त भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं।

2.5 फीसद महिला वोटर कहां चली गईं : संजय

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश की मतदाता सूची पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश की जनसंख्या में लगभग हर 100 लोगों में 52 पुरुष और 48 महिलाएं हैं, लेकिन मतदाता सूची में पुरुषों की हिस्सेदारी 54.54 से 55 प्रतिशत के बीच और महिलाओं की मात्र 45 से 45.64 प्रतिशत है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर यह लगभग ढाई से तीन प्रतिशत महिला मतदाता कहां चली गईं। आप सांसद ने यह भी पूछा कि क्या यह अंतर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से आने वाली महिलाओं से जुड़ा हुआ है और सरकार को स्पष्ट करना चाहिए।

49 बस स्टेशनों के कायाकल्प को फेज-2 परियोजना को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीपीपी मॉडल पर विकसित होंगे आधुनिक व विश्वस्तरीय बस टर्मिनल, जल्द शुरू होगी निविदा की प्रक्रिया

दयाशंकर सिंह

अमृत विचार : प्रदेश में परिवहन सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम की फेज-2 बस स्टेशन विकास परियोजना को मंजूरी मिल गई है। इसके तहत प्रदेश के 49 बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जाएगा।

योजना के तहत बस स्टेशनों को विश्वस्तरीय व बहुउद्देश्यीय टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां स्वच्छता, सुरक्षा, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुव्यवस्थित पार्किंग और वाणिज्यिक परिसरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह परियोजना डीबीएफओटी (डिजाइन, बुल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट और ट्रांसफर) मॉडल पर आधारित होगी। इसमें निजी निवेश के जरिए विकास किया जाएगा, जबकि भूमि का स्वामित्व निगम के पास रहेगा।

रोजगार और विकास को मिलेगा बढ़ावा

मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि इस पहल से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि योग्य डेवलपर्स के चयन के लिए जल्द ही पारदर्शी निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह परियोजना प्रदेश में आधुनिक परिवहन अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

मैंने प्रेम का मार्ग अपनाने का फैसला किया है। नफरत एक बहुत बड़ा बोझ है, जिसे सहन करना असंभव है।

-मार्टिन लूथर किंग, अमेरिकी सिविल राइट्स एक्टिविस्ट

चंद्रपथ से वापसी

मानव अंतरिक्ष इतिहास में आर्टिमस 2 की सफलता एक निर्णायक मोड़ है। 56 वर्षों बाद मनुष्य फिर से गहरे अंतरिक्ष में पहले से भी अधिक दूरी तय कर पाया, जहां वह अंतिम बार अपोलो 17 अभियान के दौरान पहुंचा था। यह उपलब्धि केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक और भविष्यगामी भी है। इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर उतरना नहीं, बल्कि उसके चारों ओर मानवयुक्त यान से परिक्रमा कर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना था। पर यह चंद्रमा पर उतरने से कम महत्वपूर्ण नहीं, क्योंकि इसने साबित किया कि आधुनिक तकनीक, जीवन-समर्थन प्रणाली और अंतरिक्ष यान अब मानव को चंद्रमा तक भेजने और वापस लाने में सक्षम हैं।

नासा के एसोसिएट एडमिनेस्ट्रेटर अमित क्षत्रिय का यह बयान कि चंद्रमा का रास्ता खुल गया है, केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक ठोस वैज्ञानिक संकेत है कि अब अगला चरण और भी जटिल होगा, यानी चंद्रमा पर स्थायी उपस्थिति। इस अभियान में करीब 93 अरब डॉलर के खर्च को 'दीर्घकालिक निवेश' के रूप में देखना चाहिए। अंतरिक्ष तकनीक का हर बड़ा कदम, चाहे वह जीपीएस हो, सेटेलाइट संचार या मौसम पूर्वानुमान, आखिरकार मानव जीवन को बेहतर बनाता है। आर्टेमिस-2 ने नई पीढ़ी के रॉकेट, उन्नत हीट शील्ड और सुरक्षित क्रू मॉड्यूल जैसी तकनीकों को परखा, जो आगे के मिशनों की रीढ़ बनेंगी। इस मिशन की सबसे बड़ी उपलब्धि वह 'विश्वास' बहाली है, जिसने भरोसा दिलाया कि मानव फिर से चंद्रमा तक और उससे आगे भी जा सकता है, हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि अब चंद्रमा पर उतरना आसान हो जाएगा, लेकिन यह अवश्य है कि इसके सबसे कठिन चरण मानव सुरक्षा और वापसी सफलतापूर्वक पार कर लिया गया है। अब अगला लक्ष्य मानव को चंद्र सतह पर उतारना है, जिसकी संभावना इस दशक के अंत तक जताई जा रही है। भविष्य की दृष्टि से चंद्रमा केवल गंतव्य नहीं, बल्कि आगे की अंतरग्रहीय यात्रा के लिए 'लॉन्च पैड' बन सकता है। वहां पानी की उपलब्धता ईंधन उत्पादन और मानव बस्तियों की संभावना को जन्म देती है। यदि चंद्रमा पर स्थायी आधार स्थापित होता है, तो मंगल जैसे दूरस्थ अभियानों की लागत और जटिलता दोनों कम हो सकती हैं, हालांकि चंद्रमा से हीलियम-3, टाइटेनियम या अन्य खनिजों को पृथ्वी पर लाना अभी तकनीकी और आर्थिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह संभावना भविष्य की 'स्पेस इकोनॉमी' का आधार बन सकती है। मंगल पर 2030 के दशक तक मानव भेजने की नासा की योजना महत्वाकांक्षी अवश्य है, पर असंभव नहीं। आर्टेमिस-2 जैसी सफलताएं इस दिशा में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। यह भी स्पष्ट है कि यह यात्रा केवल मशीनों की नहीं, बल्कि उन चार अंतरिक्ष यात्रियों के साहस की भी है, जिन्होंने इस जोखिम को स्वीकार किया।

भारतीय संदर्भ में, यह मिशन इसरो के लिए भी प्रेरणास्रोत है। भारत के चंद्रयान और गगनयान कार्यक्रमों को इससे तकनीकी और रणनीतिक दिशा मिलेगी। वैश्विक सहयोग की संभावना भी बढ़ेगी। कुल मिलाकर आर्टेमिस-2 केवल एक मिशन नहीं, बल्कि मानवता की उस जिजीविषा का प्रतीक है, जो सीमाओं को लांघने का साहस रखती है।

प्रसंगवश

सपनों व संघर्षों के बीच उलझती बालिका शिक्षा

इस वर्ष बिहार बोर्ड के 10वीं और 12वीं के परिणामों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यदि अवसर मिले, तो लड़कियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। 10वीं परीक्षा में कुल पास प्रतिशत लगभग 81 से 82 प्रतिशत के आसपास रहा, जिसमें लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों की तुलना में बेहतर रहा। कई टॉप रैंक पर भी लड़कियों का दबदबा देखने को मिला। इसी तरह 12वीं (इंटरमीडिएट) परीक्षा में भी लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां उनका पास प्रतिशत लगभग 85 से 86 प्रतिशत तक पहुंचा, जो लड़कों से अधिक था।

यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उन संघर्षों की जीत है, जो बिहार के ग्रामीण इलाकों की लाखों लड़कियां हर दिन लड़ती हैं। सीमित संसाधनों, पारिवारिक दबाव और सामाजिक बंधनों के बावजूद उनका यह प्रदर्शन एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। अगर पिछले पांच वर्षों (2021 से 2026) के रुझानों पर नजर डालें, तो यह साफ दिखता है कि बिहार, विशेषकर उसके ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा में निरंतर सुधार हुआ है। 2021 में जहां 10वीं और 12वीं के परिणामों में लड़कियों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम थी, वहीं धीरे-धीरे उनकी उपस्थिति और सफलता दर दोनों में वृद्धि हुई है। हर साल उत्तीर्ण प्रतिशत में 2 से 5 फीसदी तक का सुधार देखा गया है। यानी अब गांवों की लड़कियां न केवल परीक्षा में बैठ रही हैं, बल्कि टॉपर्स की सूची में भी अपनी जगह बना रही हैं। यह बदलाव केवल शिक्षा प्रणाली का परिणाम नहीं है, बल्कि सामाजिक सोच में धीरे-धीरे आ रहे परिवर्तन का भी संकेत है।

काजल सहनी
एक्टिविस्ट

बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा की राह अभी भी पूरी तरह आसान नहीं है। कई लड़कियों के भीतर पढ़ने का गहरा जुनून होता है, लेकिन आर्थिक तंगी उनके सपनों के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। कई परिवारों की स्थिति ऐसी होती है कि वे अपनी बेटियों की पढ़ाई पर खर्च नहीं कर पाते और उन्हें कम उम्र में ही घर के कामों या मजदूरी में लगा देते हैं। कुछ मामलों में सामाजिक दबाव इतना अधिक होता है कि 12वीं के बाद ही लड़कियों की शादी कर दी जाती है, जिससे उनका आगे पढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का सपना अधूरा रह जाता है। यह स्थिति आज भी कई गांवों की हकीकत है।

चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी स्कूलों की कमी, शिक्षकों की अनुपस्थिति और बुनियादी सुविधाओं का अभाव देखने को मिलता है। लड़कियों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिसके कारण कई परिवार उन्हें दूर के स्कूलों में भेजने से हिचकिचाते हैं। इसके अलावा, बाल विवाह की समस्या भी शिक्षा में बड़ी बाधा बनी हुई है। जब तक समाज में इस सोच को नहीं बदला जाएगा कि लड़कियों की जगह केवल घर तक सीमित नहीं है, तब तक शिक्षा का यह संघर्ष जारी रहेगा।

इस स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक है कि सरकार, समाज और परिवार मिलकर एक समन्वित प्रयास करे। सबसे पहले, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। हर गांव के करीब ही गुणवत्तापूर्ण स्कूल और कॉलेज होने चाहिए, जहां लड़कियां सुरक्षित वातावरण में पढ़ सकें। इसके साथ ही, परिवारों को जागरूक करना जरूरी है कि वे अपनी बेटियों की शिक्षा को भी लड़कों के बराबर प्राथमिकता दें। पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर बाल विवाह और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सख्त कदम उठाने होंगे।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

उत्तर प्रदेश: विकास और चुनौतियों के बीच संघर्ष

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संरचना में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लगभग 30.80 ट्रिलियन के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है। राज्य की आर्थिक संरचना कृषि, सेवा क्षेत्र और तेजी से बढ़ते औद्योगिक निवेश पर आधारित है। हाल के वर्षों में यहां बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विकास हुआ है, जिससे राज्य की आर्थिक क्षमता में वृद्धि देखने को मिली है, किंतु इसके साथ-साथ कई गंभीर सामाजिक आर्थिक चुनौतियां भी मौजूद हैं।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार लंबे समय से कृषि रही है। राज्य, देश में गेहूं, चावल, गन्ना, आलू और दालों के उत्पादन में अग्रणी है। गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में कार्य करते हैं। बड़ी संख्या में लोग कृषि और उससे जुड़े कार्यों पर निर्भर हैं, जिससे यह क्षेत्र रोजगार का प्रमुख स्रोत बना हुआ है, हालांकि खेती पर अत्यधिक निर्भरता और छोटे भूमि जोतों के कारण किसानों की आय सीमित रहती है। आधुनिक कृषि तकनीकों की कमी और बाजार तक सीमित पहुंच भी किसानों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है।

लगभग 30 .80 ट्रिलियन के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ यूपी भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है, किंतु इसके साथ-साथ कई गंभीर सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां भी मौजूद हैं।

सेवा क्षेत्र ने भी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तेजी से विस्तार किया है। लखनऊ, नोएडा, कानपुर और वाराणसी जैसे शहरों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, पर्यटन और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े क्षेत्रों का विकास हुआ है। विशेष रूप से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आईटी कंपनियों और डेटा सेंटरों की स्थापना ने राज्य को डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाया है। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा हुए व राज्य की आय में वृद्धि हुई है।

औद्योगिक क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिला है, जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा मिला है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, वस्त्र उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है। सरकार द्वारा निवेश आकर्षित करने के लिए आयोजित सम्मेलनों और नीतिगत सुधारों ने राज्य को औद्योगिक दृष्टि से अधिक आकर्षक बनाया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति का एक प्रमुख आधार बन गया है। राज्य में कई आधुनिक एक्सप्रेसवे बनाए गए हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों को आपस में बेहतर तरीके से जोड़ दिया है। इससे न केवल यातायात में सुधार हुआ है, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी गति मिली है। हवाई अड्डों का विस्तार, मेट्रो परियोजनाएं और स्मार्ट सिटी योजनाएं शहरी विकास को नई दिशा दे रही हैं। साथ ही, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक्स हब की स्थापना से राज्य की आर्थिक संरचना अधिक सुदृढ़ हो रही है।

राज्य का कुल आर्थिक आकार बड़ा है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय अभी भी राष्ट्रीय औसत से कम बनी हुई है। इसका मुख्य कारण राज्य की विशाल जनसंख्या है। बड़ी आबादी के कारण संसाधनों पर दबाव बढ़ता है और आय का वितरण समान रूप से नहीं हो पाता। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्पष्ट असमानता देखने को मिलती है, जहां शहरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहीं गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर सीमित हैं। यह असंतुलन सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रभावित करता है।

मानव विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा की पहुंच में सुधार हुआ है, लेकिन गुणवत्ता अभी भी चिंता का विषय है। सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे और शिक्षकों की कमी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी और चिकित्सा सुविधाओं का अभाव लोगों के जीवन स्तर को प्रभावित करता है। मातृ और शिशु मृत्यु दर में सुधार हुआ है, लेकिन यह अभी भी अपेक्षाकृत अधिक है।

रोजगार के क्षेत्र में भी राज्य को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में युवा रोजगार के बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हैं। यह प्रवृत्ति राज्य की आर्थिक संरचना को कमजोर करती है और स्थानीय स्तर पर विकास को प्रभावित करती है, हालांकि कौशल विकास योजनाओं और उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इनका प्रभाव अभी व्यापक स्तर पर दिखाई देना बाकी है।

सामाजिक स्तर पर भी कई चुनौतियां मौजूद हैं, जिनमें गरीबी, लैंगिक असमानता और सामाजिक भेदभाव प्रमुख हैं। महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी कम है और उन्हें शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में अधिक अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।

राजनीतिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक है, क्योंकि यह लोकसभा की सबसे अधिक सीटें प्रदान करता है और केंद्र की सत्ता पर सीधा प्रभाव डालता है। राज्य में स्थिर सरकार और नीतिगत निरंतरता ने हाल के वर्षों में विकास परियोजनाओं को गति दी है, किंतु जातीय समीकरण, क्षेत्रीय असमानताएं और चुनावी प्रतिस्पर्धा नीति निर्माण को जटिल भी बनाते हैं।

सरकार द्वारा निवेश को आकर्षित करने, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और प्रशासनिक सुधार लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। डिजिटल गवर्नेंस और विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से राज्य को अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। यदि इन प्रयासों को शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के साथ संतुलित किया जाए, तो राज्य अपनी विशाल जनसंख्या को एक मजबूत आर्थिक संसाधन में बदल सकता है।

आमने सामने

महात्मा फुले ने भेदभाव मिटाने के लिए पूरी जिंदगी काम किया, लेकिन आज की सरकार इस भावना के खिलाफ काम कर रही है। मेरी सरकार के दौरान शुरू की गईं कई जनकल्याणकारी योजनाओं को इस सरकार ने बंद कर दिया। ये योजनाएं आम लोगों के लिए बेहद जरूरी थीं।

-अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

कांग्रेस झूठ और भ्रम फैला रही है। वर्तमान सरकार ने किसी भी योजना को बंद नहीं किया है। कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को न केवल बंद किया, बल्कि उन्हें बिगाड़ने का काम कर जनता के हितों से खिलवाड़ किया।

-डॉ. प्रेमचंद बैरवा
उप-मुख्यमंत्री, राजस्थान

वार्ता विफल: क्या थमेगा खाड़ी युद्ध का संकट!

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत फिलहाल विफल हो गई है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रही थी। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, इस्लामाबाद की बातचीत फिलहाल नाकाम रही है और अब अगर जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी।

सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है– हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें– सब कुछ महंगा हो जाएगा।

अमेरिका-ईरान के बीच चल रही बातचीत फिलहाल विफल हो गई है। इस बातचीत पर पूरी दुनिया की निगाहें थीं। अब अहम सवाल यह है कि इस संकट का हल कैसे निकलेगा?

विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी, क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला, तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा।

वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व में नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी।

भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। सरकार के उच्च अधिकारी भी मान रहे हैं कि जंग लंबी खिंचने से महंगाई बढ़ेगी, आर्थिक ग्रोथ पर दबाव पड़ेगा और विदेशों में रह रहे भारतवंशियों द्वारा भेजे जाने वाले धन की आवक प्रभावित होगी। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वापस लौट रहे हैं। लंबी जंग का मतलब सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा होगा। उर्वरक महंगे होने से फसलें प्रभावित होंगी, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी।

गरीब देशों में भुखमरी बढ़ेगी और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर मसले का हल निकलता है, तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी, लेकिन अगर बात नहीं बनी, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है– फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। अगर जंग दोबारा शुरू होती है तो आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

दुःख की थाह

किसी अपने के जाने का दुः ख कितना गहरा हो सकता है, शायद इसे शब्दों में पूरी तरह बांध पाना मुमकिन ही नहीं। कभी-कभी यह पीड़ा इतनी अथाह हो जाती है कि पीछे छूट गए लोग उसी याद में घुलते-घुलते खुद को भी खो बैठते हैं। यह सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं है; प्रकृति के कई अन्य जीवों में भी यह विरह, यह लगाव, यह टूटन साफ़ दिखाई देती है।

वाचस्पति शर्मा
सीरियस व्यंगकार

शायद यही वजह है कि दुनिया की कई सभ्यताओं ने 'अंतिम विदाई' को सिर्फ एक दुखद पल नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सांस्कृतिक अनुष्ठान बना दिया। एक ऐसा अनुष्ठान, जहां आँसू होते हैं- पर उनके साथ स्मृतियों की गरमाहट भी होती है, जहां दर्द होता है, पर उसके बीच जीवन की खूबसूरती को भी याद किया जाता है।

दक्षिण भारत में यह परंपरा अक्सर देखने को मिलती है, जहां अंतिम यात्रा को सजाया-संवारा जाता है, मानो किसी को आख़िरी बार पूरे सम्मान और स्नेह के साथ विदा किया जा रहा हो। वहीं उत्तर भारत में यह कम देखने को मिलता है, लेकिन आदिवासी समुदायों में यह भाव और भी गहराई से जिया जाता है। आदिवासियों ने जीवन के हर पहलू के लिए गीत रचे हैं। जन्म के लिए, मृत्यु के लिए, फसल काटने के लिए, रोपाई के लिए और यहां तक कि बकरियां चराने के लिए भी गीत रच डाले, मानो वे हर अनुभव को एक भावना, एक धुन में ढाल देते हैं, ताकि जीवन कभी भी नीरस न लगे और मृत्यु भी सिर्फ अंत न लगे।

मुझे याद आता है कि मल्लिका साराभाई ने अपनी मां, मृणालिनी साराभाई के पार्थिव शरीर के सामने नृत्य प्रस्तुत किया था। यह सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं था- यह एक बेटी का अपने मां के प्रति अंतिम प्रेम-प्रदर्शन था, एक श्रद्धांजलि जो शब्दों से कहीं अधिक गहरी थी।

इसी तरह, दारा सिंह जी ने अपने बेटे बिंदु से कहा था, 'मेरे जाने के बाद तुम पार्टी करना।' और सच में, उनके जाने के बाद बिंदु ने घर में एक पार्टी रखी। आधी रात को जब अमिताभ बच्चन वहां पहुंचे, तो वे यह देखकर हैरान रह गए कि यहां शोक के बजाय जश्न का माहौल है, लेकिन कुछ ही पलों में वे उस भावना को समझ गए कि यह जश्न किसी के जाने का नहीं, बल्कि उसके जीए हुए जीवन का था। आजकल ईरान से भी कई वीडियो सामने आ रहे हैं, जहां लोग अपने शहीदों को गीत और संगीत के साथ विदा कर रहे हैं। यह दृश्य दिल को छू लेने वाले हैं। दर्द भी है, गर्व भी है और एक अजीब सी शांति भी।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

पूर्व सांसदों की पेंशन और समानता का सिद्धांत

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह सवाल किया है कि पूर्व सांसदों को दी जाने वाली पेंशन और सुविधाओं का औचित्य क्या है, तो इसने देशभर में एक नई चर्चा को जन्म दिया। यह प्रश्न केवल एक प्रशासनिक या कानूनी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा हुआ विषय है। आखिर क्यों एक वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त हों, जबकि अन्य वर्गों को कड़े नियमों और सीमाओं में बांध दिया जाए? यह सवाल आम नागरिक के मन में स्वाभाविक रूप से उठता है।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं, ताकि वे उनके हितों की रक्षा कर सकें और समाज के विकास के लिए काम करें। यह एक जिम्मेदारी है, कोई स्थायी लाभ प्राप्त करने का माध्यम नहीं। परंतु जब जनप्रतिनिधियों को आजीवन पेंशन, कई प्रकार की सुविधाएं और विशेष अधिकार दिए जाते हैं, तो यह प्रश्न उठता है कि क्या यह व्यवस्था सेवा की भावना को बढ़ावा देती है, या इसे एक विशेषाधिकार में बदल देती है। एक सामान्य सरकारी कर्मचारी को पेंशन पाने के लिए वर्षों तक सेवा करनी पड़ती है। कई बार 20 से 30 वर्षों की नौकरी के बाद ही वह इस सुविधा का हकदार बनता है। इसके विपरीत, सांसद बनने के लिए केवल एक कार्यकाल, जो कि पांच वर्षों का होता है, ही पर्याप्त है। यह असमानता न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
शिक्षिका

भारतीय संविधान समानता के सिद्धांत पर आधारित है। हर नागरिक को समान अवसर और समान अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन जब एक विशेष वर्ग को अतिरिक्त लाभ दिए जाते हैं, तो यह सिद्धांत कमजोर पड़ता दिखाई देता है। पूर्व सांसदों की पेंशन का मुद्दा इसी असमानता का प्रतीक बन गया है। जब देश का एक बड़ा वर्ग आर्थिक संघर्ष से जूझ रहा हो, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से परेशान हो, तब ऐसे विशेषाधिकार जनता के बीच असंतोष पैदा करते हैं। यह असंतोष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक भी होता है।

यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इन पेंशनों और सुविधाओं का खर्च अंततः जनता के करों से ही पूरा होता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या यह संसाधनों का सही उपयोग है? क्या यह धन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में निवेश नहीं किया जाना चाहिए? हालांकि यह तर्क दिया जा सकता है कि कुल बजट में यह खर्च बहुत अधिक नहीं है, लेकिन मुद्दा केवल राशि का नहीं, बल्कि सिद्धांत का है। यदि एक व्यवस्था असमानता को बढ़ावा देती है, तो उसे केवल इसलिए सही नहीं ठहराया जा सकता कि उसका आर्थिक प्रभाव सीमित है।

इस विषय पर एक पक्ष यह भी है कि जनप्रतिनिधियों को कार्यकाल के बाद कुछ सुविधाएं मिलनी चाहिए। उनका तर्क है कि सांसद बनने के बाद व्यक्ति को अपने पेशे, व्यवसाय या नौकरी से दूरी बनानी पड़ती है। ऐसे में कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनके पास स्थायी आय का स्रोत नहीं होता। इसके अलावा, यह भी कहा जाता है कि यदि जनप्रतिनिधियों को आर्थिक सुरक्षा नहीं दी जाएगी, तो वे स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्णय लेने में सक्षम नहीं रहेंगे। वे बाहरी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यह तर्क अपनी जगह पर उचित प्रतीत होते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वर्तमान व्यवस्था संतुलित है, या यह सुविधा 'आवश्यकता' से आगे बढ़कर 'विशेषाधिकार' का रूप ले चुकी है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कम कीमत में पावरफुल इलेक्ट्रिक SUV

Tata Passenger Electric Mobility ने भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करते हुए किफायती कीमत में दमदार 4x4 इलेक्ट्रिक एसयूवी का विकल्प पेश किया है। कंपनी ने अपनी चर्चित Tata Harrier EV लाइनअप में नया Fearless+ QWD 75 वेरिएंट शामिल किया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 26.49 लाख रुपये रखी गई है। यह नया वेरिएंट खासतौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर लाया गया है, जो सीमित बजट में भी पावरफुल क्वॉड व्हील ड्राइव इलेक्ट्रिक एसयूवी का अनुभव लेना चाहते हैं। इससे पहले कंपनी का Empowered QWD 75 वेरिएंट बाजार में उपलब्ध था, जिसकी कीमत 28.99 लाख रुपये है। नए वेरिएंट के आने से अब ग्राहकों के पास ज्यादा किफायती विकल्प मौजूद है।

तकनीकी दृष्टि से बेहद खास QWD मॉडल

टाटा हैरियर ईवी का QWD (Quad Wheel Drive) वेरिएंट तकनीक और प्रदर्शन के लिहाज से बेहद खास है। यह Tata Motors की पहली ऑल-व्हील ड्राइव (AWD) इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जिसमें दो इलेक्ट्रिक मोटर एक फ्रंट एक्सल पर और दूसरी रियर एक्सल पर दी गई हैं। फ्रंट मोटर 158 पीएस की पावर जनरेट करती है, जबकि रियर मोटर 238 पीएस की ताकत देती है। दोनों मोटर मिलकर वाहन को मजबूत ऑल-व्हील ड्राइव क्षमता प्रदान करती हैं।

फीचर्स और कम्फर्ट का बेहतरीन मेल

फीचर्स के मामले में भी यह एसयूवी काफी समृद्ध है। इसमें 205 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस और 502 लीटर का बड़ा बूट स्पेस दिया गया है, जो इसे फैमिली और एडवेंचर दोनों के लिए उपयुक्त बनाता है। 19 इंच के अलॉय व्हील्स और आकर्षक एक्सटीरियर डिजाइन इसकी सड़क पर मौजूदगी को और प्रभावशाली बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें, तो इसमें 6-वे पावर्ड ड्राइवर सीट्स (मेमोरी फंक्शन के साथ), वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसी सुविधाएं दी गई हैं। साथ ही 14.5 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर इसे हाई-टेक अनुभव प्रदान करते हैं। साउंड सिस्टम के लिए इसमें डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट के साथ 10-स्पीकर वाला जेबीएल ऑडियो सिस्टम दिया गया है, जो केबिन के अंदर शानदार ऑडियो अनुभव देता है। इसके अलावा 540 डिग्री कैमरा, एंबिएंट लाइटिंग, एनएफसी कार्ड एक्सेस और वीइकल-टू-लोड (V2L) और वीइकल-टू-वीइकल (V2V) जैसी आधुनिक तकनीकें भी इसमें शामिल हैं।

हर रास्ते पर मजबूत पकड़

इसका कुल टॉर्क 504 न्यूटन मीटर तक जाता है, जो इसे मुश्किल रास्तों, जैसे कच्ची सड़कों, पहाड़ी इलाकों और ऑफ-रोड ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाता है। ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए इसमें 6 टेरेन मोड दिए गए हैं, जिनमें नॉर्मल, सैंड, स्नो, मड, रॉक क्रॉल और कस्टम मोड शामिल हैं। इसके साथ ही ऑफ-रोड असिस्ट फीचर भी मौजूद है, जो कठिन परिस्थितियों में ड्राइविंग को आसान बनाता है।

दमदार परफॉर्मेंस और शानदार रेंज

यह इलेक्ट्रिक एसयूवी acti.ev+ platform प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई है, जो इसे मजबूती और आधुनिक तकनीक का बेहतरीन संतुलन प्रदान करता है। परफॉर्मेंस की बात करें, तो यह कार मात्र 6.3 सेकेंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है, जो इसे अपने सेगमेंट में काफी तेज बनाती है। Fearless+ QWD 75 वेरिएंट में 75 kWh का बैटरी पैक दिया गया है। कंपनी के अनुसार, इसकी प्रमाणित (सर्टिफाइड) रेंज 622 किलोमीटर तक है, जबकि वास्तविक परिस्थितियों में यह लगभग 450 से 500 किलोमीटर तक चल सकती है। चार्जिंग के लिहाज से भी यह काफी सुविधाजनक है। 120 किलोवॉट के डीसी फास्ट चार्जर की मदद से इसे केवल 25 मिनट में 20 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। यह फीचर लंबी यात्राओं के दौरान समय की बचत में मदद करता है।

सुरक्षा और भरोसे का पैकेज

सुरक्षा के लिहाज से भी यह एसयूवी काफी भरोसेमंद है। इसमें मल्टीपल एयरबैग्स, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग दी गई है। इसके साथ ही कंपनी अनलिमिटेड लाइफटाइम बैटरी वॉरंटी भी दे रही है, जो ग्राहकों के लिए अतिरिक्त भरोसा प्रदान करती है। कुल मिलाकर, नया Fearless+ QWD 75 वेरिएंट उन ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है, जो किफायती कीमत में पावर, परफॉर्मेंस और आधुनिक फीचर्स से लैस इलेक्ट्रिक एसयूवी खरीदना चाहते हैं।

मॉय फर्स्ट राइड

पापा के साथ सड़क पर आत्मविश्वास की उड़ान

आत्म सशक्तिकरण का एक माध्यम गाड़ी चलाना भी है। साधारण रूप से इसे मात्र एक आवश्यकता की श्रेणी में रखा जा सकता है, किंतु महिलाओं के लिए यह इससे बढ़कर है। जब मैंने गाड़ी चलाना सीखा था, तब मेरा पहला अनुभव भी खास था। मैंने गाड़ी चलाना अपने पिता से सीखा था, जब मैं कक्षा-12 की छात्रा थी। मुझे आज भी याद है, एक शांत सी सुबह थी। मैंने पापा से सकुचाते हुए कहा कि पापा मुझे कार चलाना सिखाना है। पापा ने मेरी इस बात को खुशी-खुशी स्वीकार किया और कहा- यह बहुत अच्छी बात है।

अगली सुबह पापा मुझे पास के खाली मैदान में ले गए। शुरुआत आसान नहीं थी। कभी क्लच जल्दी छोड़ देती, तो गाड़ी झटके से बंद हो जाती। कभी ब्रेक और एक्सीलेटर में गड़बड़ हो जाती। मैं परेशान हो जाती, लेकिन पापा कभी नाराज नहीं हुए। वे हर गलती को धैर्य से समझाते और कहते, "गलतियां ही हमें बेहतर बनाती हैं।" धीरे-धीरे मेरी पकड़ मजबूत होती गई। हर दिन थोड़ी-थोड़ी प्रैक्टिस के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ने लगा। पापा हमेशा बगल में बैठकर मुझे दिशा देते, लेकिन उन्होंने कभी मुझे पूरी तरह अपने ऊपर निर्भर नहीं होने दिया। वे चाहते थे कि मैं खुद फैसले लेना सीखूं। ऐसे पापा मुझे धीरे-धीरे मैदान में कार चलाना सिखा दिया। फिर कुछ दिन बाद पापा ने कहा आज रोड पर गाड़ी चलाओ। ये सुनकर मैं घबरा गई। मैंने घबराते हुए कहा, "पापा, मुझसे नहीं होगा।" उन्होंने मुस्कुराकर जवाब दिया, "तुम कर सकती हो, बस खुद पर भरोसा रखो।" उनकी आवाज में इतना विश्वास था कि मेरा डर धीरे-धीरे कम होने लगा। फिर मैं अगली सुबह रोड पर कार लेकर निकली। पापा साथ में थे। मुझे देखकर रास्ते में छोटी-छोटी बच्चियां खुश हो रही थीं और जैसे कुछ महिलाओं को देखकर मैं सोचती थी कि मैं एक दिन ऐसे ही गाड़ी चलाऊंगी, वैसा ही कोई सपना उनकी आंखों में चमकता हुआ मुझे दिखा। गाड़ी महिलाएं चलाएं या पुरुष इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह एक बेसिक लाइफ स्किल है, जो हर किसी को आनी चाहिए।

गाड़ी चलाना मात्र आवश्यकता नहीं है, कई बार जब दुनियाभर की चिताओं में व्यक्ति घिरा होता है, तो एक छोटी सी राइड से दोबारा फ्रेश हो जाता है। घर का सामान लाना हो या कहीं दूर जाना हो, अगर गाड़ी चलाना आता है, तो कोई भी काम मुश्किल नहीं है। यह अनुभव मेरे लिए हमेशा खास रहेगा, क्योंकि इसमें सिर्फ ड्राइविंग नहीं, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण सबक छिपे हैं। पापा की सीट से शुरू हुआ यह सफर आज मेरी अपनी ड्राइव बन चुका है।

-अदिति शुक्ला, बरेली

गर्मियों में भी ठंडा रहेगा इंजन, अपनाएं ये 5 टिप्स

गर्मियों के मौसम में दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जाता है। ऐसी भीषण गर्मी का असर सिर्फ इंसानों पर ही नहीं, बल्कि आपकी बाइक के इंजन पर भी पड़ता है। लगातार गर्मी में चलने से इंजन ओवरहीट हो सकता है, जिससे पिस्टन और रिंग्स पर असर पड़ता है, बाइक की पावर घटती है और माइलेज भी कम हो जाता है। खासकर यदि आप रोजाना 50 से 100 किलोमीटर तक बाइक चलाते हैं, तो कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर आप इंजन को सुरक्षित और ठंडा रख सकते हैं। सही मेंटेनेंस, समझदारी भरी राइडिंग और छोटे-छोटे उपाय आपकी बाइक को गर्मी में भी बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करते हैं।

- **कूलेंट और इंजन ऑयल का रखें खास ध्यान**
  आजकल 150cc से ज्यादा क्षमता वाली अधिकांश बाइक्स लिक्विड-कूल्ड सिस्टम के साथ आती हैं। ऐसे में गर्मी शुरू होने से पहले कूलेंट का स्तर जरूर जांच लें। यदि यह कम हो, तो हमेशा कंपनी द्वारा सुझाया गया कूलेंट ही डालें। साधारण पानी या सस्ते विकल्प इंजन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हर 5000 किलोमीटर पर कूलेंट बदलवाना बेहतर रहता है। इसी तरह इंजन ऑयल भी गर्मी में जल्दी पतला हो जाता है। ऐसे में 10W-40 या 15W-50 ग्रेड का फुल सिंथेटिक ऑयल इस्तेमाल करना उचित है, जो उच्च तापमान में भी अपनी क्षमता बनाए रखता है। हर 3000-4000 किलोमीटर पर ऑयल बदलवाना चाहिए। एयर-कूल्ड बाइक्स में ऑयल का स्तर हमेशा सही रखें, ताकि इंजन अंदर से ठंडा बना रहे।
- **रेडिएटर और इंजन फिन्स की सफाई जरूरी**
  गर्मी के मौसम में धूल और गंदगी रेडिएटर पर जम जाती है, जिससे कूलिंग सिस्टम की कार्यक्षमता कम हो जाती है। हर 10-15 दिन में सॉफ्ट ब्रश या हल्के प्रेशर वॉश से रेडिएटर फिन्स साफ करें। अगर आपकी बाइक एयर-कूल्ड है, तो इंजन के फिन्स पर जमा गंदगी भी हटाना जरूरी है। साथ ही रेडिएटर फैन की कार्यक्षमता पर नजर रखें। यदि फैन या थर्मोस्टेट खराब हो जाए, तो इंजन का तापमान तेजी से बढ़ सकता है।

अपनाएं स्मार्ट राइडिंग

तेज रफ्तार हमेशा बेहतर नहीं होती। 80-90 किमी/घंटा की स्पीड पर इंजन और हवा के बीच संतुलन बना रहता है। इससे कूलिंग बेहतर होती है। ट्रैफिक में मध्यम गति बनाए रखें और बार-बार ब्रेक व एक्सीलेरेशन से बचें। लंबी दूरी तय करते समय बीच-बीच में रुककर इंजन को ठंडा होने का समय दें।

सही पार्किंग और आईडलिंग का ध्यान रखें

तेज धूप में खड़ी बाइक का तापमान बहुत तेजी से बढ़ जाता है। कोशिश करें कि हमेशा छायादार स्थान या पार्किंग शेड में बाइक खड़ी करें। यदि ऐसा संभव न हो, तो यूवी-प्रोटेक्टेड कवर का इस्तेमाल करें। लंबे समय तक ट्रैफिक में इंजन चालू रखने से भी गर्मी बढ़ती है। यदि सिग्नल पर ज्यादा देर रुकना पड़े, तो इंजन बंद कर देना बेहतर होता है। यह आदत इंजन को अनावश्यक गर्म होने से बचाती है।

टायर, ब्रेक और चेन की नियमित जांच

गर्मी में टायर का प्रेशर सामान्य से बढ़ जाता है, इसलिए सप्ताह में एक बार सुबह के समय टायर प्रेशर जरूर जांचें। सही प्रेशर इंजन पर अतिरिक्त दबाव को कम करता है। ब्रेक पैड्स अगर घिस चुके हों, तो वे ज्यादा गर्मी पैदा करते हैं, इसलिए समय पर बदलवाना जरूरी है। चेन को हर 400-500 किलोमीटर पर लुब्रिकेट करें, क्योंकि सूखी या टाइट चेन इंजन पर अतिरिक्त लोड डालती है।

तेज रफ्तार से ज्यादा जरूरी है सही लेन का चुनाव

काम की बात

हम रोज सड़कों और हाईवे पर वाहनों की रफ्तार का अलग-अलग रूप देखते हैं। कहीं कोई तेज गति से आगे निकल रहा होता है, तो कहीं कोई आराम से चल रहा होता है। कई ड्राइवर यह मान लेते हैं कि हाईवे पर जहां जगह मिले, वहीं तेज चलाना सही है, लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। गलत लेन में ड्राइविंग न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकती है। हाईवे पर हर लेन का अपना अलग उद्देश्य और जिम्मेदारी होती है। यदि चालक इनका सही ढंग से पालन करें, तो यातायात अधिक व्यवस्थित रहता है और सड़क सुरक्षा भी बेहतर होती है।

हाईवे लेन सिस्टम को समझना जरूरी

दाहिनी लेन-ओवरटेक के लिए (Fast Lane)

हाईवे की सबसे दाहिनी लेन को फास्ट या ओवरटेक लेन कहा जाता है। यह लेन केवल उन वाहनों के लिए होती है, जिन्हें सामने चल रहे वाहन को पार करना होता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि कोई वाहन लगातार इसी लेन में चलता रहे। सही तरीका यह है कि ओवरटेक करने के बाद तुरंत मिडिल लेन में वापस आ जाएं। लंबे समय तक इस लेन में बने रहना अन्य तेज वाहनों के लिए बाधा बनता है और दुर्घटना की संभावना बढ़ा देता है।

मिडिल लेन- संतुलित और सुरक्षित विकल्प (Balanced Lane)

मिडिल लेन को सबसे सुरक्षित और संतुलित माना जाता है। यहां गति सामान्य रहती है न बहुत तेज, न बहुत धीमी। लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह लेन सबसे उपयुक्त होती है। अधिकांश वाहन इसी लेन का उपयोग करते हैं, जिससे ट्रैफिक का प्रवाह सहज बना रहता है और जरूरत पड़ने पर ओवरटेक करना भी आसान होता है।

बायीं लेन - धीमी गति वाले वाहनों के लिए (Slow Lane)

हाईवे की बायीं लेन धीमी गति से चलने वाले वाहनों के लिए निर्धारित होती है। इसमें ट्रक, बस, भारी लोड वाले वाहन और कम गति वाली गाड़ियां शामिल होती हैं। इस लेन से सीधे फास्ट लेन में जाना एक बड़ी गलती है। ऐसा करने पर तेज रफ्तार से आ रहे वाहनों से टकराव का खतरा बढ़ जाता है।

सुरक्षित ड्राइविंग के जरूरी नियम

- लेन बदलने से पहले रियर और साइड मिरर अवश्य देखें।
- बिना इंडिकेटर दिए लेन बदलना खतरनाक हो सकता है, इसलिए हमेशा संकेत दें।
- ओवरटेक करने के बाद फास्ट लेन खाली करें और वापस मिडिल लेन में आ जाएं।
- निर्धारित स्पीड लिमिट का पालन करें।
- सही लेन अनुशासन अपनाना केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। थोड़ा सा सतर्क रवैया और नियमों की समझ सड़क पर बड़े हादसों को टाल सकती है।

शिवराज सिंह ने 4 जिलों के लिए जारी किया कृषि मसौदा

रायसेन (मध्य प्रदेश), एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मध्य प्रदेश के चार जिलों के लिए एक व्यापक कृषि मसौदा जारी किया। उन्होंने पारंपरिक खेती से हटकर ड्रैगन फ्रूट और एवोकैडो जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को अपनाने का आह्वान किया, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

अमृत विचार
बरेली, सोमवार, 13 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2595, राज श्री 1980, फ़ॉर्चून कि. 2715, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2395, जय जवान 2125, सचिन 2320, सूरज 2125, अवसर 2100, उजाला 2130, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2550

किराना–निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल–(प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7000, शरबती कच्ची 6250, शर्बती स्टीम 6450, मंसूरी 4300, महबूब सेला 4850, गौरी रॉयल 9800, राजभोग 7450, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10900, हरी पत्ति नेचुरल 9900, गौरी स्पेशल 9400, गौरी प्रीमियम 10900, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4300

दाल दलहन–मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी–पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, रोज़ा 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम–सोना पक्के आभूषण 152000, सोना गिन्नी 148000, चांदी (पक्की) 2410 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

अमरावती के विकास को मिले 34 करोड़ डॉलर

अमरावती। विश्व बैंक ने अमरावती राजधानी चरण-1 के विकास के लिए अब तक 34 करोड़ डॉलर जारी किए हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से अप्रैल के अंत तक अतिरिक्त 15 करोड़ डॉलर मिलने की संभावना है। विश्व बैंक और एडीबी से लगभग 13–15 करोड़ डॉलर और मिलेंगे।

तेल की कीमतें और महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

प्रमुख कंपनियों के नतीजों पर रहेगी नजर, मंगलवार को बंद रहेंगे शेयर बाजार

नयी दिल्ली, एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता बेनतीजा समाप्त होने से सोमवार को शेयर बाजार खुलने पर निवेशकों की धारणा पर असर पड़ सकता है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों के अलावा कच्चे तेल की कीमतें भी इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगी। यह सप्ताह अवकाश के कारण छोटा रहेगा, क्योंकि मंगलवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहेंगे।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के ने कहा कि निफ्टी-50 इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। 24,000 अंक के स्तर को फिर से हासिल करने के बाद बाजार में सतर्क आशावाद दिख रहा था, लेकिन वार्ता विफल होने से निकट अवधि का परिदृश्य बदल गया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ खुल सकते हैं।

इस सप्ताह बाजार पर मुद्रास्फीति के आंकड़ों, कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों का भी असर रहेगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा कि विप्रो, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजों पर निवेशकों की नजर रहेगी। इसके अलावा 13 अप्रैल को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और 14 अप्रैल को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े भी जारी होंगे, जो महंगाई के रुझान का संकेत देंगे। पिछले सप्ताह अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद बाजार में जोरदार तेजी आई थी। कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया था।

...यूं नहीं हो सका अमेरिका-ईरान समझौता

ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि अमेरिकी पक्ष की अत्यधिक मांगों के कारण वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि कूटनीति कभी समाप्त नहीं होती। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा कि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे न हटने के कारण शांति समझौता नहीं हो सका। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी पक्ष ने अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव रखा था, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया। वहीं, ईरानी पक्ष ने कहा कि कुछ मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन दो से तीन महत्वपूर्ण विषयों पर मतभेद बने रहे।

टीसीएस दे रही 25 हजार फ्रेशर्स को नौकरी

मुंबई,एजेंसी

- अधिकारी ने कहा- मांग पर निर्भर करेंगी और भर्तियां
- फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं
- कंपनी ने 2025-26 में दी थी 44,000 ग्रेजुएट्स को नौकरी

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों (फ्रेशर) को नौकरी देने की पेशकश की है। कंपनी ने संकेत दिया है कि आगे की नियुक्तियां बाजार में मांग की स्थिति पर निर्भर करेंगी। टीसीएस के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 44,000 नए स्नातकों की नियुक्ति की थी, जो देश में निजी क्षेत्र में किसी कंपनी द्वारा की गई भर्तियों का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि 2026-27 के दौरान हमने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की पेशकश की है। मांग पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद हम और नियुक्तियां करेंगे। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक फ्रेशर्स को नौकरी दे रही है। कृतिवासन ने कहा कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि नए स्नातकों को किसी परियोजना में जोड़ने से पहले करीब नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

वित्त वर्ष 2025-26 में हुई लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के लिए लंबे समय तक करियर के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) का इस छंटनी से कोई सीधा संबंध नहीं था, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के तरीके में बदलाव के कारण वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों की आवश्यकता कम हुई है।

कारोबारी माहौल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन स्थिर है, जो वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि नई मांग विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक बाजारों से आ रही है, जिसमें लागत अनुकूलन और डिजिटल बदलाव से जुड़े सौदे शामिल हैं।

महंगाई से बचाने के लिए कोल इंडिया ने खुद उठाया बढ़ती लागत का बोझ

नयी दिल्ली, एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) उपभोक्ताओं को कोयले की ऊंची कीमतों से बचाने के लिए बढ़ती कच्चे माल की लागत खुद वहन कर रही है। विस्फोटक और औद्योगिक डीजल जैसे प्रमुख कच्चे माल के खर्च में पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद तेज बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने कहा कि इस अतिरिक्त लागत को उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जा रहा है, क्योंकि ऐसा करने से कोयले पर निर्भर विभिन्न क्षेत्रों पर व्यापक असर पड़ सकता है।

कंपनी अपनी खदानों में काम कर रहे ठेकेदारों को बढ़ी हुई डीजल कीमतों का मुआवजा भी दे रही है। खुले खनन में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के प्रमुख घटक अमोनियम नाइट्रेट की कीमत एक अप्रैल तक 44 प्रतिशत बढ़कर 72,750 रुपये प्रति टन हो गई है। इसके कारण विस्फोटकों की औसत लागत मार्च के अंत तक लगभग 26 प्रतिशत बढ़कर करीब 49,800 रुपये प्रति टन हो गई। कंपनी की अनुषंगी इकाइयां हर साल करीब नौ लाख टन विस्फोटकों का उपयोग करती हैं और इस पूरी अतिरिक्त लागत को कोल इंडिया खुद वहन कर रही है। डीजल की कीमत भी करीब 54 प्रतिशत बढ़कर 142 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जो मार्च के मध्य में लगभग 92 रुपये प्रति लीटर थी।

कोयला आयात में कमी

नई दिल्ली। देश में घरेलू कोयले के रिकॉर्ड भंडार और समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों में मजबूती के कारण फरवरी में कोयला आयात 8.5% घटकर 1.65 करोड़ टन रह गया। एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, फरवरी 2024–25 में आयात 1.81 करोड़ टन था। वहीं, जनवरी 2026 के 1.66 करोड़ टन के मुकाबले फरवरी में स्थिर रहा।

- पश्चिम एशिया संघर्ष से बेतहाशा बढ़ गयीं औद्योगिक डीजल और विस्फोटों की कीमतें

एफपीआई ने अप्रैल में शेयर बाजार से निकाले 48,213 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से अप्रैल महीने में भी अपनी बिकवाली जारी रखी है।

बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक वृहद आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने अप्रैल के पहले 10 दिन में ही 48,213 करोड़ (करीब 5.14 अरब डॉलर) के शेयर बेचे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ की निकासी की थी, जो अब तक का निकासी का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था, जो पिछले 17 माह का उच्चस्तर है।

एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 1.8 लाख करोड़ से अधिक हो चुकी है। केवल अप्रैल में ही 10 तारीख तक उन्होंने 48,213 करोड़ निकाले हैं।

विश्लेषकों के अनुसार, यह लगातार बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है।

भारत में 30 प्रतिशत बढ़कर 1.43 लाख हुई पेटेंट आवेदनों की संख्या : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि देश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल के कारण पेटेंट आवेदन दाखिल करने की संख्या 2025–26 में 30.2 प्रतिशत बढ़कर 1,43,729 हो गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या 1,10,375 थी। उल्लेखनीय है कि पेटेंट दाखिल करने के मामले में भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा देश है।

गोयल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वित्त वर्ष 2025–26 में हमारे पेटेंट आवेदन ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30.2 प्रतिशत की वृद्धि हैं। इसमें से 69 प्रतिशत से अधिक पेटेंट घरेलू स्तर पर दाखिल किए गए हैं, जिनमें तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के नवोन्मेषकों की अग्रणी भूमिका है। आवेदनों की संख्या में 2016–17 से लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जब यह संख्या 45,444 थी।

जानकारी

कितने बैंक अकाउंट

बैंक अकाउंट महज एक जरूरत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। इसमें आपकी सैलरी आती है, EMI कटती है, सब्सिडी आती है। ये बैंक के माध्यम से ही होता है। ऐसे में लोग एक से अधिक बैंक खाते खुलवा लेते हैं। लेकिन बड़ा प्रश्न ये है कि आखिर एक व्यक्ति कितन खाते खुलवा सकता है? क्या ज्यादा अकाउंट रखना सही है? तो अगर आप भी इसी दुविधा में फंसे हैं तो ये पूरा आलेख आपके लिए काम की बात है, इसे जरूर पढ़िए–

आपके काम की बात-

- बैंक अकाउंट जितने चाहें खोल सकते हैं लेकिन हर अकाउंट की जिम्मेदारी भी होती है। ऐसे में समझदारी सीमित अकाउंट रखने में ही है। इससे आपकी फाइनेंशियल लाइफ आसान भी रहेगी और सुरक्षित भी।

क्या सच लिमिट नहीं है?

- रिजर्व बैंक ने यह तय नहीं किया है कि एक व्यक्ति कितने बैंक खाते खोल सकता है।
- आप अपनी जरूरत के हिसाब से कई अकाउंट खोल सकते हैं, लेकिन ज्यादा अकाउंट का अर्थ हमेशा ज्यादा नियम और जिम्मेदारी होती है।

बैंक अकाउंट कितने प्रकार के?

जरूरत के हिसाब से अलग-अलग खाते होते हैं–

- **सेविंग अकाउंट**: आम लोगों के लिए, ब्याज मिलता है।
- **सैलरी अकाउंट**: नौकरीपेशा लोगों के लिए, खास फायदा-ये जीरो बैलेंस होते हैं।
- **करंट अकाउंट**: बिजनेस के लिए श्रेष्ठ, यानी ज्यादा ट्रांजेक्शन
- **जॉइंट अकाउंट**: परिवार या पार्टनर के साथ। इनमें हर अकाउंट का अलग काम और लाभ है।

अकाउंट जरूरी क्यों?

- सैलरी सीधे खाते में आती है। सरकारी योजनाओं का पैसा मिलता है। ऑनलाइन पेमेंट और UPI इसी से चलते हैं। अब तो बच्चों के लिए भी बैंक अकाउंट खोले जा रहे हैं ताकि शुरुआत से ही बचत की आदत बने साथ ही सरकार स्कॉलरशिप भी इसी में भेजती है।

ज्यादा अकाउंट रखने में समस्या?

ज्यादा अकाउंट देखने में अच्छा है लेकिन कई समस्याएं भी होती हैं–

- हर खाते में मिनिमम बैलेंस। (कुछ बैंकों में अभी भी जरूरी है)
- डेबिट कार्ड और मेंटेनेंस चार्ज अलग से लगते हैं।
- इससे धीरे-धीरे आपकी बचत कम होने लगती है।

आईटीआर भरते समय रिस्क संभव

- भारत आपको हर अकाउंट की जानकारी देनी पड़ती है।
- अब कोई सूचना छूट गई तो समस्या होगी।
- इससे ITR फाइलिंग कठिन हो जाता है

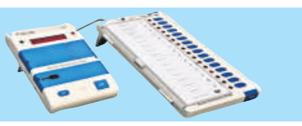

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

बंगाल को तीन भागों में बांटना चाहती है भाजपा : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार राज्य को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन करना चाहती है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों का विलय बिहार या ओडिशा में किया जा सकता है, जिससे उन क्षेत्रों में रहने वाले बंगालियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

बांकुडा जिले के छटना और ओंडा तथा पूर्वी बर्धमान के खंडघोष में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा-भाजपा पश्चिम बंगाल को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन विधेयक लाने की योजना बना रही है। वह बंगाल के कुछ हिस्सों का बिहार या ओडिशा में विलय कर सकती है और वहां के बंगालियों को प्रताड़ित कर सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल की सत्ता से हटाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा किया है।

बनर्जी का परोक्ष रूप से यह इशारा, सोशल मीडिया पर सामने आये आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) प्रमुख हुमांयू कबीर के उस वीडियो की ओर था जिसमें वह कथित तौर पर यह कहते हुए सुने गए कि वह बनर्जी को सत्ता से हटाने को शुभेंदु अधिकारी सहित भाजपा नेताओं से संपर्क में हैं। तृणमूल कांग्रेस ने मामले की जांच की मांग की है, जबकि भाजपा और एजेयूपी ने वीडियो को एआई निर्मित बताया है।

बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं वोटबैंक के सौदागर : योगी

बोले-केवल भाजपा सरकार के पास है तृणमूल और वामपंथी गुंडों का उपचार

बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल के सोनामुखी में जनसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले बांग्लादेश में एक दलित हिंदू की निर्मम हत्या पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी मौन रहीं। उन्हें भय था कि बोलने पर उनका मुस्लिम वोट न खिसक जाए। कहा कि वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं।

सोनामुखी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट मत दीजिए। योगी ने कहा कि ये लोग नवरात्रि आयोजन में व्यवधान पैदा करते हैं, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। हम सब मिलकर बंगाल का पुराना वैभव लौटा सकते हैं।

मैं इसी आह्वान के साथ आपके बीच आया हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल के शासन में यहां बहुत तांडव हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता सुमन को गोली मार दी गई। स्वरूप घोष, पलाश घोष, उत्पल दास जैसे कार्यकर्ताओं के घर उजाड़ दिए गए। सुशोभन का हाथ काट दिया। सीएम ने बंगालवासियों का आह्वान किया कि दिल्ली में मोदी हैं, पश्चिम बंगाल में भी आप भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी। तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा सरकार के पास है। स्थानीय भाषा में संवाद स्थापित करते हुए कहा कि अब बंगाल में 'खेला' बंद और भाजपा की जीत से विकास शुरू होगा। उन्होंने मंच से भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। योगी ने राष्ट्रगान के रचयिता गुरुदेव रवींद्र नाथ ठाकुर व राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को भी याद किया।

पहले यूपी में भी दंगे होते थे

योगी ने कहा कि जो अराजकता, अव्यवस्था, गुंडागर्दी आज बंगाल में है, 9 वर्ष पहले वही स्थिति उत्तर प्रदेश में भी थी। वहां त्योहारों के पहले दंगे होते थे, महीनों कर्फ्यू रहता था। 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश में जनता-जनार्दन ने डबल इंजन सरकार बनाई तो आज यूपी में तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण है।

तमिलनाडु चुनाव : मोदी, नबीन व राहुल के दौरे से आएगी तेजी

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में आगामी 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दौरे से चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा और कांग्रेस के शीर्ष नेता केरल, असम और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार के बाद अब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भाजपा राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आक्रामक चुनाव अभियान चला रही है। चुनावी अभियान की शुरुआत सबसे पहले भाजपा अध्यक्ष नवीन ने की, जो रविवार सुबह मदुरै पहुंचे। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वह रोड शो करेंगे, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की रैली को संबोधित करेंगे और बूथ कमेटी की बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अप्रैल को राज्य में कई रैलियां और रोड शो करेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद भी करेंगे। भाजपा इस द्रविड़ क्षेत्र में पकड़ मजबूत करने के लिए उत्सुक है। तमिलनाडु में पिछले छह दशकों से परंपरागत रूप से और बारी-बारी से द्रमुक और अन्नाद्रमुक सत्ता में रही।

दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी राज्य में चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। वह श्रीपेरंबदूर में अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के बाद विभिन्न सीटों पर रैलियां करेंगे।

तमिलनाडु की चुनावी लड़ाई चतुष्कोणीय नहीं मुकाबला केवल टीवीके और द्रमुक के बीच : विजय

कन्याकुमारी (तमिलनाडु),एजेंसी। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) अध्यक्ष विजय ने रविवार को कहा कि भले ही दावा किया जा रहा है कि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में चतुष्कोणीय मुकाबला है, लेकिन वास्तव में लड़ाई टीवीके और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच है। अभिनय से राजनीति में आए विजय ने कन्याकुमारी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चतुष्कोणीय या 40 कोणीय मुकाबला नहीं है। यहां केवल दो पक्ष हैं, एक टीवीके है, दूसरा द्रमुक। क्या आप जनविरोधी स्टालिन सरकार चाहते हैं, या विजय, जो जनता से प्रेम करता है, यह चुनाव बस इसी बात पर आधारित है। टीवीके की जनसभा में शामिल होने के लिए आई भारी भीड़ के बीच विजय ने साइकिल चलाई। उन्होंने अपने पिछले चुनाव प्रचार स्थल कराईकुडी में भी लोगों से संपर्क साधने के उद्देश्य से साइकिल चलाई थी। लेकिन हालात तब बेकाबू हो गए, जब लोग उनके करीब आने की कोशिश करने लगे। इस बार आयोजकों ने विजय के चारो ओर सुरक्षा घेरा बनाया था।

केंद्र से टकराव करेंगे तो तमिलनाडु को निधि कैसे मिलेगी: पलानीस्वामी

तंजावुर (तमिलनाडु), एजेंसी। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी ने राज्य को निधि जारी करने के मुद्दे पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब राज्य सरकार जानबूझकर केंद्र सरकार से टकराव कर रही है, तो उसे निधि कैसे मिल सकती है। वह अन्नाद्रमुक नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के महासचिव टी.टी.वी. दिनाकरन के साथ संयुक्त चुनाव प्रचार के तहत शनिवार को एक सभा को संबोधित कर रहे थे। पलानीस्वामी ने कहा कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं या वे एक-दूसरे की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन चुनाव के बाद चुनी हुई सरकार को उन लोगों की सेवा करनी चाहिए, जो उन्हें सत्ता में लेकर आए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर राज्य सरकार जानबूझकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करती है, तो तमिलनाडु को निधि कैसे मिल सकती है? केंद्र में कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने के दौरान भी द्रमुक को अपेक्षित निधि नहीं मिली थी। अब वह भाजपा की आलोचना कर रही है।

असम: पुलिस ने चुनावी मामले में कुंकी को समन भेजा, पहुंची थाने

गुवाहाटी, एजेंसी। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में गुवाहाटी सेंट्रल से पार्टी के उम्मीदवार कुंकी चौधरी को पुलिस द्वारा समन किये जाने को लेकर रविवार को सीएम हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ भाजपा अपने खिलाफ जनादेश को देख घबरा गई है। चुनाव संबंधी मामले में समन मिलने के बाद चौधरी सुबह पानबाजार पुलिस थाना पहुंचीं। उन्हें शनिवार को नोटिस देकर रविवार पूर्वाह्न 11 बजे से पहले पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था ऐसा नहीं करने पर उनकी गिरफ्तारी की बात कही गई थी। भाजपा कार्यकर्ता नबा कुमार लखकर ने नौ अप्रैल को मतदान के दिन चौधरी और उनके प्रबंधक संदीप यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आरोप था कि दोनों ने आचार संहिता का उल्लंघन कर स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव संचालन में बाधा डाली।

रणनीतिक साझेदारी और मजबूत करेंगे भारत-यूएई

अबू धाबी, एजेंसी

● जयशंकर ने यूएई के उपप्रधानमंत्री अल नाहयान से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से अबू धाबी में मुलाकात की और क्षेत्रीय स्थिति में हो रहे बदलावों और इसके प्रभावों पर चर्चा की।

जयशंकर नौ से 12 अप्रैल तक मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम चरण में अबू धाबी में हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आज शाम अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारी बातचीत क्षेत्रीय स्थिति में हो रहे बदलावों और उनके प्रभावों पर केंद्रित रही। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने खाड़ी देश में भारतीय समुदाय का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व द्वारा किए जा रहे प्रयासों को लेकर भारत की ओर से गहरी सराहना व्यक्त की।

मंत्री ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी और आगे बढ़ती रहेगी।

संरा महासचिव के चयन प्रक्रिया में सक्रिय रहेगा रूस

मास्को। रूस संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए उम्मीदवारों के नामांकन पर बारीकी से नजर रख रहा है और चयन प्रक्रिया में पूरी तरह से सक्रिय रहेगा। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों विभाग के निदेशक किरिल लोग्विनोव ने स्पुतनिक को दी। लोग्विनोव ने कहा, रूसी पक्ष अगले महासचिव के चयन की प्रक्रिया को पूरी तरह से जांचने का इरादा रखता है। हम नामांकन प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। हालांकि औपचारिक रूप से यह पद प्रशासनिक प्रकृति का है।

भारतीय स्थानों को काल्पनिक नाम देने के पीछे चीन की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

● अरुणाचल के सभी हिस्से भारत के अभिन्न अंग : जायसवाल

भारत ने चीन द्वारा भारतीय स्थानों के काल्पनिक नाम दिए जाने को चीनी चाल, शरारत और निराधार कथानक गढ़ने का प्रयास बताते हुए कहा है कि चीन की इस तरह की कार्रवाई द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के प्रयासों को कमजोर करती हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन द्वारा भारतीय स्थानों को काल्पनिक नाम देने के संबंध में मीडिया प्रश्नों के उत्तर में रविवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश सहित यह सभी हिस्से भारत का अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा, भारत चीनी पक्ष द्वारा भारत के क्षेत्र में आने वाले स्थानों को काल्पनिक नाम देने के किसी भी शरारतपूर्ण प्रयास को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि चीनी पक्ष की ये कार्रवाई भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। चीन को ऐसे कदमों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता पैदा करते हैं और बेहतर समझ विकसित करने के प्रयासों को क्षति पहुँचाते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि चीन द्वारा झूठे दावे प्रस्तुत करने और निराधार कथानक गढ़ने के प्रयास सच को बदल नहीं सकते।

न्यूज डिकोडर

आफ्टर मार्केट एक्सेसरीज

आपका शौक जो बन सकता है जानलेवा

शोरूम से गाड़ी बाहर निकलते ही अधिकांश मालिकों के मन में उसे 'सजाने' का विचार आने लगता है। यहीं से शुरू होता है 'आफ्टर-मार्केट एक्सेसरीज' का खेल। शोरूम के महंगे विकल्पों से बचने और अपनी कार को दूसरों से अलग दिखाने की होड़ में लोग स्थानीय बाजारों का रुख करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक चमकती हुई एक्स्ट्रा लाइट या डैशबोर्ड पर रखा एक भारी सजावटी सामान आपकी और दूसरों की जान के लिए कितना बड़ा खतरा हो सकता है? आफ्टर-मार्केट एक्सेसरीज वे उपकरण या पुर्जे होते हैं जो वाहन निर्माता द्वारा फैक्ट्री फिटेड नहीं होते, बल्कि बाद में बाहर से लगवाए जाते हैं। इनमें से कई एक्सेसरीज न केवल मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करती हैं, बल्कि वाहन की इंजीनियरिंग और सुरक्षा प्रणालियों (जैसे एयरबैग्स और सेंसर) के साथ भी छेड़छाड़ करती हैं। एक छोटी सी वायरिंग की गलती पूरी गाड़ी को आग के गोले में तब्दील कर सकती है, और एक गलत तरीके से लगाया गया बुल-बार हादसे के समय एयरबैग को खुलने से रोक सकता है। कानूनन, वाहन के मूल ढांचे या स्पेसिफिकेशन में बदलाव करना अपराध की श्रेणी में आता है, जिसके लिए भारी जुर्माना और जेल तक का प्रावधान है। फिर भी, जानकारी के अभाव में लोग अपनी वारंटी और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगा देते हैं। यह लेख इसी खतरनाक शौक की परतों को खोलता है।

इन एक्सेसरीज पर पाबंदी

- **बुल-बार या क्रैश गार्ड** : यह गाड़ी की सुरक्षा के लिए उसके आगे और पीछे की ओर लगाए जाते हैं। इन पर पूर्ण प्रतिबंध है।
- **टिंटेड ग्लास (काली फिल्म)** : सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार, शीशों पर बाहर से काली फिल्म लगाना अवैध है। विजिबिलिटी 70% (आगे-पीछे) और 50% (साइड) होनी चाहिए।
- **हॉर्न और साइलेंसर** : मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न प्रतिबंधित हैं। हॉर्न की ध्वनि 100 डेसीबल से ज्यादा न हो।
- **अतिरिक्त लाइटें** : ऐसी लाइटें जो सामने वाले की आंखों को चौंधिया दें, अवैध हैं। हेडलाइट की अधिकतम शक्ति 70 वाट की होनी चाहिए।
- **नंबर प्लेट** : फैंसी फॉन्ट या रंगों वाली नंबर प्लेट पर जुर्माना हो सकता है। हमेशा एचएसआरपी प्लेट का ही उपयोग करें।
- **चौड़े टायर** : कंपनी द्वारा निर्धारित साइज से ज्यादा बड़े टायर लगवाने पर भी चालान हो सकता है।

ये सुरक्षा के लिए घातक

- **बुल-बार** : लोग इसे सुरक्षा मानते हैं, लेकिन यह सबसे खतरनाक है। हादसे के समय ये 'क्रम्पल ज़ोन' को काम नहीं करने देते और इम्पैक्ट सेंसर्स को ब्लॉक कर देते हैं, जिससे एयरबैग्स नहीं खुलते। साथ ही, पैदल चलने वालों के लिए ये जानलेवा होते हैं।
- **गलत वायरिंग और हेडलैंप्स** : म्यूजिक सिस्टम या महंगी लाइटें लगवाने के लिए अक्सर मूल तारों को काटा जाता है। इससे शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है, जो कार में आग लगने का मुख्य कारण है।
- **बड़े अलॉय व्हील्स और टायर** : कंपनी द्वारा निर्धारित साइज से बड़े टायर लगवाने से सस्पेंशन खराब होता है ,ब्रेक लगाने की क्षमता कम हो जाती है।
- **सीट कवर्स** : अगर आपकी कार की सीटों में एयरबैग हैं, तो उन पर सामान्य सीट कवर लगवाना मौत को दावत देना है। ये एयरबैग को बाहर नहीं आने देते।

रद्द हो सकती है वाहन की वारंटी

- कंपनियां अपनी वारंटी शर्तों में बहुत सख्त होती हैं। निम्नलिखित स्थितियों में आपकी वारंटी खत्म हो सकती है।
- **इलेक्ट्रिकल कटिंग** : अगर किसी भी एक्सेसरी के लिए मूल वायरिंग को काटा गया है।
- **मैकेनिकल बदलाव** : इंजन ट्यूनिंग या सस्पेंशन के साथ छेड़छाड़।
- **अनधिकृत सीएनजी किट** : यदि किट आरटीओ अप्रूव्ड और कंपनी अधिकृत नहीं है।
- **स्ट्रक्चरल बदलाव** : चेसिस या बॉडी स्ट्रक्चर में ड्रिलिंग करना।

बीमा क्लेम भी प्रभावित

- आफ्टर मार्केट वाहन एक्सेसरीज लगवाने पर बीमा क्लेम खारिज होने का मुख्य आधार पॉलिसी के नियमों और शर्तों का उल्लंघन होता है। बीमा अधिनियम की धारा 45 के अनुसार, यदि आपने वाहन में कोई बड़ा बदलाव किया है, यदि एक्सेसरीज के कारण वाहन की संरचना या प्रदर्शन में बदलाव आता है और वे आरटीओ से स्वीकृत नहीं हैं, तो क्लेम खारिज किया जा सकता है।

सुरक्षा से समझौता

- वाहन निर्माता करोड़ों रुपये खर्च करके गाड़ी का सेफ्टी टेस्ट करते हैं। कोई भी अनटेस्टेड एक्सेसरी उस पूरी इंजीनियरिंग को बिगाड़ देती है।
- **संतुलन** : छत पर भारी सामान ले जाने वाले कैरियर या बड़े टायर गाड़ी के गुरुत्वाकर्षण केंद्र को बिगाड़ देते हैं, जिससे तेज मोड़ पर गाड़ी पलटने का डर रहता है।
- **इलेक्ट्रिक लोड** : अतिरिक्त एक्सेसरीज बैटरी और अल्टरनेटर पर दबाव डालती हैं, जिससे गाड़ी बीच रास्ते में बंद हो सकती है।

व्हीक्ल एक्ट

- मोटर वाहन अधिनियम की धारा 52 के अनुसार, कोई भी मालिक अपने वाहन में ऐसा बदलाव नहीं कर सकता जिससे निर्माता द्वारा दिए गए मूल विवरण बदल जाएं।
- **जुर्माना** : मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों में बाहरी एक्सेसरीज लगवाना या उनके मूल ढांचे में बदलाव करना अवैध माना जा सकता है। पकड़े जाने पर 1,000 से 25,000 रुपये तक का जुर्माना, वाहन की जब्ती, आरसी का निलंबन और कुछ मामलों में 6 महीने तक की जेल भी हो सकती है।
- **रंग बदलना** : यदि आप गाड़ी का रंग बदलते हैं, तो उसे आरटीओ में दर्ज कराना अनिवार्य है।

वर्ल्ड ब्रीफ

यूक्रेन का ईस्टर पर युद्धविराम उल्लंघन

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन पर रूसी सेना के ठिकानों को निशाना बनाकर 32 घंटे के ईस्टर युद्धविराम का उल्लंघन करने का रविवार को आरोप लगाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धविराम के शुरुआती 16 घंटों के दौरान यूक्रेनी सेना द्वारा युद्धविराम के दो हजार मामले सामने आए। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मैक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईस्टर के अवसर पर युद्धविराम की घोषणा होने के बावजूद, यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने कल रात पोक्रोव्स्कोये क्षेत्र से रूसी सैनिकों के ठिकानों पर तीन बार हमला किया। कहा कि 11 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार चार बजे से 12 अप्रैल को सुबह आठ बजे के बीच यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा कुल 1,971 बार युद्धविराम का उल्लंघन किया गया।

श्रीलंकाई नौसेना ने 12 मछुआरों को पकड़ा

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल क्षेत्र के 12 मछुआरों को रविवार सुबह गहरे समुद्र में मछली पकड़ते समय गिरफ्तार कर लिया। मछुआरे शनिवार रात कराईकल में मछली पकड़ने के लिए बंदरगाह से समुद्र में उतरे थे, तभी अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) को पार करने के बाद कराईनगर क्षेत्र के पास मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने उन्हें पकड़ लिया। श्रीलंकाई नौसेना जवानों ने उनकी मशीनीकृत नाव को भी जब्त कर लिया और उन्हें तथा नाव को कांकेसंथुराई ले गए।

छात्र मौत : संकाय सदस्यों की जांच शुरू

कन्नूर। कन्नूर डेंटल कॉलेज के प्रथम वर्ष के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने कॉलेज के कुछ संकाय सदस्यों के खिलाफ जांच शुरू की है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि छात्र के माता-पिता और मित्रों द्वारा संकाय सदस्यों पर भावनात्मक उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद चक्करक्कल पुलिस ने जांच शुरू की। अभी तक पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है। छात्र की पहचान तिरुवनंतपुरम निवासी नितिन राज आर.एल.(22) के रूप में हुई है जो यहां अंजराकांडी स्थित कॉलेज में बीडीएस प्रथम वर्ष का छात्र था।

मणिपुर में बम हमले के खिलाफ किया प्रदर्शन

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में हाल ही में हुए बम हमले और दो बच्चों की मौत के विरोध में रविवार को राजधानी इंफाल में हजारों लोगों ने रैली निकाली। यह रैली उरीपोक निर्वाचन क्षेत्र के कई स्थानीय निकायों के एक समूह, उरीपोक अपुनबा लुप और उरीपोक नुपी अपुनबा लुप द्वारा आयोजित की गई थी। रैली लैम्बोइखोंगनांगखोंग से शुरू हुई और चार किलोमीटर की दूरी तय की।

भारत का आर्थिक विकास वैश्विक साझेदारों के लिए एक बड़ा अवसर

कोलंबिया विश्वविद्यालय के इकोनॉमी समिट में बोले भारतीय राजदूत क्वात्रा

न्यूयॉर्क/ह्यूस्टन, एजेंसी

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा कि भारत की आर्थिक विकास यात्रा उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के लिए एक बड़ा अवसर है और इस बात पर बल दिया कि अमेरिका इस साझेदारी में सबसे आगे और केंद्र में है तथा भारत के सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक है।

क्वात्रा ने ये टिप्पणियां शनिवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स (एसआईपीए) के दीपक और नीरा राज सेंटर ऑन इंडियन इकोनॉमिक पॉलिसीज द्वारा आयोजित कोलंबिया इंडियन इकोनॉमी समिट 2026: द क्वेस्ट फॉर ए डेवलप्ड इंडिया में एक विशेष संबोधन के दौरान कीं।

उन्होंने छात्रों, शिक्षकों और भारतीय प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत का आर्थिक विकास हमारी अपनी यात्रा है जो न केवल आर्थिक विकास और समृद्धि के हमारे मूलभूत सिद्धांतों के लिए है बल्कि यह हमारे अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के लिए भी एक बड़ा अवसर है। अमेरिका हमारे सबसे महत्वपूर्ण व अहम साझेदारों में से एक है। द्विपक्षीय संबंधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए क्वात्रा ने कहा कि साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और बदलते वैश्विक परिवर्तनों से निपटने में भारत-अमेरिका साझेदारी सबसे महत्वपूर्ण और सबसे निर्णायक साझेदारियों में से एक है।

उन्होंने विश्वास जताया कि भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए अपने लोगों के लिए आर्थिक विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाना जारी रखेगा। राजदूत ने कहा कि हम भारत में अपनी यात्रा, अपने आर्थिक विकास, अपने समाज के विकास के एक परिवर्तनकारी दौर में हैं... साथ ही, हम वैश्विक बदलावों के संबंध में सीखने के लिहाज से एक अनूठे दौर में भी जी रहे हैं।

लगातार मजबूत हो रहे भारत-अमेरिकी संबंध

भारतीय दूतावास ने बताया कि उन्होंने समुदाय को एकजुट करने में प्रवासी संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस (एफआईए) के कार्यों की सराहना की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान को स्वीकारा। द ग्रोथ ट्रायंगल शीर्षक से एक सत्र में भाग लेते हुए ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्यदूत डी सी मंजुनाथ ने कहा कि सरकार, व्यापार और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव के माध्यम से भारत-अमेरिका संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने भारत और टेक्सास के बीच बढ़ते सहयोग को व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। इस कार्यक्रम में भारत के बदलते नीतिगत परिदृश्य और विकास प्राथमिकताओं की जानकारी दी गई।

साझेदारी में भारत के लिए रणनीतिक, राजनीतिक और सुरक्षा प्रमुख

मजबूत अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के महत्व और सार पर बल देते हुए क्वात्रा ने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी में सरकार-से-सरकार, सरकार-से-व्यापार, व्यापार-से-व्यापार और लोगों-से-लोगों के संबंध शामिल हैं। उन्होंने कहा, इन चार श्रेणियों के भीतर क्षेत्रीय विस्तार के संदर्भ में हमारे लिए एक प्रमुख खंड रणनीतिक राजनीतिक और सुरक्षा है। उन्होंने क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद), भारत-पश्चिम एशिया आर्थिक गलियारे और अमेरिका के साथ व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी जैसी पहलों के माध्यम से चुनौतियों और अवसरों की पुनर्कल्पना करने के प्रयासों का उल्लेख किया। क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में नेतृत्व स्तर का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को मौजूदा वैश्विक बदलावों के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

रोहतक से दिल्ली तक हरित गलियारा बनाकर पहुंचाया गया मरीज के लिए हृदय

● एंबुलेंस ने 85 मिनट में पूरी की 98 किलोमीटर से अधिक की दूरी

नई दिल्ली। जरूरतमंद मरीज में प्रतिरोपित किए जाने के लिए एक दानदाता के जीवित हृदय को लेकर एक एंबुलेंस ने रोहतक से राष्ट्रीय राजधानी तक की 98 किलोमीटर से अधिक की दूरी 85 मिनट में पूरी की। इसके लिए नौ अप्रैल को एक हरित गलियारा बनाया गया था। इसमें कहा गया है कि दिल्ली पुलिस और रोहतक पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए 'हरित गलियारे' की मदद से एंबुलेंस ने अपराह्न 2.50 बजे से 4.15 बजे के बीच यह दूरी तय की, जिससे यह सुनिश्चित हो सका कि महत्वपूर्ण समय सीमा के भीतर हृदय कार्यशील बना रहे। ओखला स्थित फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के अनुसार, यह अंग पं. बी.डी. शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज , रोहतक में 37 वर्षीय 'ब्रेन-डेड' दाता से प्राप्त किया गया था और प्रतिरोपण के लिए दिल्ली के अस्पताल में लाया गया था। बयान में कहा गया है कि गंभीर डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित प्राप्तकर्ता 26 वर्षीय मरीज में सफल प्रतिरोपण किया गया और वर्तमान में आईसीयू में उसकी गहन निगरानी की जा रही है।

अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा अनावृत्त

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● सिएटल में नगर प्रशासन की ओर से स्थापित कराई गई कांस्य प्रतिमा

अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का सिएटल में अनावरण किया गया। यह प्रतिमा प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद के सम्मान में स्थापित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में वेस्टलेक स्क्वायर पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है।

भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है। विल्सन ने समारोह में कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है।

आज नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राजधानी में राष्ट्रीय स्तर के 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन विज्ञान भवन में पूर्वाह्न 11 बजे रखा गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की प्रख्यात हस्तियां और महिलाएं भाग लेंगी। इसमें सरकार, शिक्षा जगत, विज्ञान, खेल, उद्यमिता, मीडिया, सामाजिक कार्य और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी महिलाएं शामिल होंगी। सितंबर 2023 में संसद ने ' नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया , जो विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की गयी हैं। अब देश भर में महिला आरक्षण के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए 16 अप्रैल को संसद की बैठक बुलाई गई है। यह सम्मेलन देश के विकास पथ को आकार देने में महिलाओं की अधिक भागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने को आयोजित किया जा रहा है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज दिन की शुरुआत कार्यभार के साथ होगी। दोपहर बाद नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष – आज दोपहर बाद धीरे-धीरे कार्यों में गति आएगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्च से बचना आवश्यक है।

मिथुन – आज आपकी बुद्धि और संचार क्षमता मजबूत रहेगी। नए विचार सामने आएंगे और लाभ के अवसर बनेंगे। संपर्कों से सहयोग मिलेगा।

कर्क – आज दिन की शुरुआत में मन विचलित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में दबाव रहेगा, लेकिन स्थिति धीरे-धीरे सुधर जाएगी।

सिंह – आज का दिन सकारात्मक रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नए संपर्क लाभकारी सिद्ध होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

कन्या – आज दिन की शुरुआत थोड़ी व्यस्तता के साथ होगी। आपकी योजना सफल रहेगी। मानसिक संतुलन बना रहेगा।

तुला – आज का दिन अनुकूल रहेगा। मित्रों और सहयोगियों से मदद मिलेगी। कार्यों में सफलता मिलने की संभावना बनी रहेगी।

वृश्चिक – आज दिन की शुरुआत सावधानी से करें, क्योंकि कार्यों में बाधा आ सकती है। प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन धैर्य से आप स्थिति संभाल लेंगे।

धनु – आज भाग्य आपका साथ देगा। कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। बनते कार्यों से आत्मविश्वास मजबूत रहेगा।

मकर – आज दिन की शुरुआत आपके पक्ष में रहेगी। दोपहर बाद कुछ बदलाव आ सकते हैं। परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा।

कुंभ – आज उधार दिया हुआ धन वापस मिलेगा। नए संपर्क बनेंगे और कार्यों में प्रगति होगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मीन – आज खर्च पर नियंत्रण रखें और धैर्य बनाए रखें। थोड़ी उलझन हो सकती है, धीरे-धीरे स्थिति स्पष्ट होगी। कार्यों में प्रगति मिलेगी।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

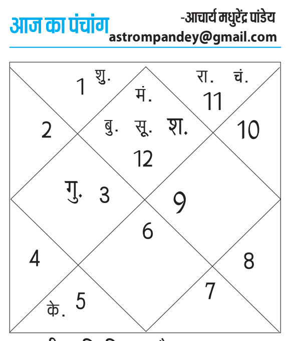

आज की ग्रह स्थिति : 13 अप्रैल, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 14 अप्रैल 01.08 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-धनिष्ठा 16 .03 तक तत्पश्चात शतभिषा।

सुडोकू - 117 का हल

5	8	1	2	6	7	4	3	9
9	7	4	3	8	1	5	6	2
2	6	3	4	9	5	8	1	7
7	3	9	5	1	8	6	2	4
4	5	6	9	3	2	7	8	1
1	2	8	7	4	6	3	9	5
6	4	7	1	2	3	9	5	8
3	9	2	8	5	4	1	7	6
8	1	5	6	7	9	2	4	3

सुडोकू -118

			7				9	
6		2					7	
9			4			5		
4		7			1	8		
	3						6	
		5	9		6			3
		8			2			7
	9					2	5	
	1				3			

सीधी उड़ान सहित ताइवान से निलंबित कुछ संबंधों को फिर से शुरू करेगा चीन

बैंकॉक। चीन ने रविवार को कहा कि वह ताइवान के साथ निलंबित संबंधों को कुछ हद तक फिर से शुरू करेगा। इनमें समूचे चीन के शहरों के लिए सीधी उड़ानें और ताइवानी मत्स्य उत्पादों का आयात भी शामिल है। हाल में ताइवान की विपक्षी पार्टी की नेता ने चीन की यात्रा की थी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन ताइवान वर्क ऑफिस ने एक बयान में कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी और ताइवान की कुओमिंतांग पार्टी के बीच एक दीर्घकालिक संचार तंत्र स्थापित करने की संभावना तलाशेगा तथा ताइवान के जलीय कृषि उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाएगा जिन पर हाल के वर्षों में प्रतिबंध लगा दिया गया था। कुओमिंतांग पार्टी की प्रमुख चेंग ली-वुन और चीनी राष्ट्रपति शी ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की जिसमें दोनों ने शांति की अपील की।

कारनामा

विश्व की सर्वाधिक शैक्षणिक डिग्री रखने वाले इंसान हैं राजस्थान के झुंझनूं जिले के दशरथ सिंह

जुनून : हासिल कीं 138 डिग्रियां, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र

जयपुर, एजेंसी

आम तौर पर लोग एक या दो डिग्री हासिल कर संतुष्ट हो जाते हैं लेकिन यदि किसी व्यक्ति के अंदर पढ़ाई का ऐसा जुनून हो कि उसने पास 138 डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र हों तो ऐसे व्यक्ति को आप क्या कहना पसंद करेंगे। यह कारनामा राजस्थान में झुंझुनूं जिले के डॉ. दशरथ सिंह ने कर दिखाया है।

हाल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के 39वें दीक्षांत समारोह में डॉ. दशरथ सिंह को 138वीं डिग्री प्रदान की गई। उन्होंने वैदिक अध्ययन में परास्नातक की डिग्री विशिष्ट योग्यता के साथ हासिल की। वह शिक्षा के क्षेत्र में 11 विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। दशरथ वर्तमान में भारतीय सेना एवं रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार हैं।

सेना की नौकरी के दौरान पंजाब, जम्मू-कश्मीर, असम जैसे अपेक्षाकृत कठिन इलाकों में तैनाती के बावजूद दशरथ में पढ़ाई का जुनून कम नहीं हुआ। सेना की नौ राजपूताना रेजिमेंट में सिपाही रहे दशरथ सिंह का नाम इंरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मोस्ट एजुकेशनली क्वालिफाइड पर्सन ऑफ द वर्ल्ड यानी विश्व के सबसे ज्यादा शैक्षणिक योग्यता रखने वाले व्यक्ति के रूप में दर्ज है।

डॉ. दशरथ सिंह अब तक तीन विषयों में पीएचडी, सात में स्नातक, 46 में स्नातकोत्तर, 23 में डिप्लोमा, सेना से संबंधित सात विषयों में डिग्री और 52 विषयों में प्रमाणपत्र हासिल कर चुके हैं। राजस्थान से सबसे ज्यादा सैनिक देने वाले झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ तहसील के खिरोड़ गांव में एक साधारण से किसान एवं सैनिक परिवार में जन्मे दशरथ अपने परिवार से तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उनका बचपन बेहद कष्टमय और कठिन परिस्थितियों में गुजरा। दशरथ ने कहा, मेरे परिवार में कोई पढ़ा लिखा नहीं था और न ही पढ़ाई-लिखाई का कोई माहौल ही था।

दशरथ के नाम शिक्षा क्षेत्र में 11 रिकॉर्ड

दशरथ के नाम शिक्षा के क्षेत्र में 11 रिकॉर्ड हैं, जिनमें इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, दो हॉवर्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड, यूएसए बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, ग्लोबल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और नेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं।

> मेरे लिए सबसे अहम चीज टीम की जीत थी। मैं तो बस बाकी गेंदबाजों द्वारा बनाए गए दबाव का फायदा उठा रहा था। पेस और धीमी गेंदों के मिश्रण पर के लिए आपको नेट्स में काफी अभ्यास करना पड़ता है, ताकि मैच में उसे सही तरीके से इस्तेमाल कर सकें।
>
> **- प्रसिद्ध कृष्णा**

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 13 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी राजस्थान - 200 रन

रजत पाटीदार बेंगलुरु - 195 रन

हेनरिक क्लासेन हैदराबाद - 184 रन

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात - 10 विकेट

रवि विश्नोई राजस्थान - 9 विकेट

अंशुल कंबोज चेन्नई - 8 विकेट

हाईलाइट

मियामी में यूएफसी 327 मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स इवेंट में महिलाओं के स्ट्रॉवेट मुकाबले में मेक्सिको की लूपी गोडिनेज़ को अमेरिका की तातियाना सुआरेज (दाएं) को हरा दिया। **एजेंसी**

घर में फिर लड़खड़ाया लखनऊ गुजरात ने सात विकेट से हराया

मार्करम के अलावा एलएसजी का कोई बल्लेबाज 20 रन भी नहीं बना सका

लखनऊ, एजेंसी

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। एलएसजी एकाना में एकबार फिर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

सुपर जाएंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते गुजरात टाइटंस के मोहम्मद सिराज। एजेंसी

राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जाएंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद विकेट गंवा दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया। गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 में बटलर का 100वां अर्धशतक है।

इकाना में एलएसजी का अनचाहा रिकॉर्ड

एलएसजी ने पिछले सत्र में यहां खेले गए आठ मैचों में से छह में हार झेली थी। इसमें लगातार पांच मैचों में हार शामिल हैं। यही कारण रहा कि वह पिछले साल सातवें स्थान पर रहा था। उसने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है।

लखनऊ सुपर जाएंट्स

164/8 (20 ओवर)

- एडेन मारक्रम का सुंदर बो कृष्णा 30
- मिचेल मार्श का गिल बो रबाडा 11
- ऋषभ पंत का तेवतिया बो सिराज 18
- आयुष बडोनी का फिलिप्स बो कृष्णा 09
- निकोलस पूरन का गिल बो कृष्णा 19
- अब्दुल समद का फिलिप्स बो अशोक 18
- मुकुल चौधरी का बटलर, बो प्रसिद्ध 18
- जॉर्ज लिंडे का स्थानापन्न बो अशोक 16
- मोहम्मद शमी नाबाद 12
- आवेश खान नाबाद 04

अतिरिक्त : 9, **गेंदबाजी** : सिराज 4-0-19-1, रबाडा 4-0-54-1, अशोक 4-0-32-2, प्रसिद्ध 4-0-28-4, राशिद 4-0-25-0

गुजरात टाइटंस

165/3 (18.4 ओवर)

- साई सुदर्शन का आवेश बो राठी 15
- शुभमन गिल का पंत बो प्रिंस 56
- जोस बटलर का मारक्रम बो शमी 60
- वाशिंगटन सुंदर नाबाद 21
- राहुल तेवतिया नाबाद 10

अतिरिक्त : 03, गेंदबाजी : शमी 4-0-36-1, प्रिंस 4-0-31-1, राठी 4-0-31-1, लिंडे 3-0-28-0, आवेश 2-0-24-0, मारक्रम 1.4-0-15-0

4000 रन पूरे किए शुभमन गिल ने आईपीएल में

1422 रन लखनऊ जाएंट्स के लिए बनाकर निकोलस पूरन सबसे आगे निकल गए, उन्होंने केएल राहुल 1410 का रिकॉर्ड तोड़ा

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	4	4	0	0	8	2.055
2.	पंजाब किंग्स	4	3	0	1	7	0.720
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	4	3	1	0	6	1.148
4.	दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	4	0.322
5.	गुजरात टाइटंस	4	2	2	0	4	-0.029
6.	लखनऊ सुपर जाइटंस	4	2	2	0	4	-0.427
7.	सनराइज़र्स हैदराबाद	4	1	3	0	2	-0.024
8.	मुंबई इंडियंस	4	1	3	0	2	-0.772
9.	चेन्नई सुपर किंग्स	4	1	3	0	2	-1.532
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	4	0	3	1	1	-1.315

नवाबी नगरी में चिलचिलाती धूप पर भारी पड़ा क्रिकेट का जुनून

- सचिन की बेटी सारा और बहू सानिया बनीं आकर्षण का केंद्र
- 'सिलेंडर बेचकर मैच देखने आए' वाले पोस्टर ने बटोरी सुर्खियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। नवाबों के शहर लखनऊ के इकाना स्टेडियम में रविवार को क्रिकेट का ऐसा हाई वोल्टेज करंट दौड़ा कि चिलचिलाती धूप भी प्रशंसकों के जोश को ठंडा नहीं कर सकी। गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में भले ही लखनऊ ने दिल जीता, लेकिन मैच गुजरात के शुभमन गिल ले उड़े।

सिलेंडर बेचकर देखने आए मैच, सारा समेत सितारों का जमावड़ा

स्टेडियम में केवल चौके-छक्कों के पोस्टर ही नहीं, बल्कि कुछ अतरंगी संदेश भी दिखे। एक दर्शक का पोस्टर "घर में गैस नहीं, सिलेंडर बेचकर मैच देखने आए हैं" सोशल मीडिया और स्टेडियम में चर्चा का विषय बना रहा। वहीं, वीआईपी बॉक्स में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर और उनकी भाभी सानिया (अर्जुन तेंदुलकर की पत्नी) एलएसजी को सपोर्ट करती नजर आईं। सानिया अपनी टीम की जर्सी में पूरी तरह क्रिकेट के रंग में रंगी थीं।

नारेबाजी का जबरदस्त मुकाबला

मैदान और उसके बाहर, गेट नंबर-2 पर प्रशंसकों के बीच नारों की जंग छिड़ी रही। एलएसजी के समर्थकों ने नारा बुलंद किया– "इकाना-लखनऊ का पुराना है साथ, गुजरात की नहीं बनेगी बात", तो गुजरात के फैंस ने भी पलटवार करते हुए "जीतेगा भाई जीतेगा, गुजरात जीतेगा" के नारों ने माहौल गरमाए रखा। इससे पहले मीडिया बॉक्स में वरिष्ठ खेल पत्रकार संतोष सूरी के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, यूपीसीए सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता और इकाना के एमडी उदय सिन्हा ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

27 करोड़ वाले पंत फिर रहे फ्लॉप

लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत से फैंस को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बोली वाले इस खिलाड़ी का बल्ला इकाना में एक बार फिर खामोश रहा। पंत ने शुरुआत तो आक्रामक की, लेकिन 11 गेंदों में मात्र 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इस सीजन के चार मैचों में पंत का प्रदर्शन (7, 68*, 10, 18) उनके फॉर्म में निरंतरता की कमी दिखी।

बरवाल ने मैराथन में 48 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

रोटरडैम (नीदरलैंड)। सावन बरवाल ने रविवार को रोटरडैम एनएन मैराथन में भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम 48 साल पुराने राष्ट्रीय मैराथन रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रच दिया। बरवाल ने दो घंटे 11 मिनट और 58 सेकंड का समय लेकर इस शीर्ष स्तर की मैराथन में 20वां स्थान हासिल किया और शिवनाथ सिंह के नाम 1978 से कायम दो घंटे 12 मिनट के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

सीएसके के सिमंस ने कहा, लड़के हारते-हारते थक गए थे

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा कि लगातार तीन हार से टीम का मनोबल नहीं गिरा था, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि खिलाड़ी हारते-हारते थक चुके थे। पांच बार के चैंपियन सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराकर हार का सिलसिला तोड़ा और इस तरह से वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला। सिमंस ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, हमारे खिलाड़ी इस मैच को जीतने के लिए वास्तव में बेताब थे। मुझे लगता है कि लगातार तीन मैच हारने के बाद हम हारते-हारते थक गए थे।

विजय रथ पर सवार रॉयल्स की भिड़ंत सनराइजर्स से

हैदराबाद, एजेंसी

बेहतरीन फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी तो उसकी नजरें शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर टिकी होंगी। रॉयल्स ने मौजूदा सत्र में लगभग हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया है। चार मैच में चार जीत टीम के दबदबे को दिखाती है। टीम के पास खतरनाक शीर्षक्रम और बेहद संतुलित गेंदबाजी आक्रमण है।

टीम की सफलता में यशस्वी जायसवाल और किशोर स्टार वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार सलामी जोड़ी की अहम भूमिका रही है जिन्होंने पावरप्ले में लगातार विरोधी टीम के आक्रमण को ध्वस्त किया है। जायसवाल और सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक बना दिया है। तीसरे नंबर पर ध्रुव जुरेल ने स्थिरता दी है और यह सुनिश्चित किया है कि टीम लय नहीं खोए। कप्तान रियान पराग की अगुआई वाले मध्य क्रम की अब तक अधिक परीक्षा नहीं हुई है। हालांकि मध्य क्रम के बल्लेबाज अब तक मिले सीमित मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा पाए हैं।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद : इशान किशन (कप्तान), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्राइडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रेविस हेड, प्रफुल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, इशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नितीश रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पेन, साकिब हुसैन, शिवम मावी, रविचंद्रन स्मरण, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

आरसीबी ने मुंबई को 18 रनों से परास्त किया

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते फिल सॉल्ट। एजेंसी

मुंबई, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और विराट कोहली के अर्धशतकों से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टी20 मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हरा दिया।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आरसीबी ने शीर्ष क्रम में सॉल्ट (78 रन), पाटीदार (53 रन) और कोहली (50 रन) की बदौलत चार विकेट पर 240 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 222 रन बना सकी। उसके लिए शेरफाने रदरफोर्ड ने 31 गेंद में 71 रन (नौ छक्के, एक चौका) की नाबाद पारी खेली और शीर्ष स्कोरर रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने 40 रन, रेयान रिकलटन ने 37 रन और सूर्यकुमार यादव ने 33 रन का योगदान दिया। आईपीएल के 13 सत्र में पहली दफा टूर्नामेंट की शुरूआत जीत से करने के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम इस लय को जारी नहीं रख सकी जिससे उसे लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। वहीं गत चैंपियन आरसीबी की यह चार मैच में तीसरी जीत है जिससे वह छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। मैच में कई वाइड और नो-बॉल हुईं तथा कई रिव्यू लिए गए जिससे मैच खत्म होने में काफी समय लगा। सॉल्ट और कोहली ने पहले विकेट के लिए 65 गेंद में 120 रन की भागीदारी निभाई। सॉल्ट ने 36 गेंद का सामना करते हुए छह छक्के और इतने ही चौके जमाए। गत चैंपियन टीम के लिए पाटीदार और टिम डेविड (नाबाद 34 रन, 16 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) ने आते ही तेजी से रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पाटीदार (20 गेंद) ने आते ही छक्कों और चौकों की झड़ी लगाकर आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा जिसके लिए उन्होंने 17 गेंद खेलीं जिसमें चार चौके और पांच छक्के जड़े थे। मुंबई इंडियंस के लिए शार्दुल ठाकुर, मिचेल सैंटनर, हार्दिक पंड्या और ट्रेंट बोल्ट को एक एक विकेट मिले।

जीत का जश्न मनाते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी। एजेंसी

- फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और विराट कोहली ने खेलीं शानदार पारियां

आरसीबी

240/4 (20 ओवर)

- फिल सॉल्ट का हार्दिक बो ठाकुर 78
- विराट कोहली का यादव बो हार्दिक 50
- रजत पाटीदार का तिलक बो सैंटनर 53
- टिम डेविड नाबाद 34
- जितेश शर्मा पगबाधा बो बोल्ट 10
- रोमारियो शेफर्ड नाबाद 02

अतिरिक्त : 13,

गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-50-1, हार्दिक 4-0-39-1, बुमराह 4-0-35-0, सैंटनर 4-0-43-1, मार्कंडेय 2-0-40-0, शार्दुल 2-0-32-1

मुंबई इंडियंस

222/5 (20 ओवर)

- रिकलटन का भुवनेश्वर बो सूयश 37
- रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट 19
- सूर्यकुमार यादव का रसिख बो कृणाल 33
- तिलक वर्मा का डफी बो सूयश 01
- हार्दिक पंड्या का शेफर्ड बो डफी 40
- शेरफाने रदरफोर्ड नाबाद 71
- नमन धीर का पाटीदार बो रसिख 01
- मिचेल सैंटनर नाबाद 08

अतिरिक्त : 12

गेंदबाजी : डफी 4-0-50-1, भुवनेश्वर 4-0-38-0, रसिख सलाम 2.5-0-23-1, कृणाल पंड्या 4-0-26-1, सूयश शर्मा 4-0-47-2, रोमारियो शेफर्ड 1.1-0-28-0

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ सीधे गेमों में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा

शटलर आयुष शेट्टी की फाइनल में टूटी उम्मीद

निंगबो (चीन), एजेंसी

भारत के आयुष शेट्टी को रविवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मंगलुरु के 20 साल आयुष को लय हासिल करने में परेशानी हुई और वह चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन से 8-21, 10-21 से हार गए जिससे इस प्रतियोगिता में भारत का पुरुष एकल स्वर्ण पदक का 61 साल का इंतजार जारी रहा। हार के बावजूद गौरवरीय आयुष का अभियान शानदार रहा। वह दिनेश खन्ना के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने।

खन्ना इस प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय एकल चैंपियन हैं। उन्होंने 1965 में यह खिताब जीता था। खन्ना के अलावा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने भी 2023 में यह खिताब जीता था। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष इस साल की शुरुआत में मलेशिया सुपर 1000 और पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स में शी से हारने के बाद इस मुकाबले में उतरे थे। आयुष ने हालांकि इस हफ्ते अधिक नियंत्रण और आक्रामकता के साथ खेला और फाइनल के अपने सफर के दौरान दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कुनलावत वितिदसार्न, दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी और वर्ल्ड सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग को हराया। आयुष ने हालांकि शी की कड़ी चुनौती के सामने घुटने टेक दिए। चीन के खिलाड़ी ने उन्हें अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल खेलने का मौका नहीं दिया। शी ने अपने खेल की विविधता से भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बनाया और कुछ सटीक स्मैश भी लगाए। चीन के खिलाड़ी ने दो बढ़िया नेट ड्रिबल से शुरुआती अंक हासिल किए और 4-0 की बढ़त बना ली। आयुष के स्मैश शुरू में सटीक नहीं थे और वह 2-6 से पिछड़ गए। चीन के खिलाड़ी ने लंबी रैली के बाद बाहर शॉट बाहर जिससे आयुष को कुछ राहत मिली।

नियंत्रण हासिल करने के लिए कर रहे थे संघर्ष

आयुष नियंत्रण हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे और उन्होंने कई सहज गलतियां की। शी ने शानदार ड्रॉप शॉट लगाया और क्रॉस कोर्ट शॉट लगाकर आयुष को गलतियां करने के लिए मजबूर किया। शी ने दो स्मैश के साथ गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर आयुष के बाहर शॉट मारने से पहला गेम जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी को मैच में बने रहने के लिए दूसरा गेम जीतना था। उन्होंने बेहतर शुरुआत करते हुए 3-1 की बढ़त बनाई लेकिन शी ने नेट पर कुछ अच्छे शॉट खेलकर उन पर दबाव बनाए रखा। आयुष हालांकि 7-2 की बढ़त बनाने में सफल रहे लेकिन इसके बाद उन्होंने लय गंवा दी। भारतीय खिलाड़ी ने दो शॉट बाहर जबकि एक नेट पर मारा जिससे शी ने 7-7 के स्कोर पर बराबरी हासिल कर ली और फिर ब्रेक तक 11-8 से आगे हो गए। ब्रेक के बाद शी पूरी तरह छाए रहे। उन्होंने कछ अच्छे स्मैश से स्कोर 13-8 किया और फिर इसे 15-9 तक पहुंचाया। शी ने बॉडी रिटर्न अंक के बाद सीधे स्मैश से स्कोर 17-9 किया। आयुष ने फिर एक और शॉट बाहर मारा जबकि शी स्मैश के साथ अंक जुटाकर खिताब से सिर्फ दो अंक दूर पहुंच गए।

पहले दिन तीन घंटे के खराब खेल से हमें नुकसान हुआ : विशाल उप्पल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कप्तान विशाल उप्पल ने बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक में अपनी टीम के तीसरे स्थान पर रहने के लिए पहले दिन तीन घंटे के खराब खेल को जिम्मेदार ठहराया जिससे भारत विश्व ग्रुप प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से चूक गया। भारत ग्रुप एक में ही रहेगा जबकि शीर्ष पर रहने वाली दो टीम थाईलैंड और इंडोनेशिया ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया।

एक सप्ताह के उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन पर बात करते हुए उप्पल ने कहा कि थाईलैंड के खिलाफ धीमी शुरुआत एक कड़े मुकाबले में महंगी साबित हुई। उप्पल ने शनिवार को फाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराने के बाद कहा सबसे बड़ी खुशी तो यही है कि हमने कोरिया को हरा दिया। लेकिन दुख की बात यह है कि हमने सप्ताह की शुरुआत में तीन घंटे खराब टेनिस खेली, जिसकी वजह से हम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाए। भारत ने क्वालीफाई करने की उम्मीदों के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया था, लेकिन थाईलैंड के खिलाफ हार उसे भारी पड़ी। उप्पल ने कहा अभी बहुत दुख हो रहा है। प्रतियोगिता से पहले हम जानते थे कि क्वालीफाई करने के लिए थाईलैंड और कोरिया को हराना होगा।

बिली जीन किंग कप के दौरान भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी